हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक वीरवार, दिनांक 11 जनवरी, 2018 को अध्यक्ष डॉ० राजीव बिन्दल जी की अध्यक्षता में विधान सभा भवन, तपोवन, धर्मशाला-176215 में 11.00 बजे पूर्वाह्न आरंभ हुई।

11.01.2018/1100/SLS-HK-1

साप्ताहिक शासकीय कार्यसूची बारे वक्तव्य

अध्यक्षः अब माननीय मुख्य मंत्री माननीय सदन को इस सप्ताह की कार्यसूची से अवगत करवाएंगे।

मुख्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदन को इस सप्ताह की शासकीय कार्यसूची से अवगत करवाता हूं जो इस प्रकार से है -

वीरवार, 11 जनवरी, 2018	शासकीय एवं विधायी कार्य। उपाध्यक्ष का चुनाव। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण एवं चर्चा।
शुक्रवार, 12 जनवरी, 2018	शासकाय एवं विधायी कार्य। राज्यपाल महोदय जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा एवं पारण।

11.01.2018/1100/SLS-HK-2

मन्त्री परिषद का परिचय

अध्यक्षः मैं सदन के नेता श्री जय राम ठाकुर जी से अनुरोध करूंगा कि वे अपनी मंत्रिपरिषद के सदस्यों का विधिवत परिचय सभा में करांए।

मुख्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन को अपनी मंत्रिपरिषद का परिचय करवाता हूं।

श्री महेन्द्र सिंह ठाकुर	माननीय सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंत्री। इसके अतिरिक्त इनके पास उद्यान एवं सैनिक कल्याण विभाग भी हैं।
श्री किशन कपूर	माननीय खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री। इसके अतिरिक्त इनके पास निर्वाचन विभाग भी है।
श्री सुरेश भारद्वाज	माननीय शिक्षा मंत्री। इसके अतिरिक्त इनके पास संसदीय कार्य, लॉ एवं लीगल रिमैंबरैंस विभाग भी हैं।
श्री अनिल शर्मा	माननीय बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री।
श्रीमती सरवीन चौधरी	माननीय शहरी विकास मंत्री। इसके अतिरिक्त इनके पास हाउसिंग विभाग भी है।
श्री (डॉ.) राम लाल मारकण्डा	माननीय कृषि मंत्री। इसके अतिरिक्त इनके पास जनजातीय विकास एवं सूचनाएवं तकनीकी विभाग भी हैं।
श्री विपिन सिंह परमार	माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री। इसके अतिरिक्त इनके पास आयुर्वेद एवं विज्ञान तथा तकनीकी विभाग भी हैं।
श्री वीरेन्द्र कंवर	माननीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री। इसके अतिरिक्त इनके पास पशु पालन एवं मत्स्य पालन विभाग भी हैं।

11.01.2018/1100/SLS-HK-3

श्री बिक्रम सिंह	माननीय उद्योग मंत्री। इसके अतिरिक्त इनके पास लेबर एंड इम्पलायमैंट तथा तकनीकी शिक्षा व वोकेशनल इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग विभाग भी हैं।

श्री गोविन्द सिंह ठाकुर	माननीय वन मंत्री। इसके अतिरिक्त इनके पास परिवहन तथा युवा सेवाएं एवं खेल विभाग भी हैं।
डॉ. राजीव सैजल	माननीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री। इसके साथ ही इनके पास सहकारिता विभाग भी है।

अध्यक्षः मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों को मेरी ओर से बहुत-बहुत शुभ-कामनाएं।

11.01.2018/1100/SLS-HK-4

स्वीकृत विधेयक सभा पटल पर

अध्यक्षः अब सचिव, विधान सभा बारहवीं विधान सभा द्वारा पारित विधेयकों की प्रतियां, जिनमें महामहिम राज्यपाल महोदय की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, सभा पटल पर रखेंगे।

सचिव, विधान सभाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से बारहवीं विधान सभा द्वारा पारित निम्नलिखित विधेयकों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं जिन्हें महामहिम राज्यपाल महोदय की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है -

1. हिमाचल प्रदेश स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विधेयक, 2017 (2017 का अधिनियम संख्यांक 11);
2. हिमाचल प्रदेश विनियोग (संख्यांक 3) विधेयक, 2017 (2017 का अधिनियम संख्यांक 12); और

3. हिमाचल प्रदेश निरसन विधेयक, 2017 (2017 का अधिनियम संख्यांक 13).

11.01.2018/1100/SLS-HK-5

काग़जात सभा पटल पर

अध्यक्षः अब काग़जात सभा पटल पर रखे जाएंगे।

अब माननीय मुख्य मंत्री कुछ काग़जात सभा पटल पर रखेंगे।

मुख्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित दस्तावेजों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं -

i. हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग, कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, वर्ग-III (अराजपत्रित), लिपिक वर्गीय सेवाएं, सामान्य भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2017 जोकि अधिसूचना संख्याः पीईआर(एपी)-सी-ए(3)-3/2017 दिनांक 11.10.2017 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 08.11.2017 को प्रकाशित;

ii. हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग, कनिष्ठ कार्यालय सहायक(सूचना प्रौद्योगिकी), वर्ग-III(अराजपत्रित), लिपिक वर्गीय सेवाएं, सामान्य भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2017 जोकि अधिसूचना संख्याःपीईआर(एपी)-सी-ए(3)-1/2007-II दिनांक 16.09.2017 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 22.09.2017 को प्रकाशित;

iii. हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग, चालक, वर्ग-III (अराजपत्रित), सामान्य भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2017 जोकि अधिसूचना संख्याः पीईआर(एपी)-सी-ए(3)-4/2010 दिनांक 23.10.2017 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 03.11.2017

को प्रकाशित;

iv. हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग, चौकीदार, वर्ग-IV (अराजपत्रित), लिपिक वर्गीय सेवाएं, सामान्य भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2017 जोकि अधिसूचना संख्याः पीईआर(एपी)-सी-ए(3)-6/2017 दिनांक 28.09.2017 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 10.10.2017 को प्रकाशित; और

v. हिमाचल प्रदेश राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबन्धन नियम, 2005 के नियम 7 के अन्तर्गत प्ररूप-5.

11.01.2018/1100/SLS-HK-6

अध्यक्षः अब श्री जय राम ठाकुर जी, माननीय मुख्य मंत्री, भारत के संविधान के अनुच्छेद 213(1) के परन्तुक के अन्तर्गत राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश द्वारा दिनांक 09.10.2017 को प्रख्यापित, **हिमाचल प्रदेश हिन्दू सार्वजनिक धार्मिक संस्था और पूर्त विन्यास (संशोधन) अध्यादेश, 2017 (2017 का अध्यादेश संख्यांक 4)** की प्रति उन परिस्थितियों के स्पष्टीकरण के कथन सहित जिनके कारण उक्त अध्यादेश का प्रख्यापन आवश्यक हुआ, (हिन्दी-अंग्रेजी पाठ) सभा पटल पर रखेंगे ।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से भारत के संविधान के अनुच्छेद 213(1) के परन्तुक के अन्तर्गत राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश द्वारा दिनांक 09.10.2017 को प्रख्यापित, **हिमाचल प्रदेश हिन्दू सार्वजनिक धार्मिक संस्था और पूर्त विन्यास (संशोधन) अध्यादेश, 2017 (2017 का अध्यादेश संख्यांक 4)** की प्रति उन परिस्थितियों के स्पष्टीकरण के कथन सहित जिनके कारण उक्त अध्यादेश का प्रख्यापन आवश्यक हुआ, (हिन्दी-अंग्रेजी पाठ) सहित सभा पटल पर रखता हूं।

जारी...श्री गर्ग जी

11/01/2018/1105/RG/HK/ 1

अध्यक्ष : अब माननीय उद्योग मंत्री जी 'भारत के संविधान के अनुच्छेद 213(1) के परन्तुक के अन्तर्गत राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, द्वारा दिनांक 25.09.2017 को प्रख्यापित, **हिमाचल प्रदेश एकल खिड़की (विनिधान, संवर्धन और सरलीकरण) अध्यादेश, 2017 (2017 का अध्यादेश संख्यांक 3)** की प्रति उन परिस्थितियों के स्पष्टीकरण के कथन सहित जिनके कारण उक्त अध्यादेश का प्रख्यापन आवश्यक हुआ,(हिन्दी-अंग्रेजी पाठ)' सभा पटल पर रखेंगे ।

उद्योग मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से 'भारत के संविधान के अनुच्छेद 213(1) के परन्तुक के अन्तर्गत राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, द्वारा दिनांक 25.09.2017 को प्रख्यापित, **हिमाचल प्रदेश एकल खिड़की (विनिधान, संवर्धन और सरलीकरण) अध्यादेश, 2017 (2017 का अध्यादेश संख्यांक 3)** की प्रति उन परिस्थितियों के स्पष्टीकरण के कथन सहित जिनके कारण उक्त अध्यादेश का प्रख्यापन आवश्यक हुआ,(हिन्दी-अंग्रेजी पाठ)' सभा पटल पर रखता हूं।

11/01/2018/1105/RG/HK/2

उपाध्यक्ष के चुनाव हेतु प्रस्ताव

अध्यक्ष : अब इस सदन में उपाध्यक्ष का चुनाव होगा।

संविधान के अनुच्छेद 178 के अन्तर्गत अब सभा के उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। इस पद के लिए दो नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं। दोनों ही नामांकन-पत्र श्री हंस राज, सदस्य के पक्ष में हैं। प्रथम नामांकन-पत्र माननीय शिक्षा मंत्री जी की ओर से है जिसका समर्थन श्री विनोद कुमार जी द्वारा किया गया है।

दूसरा नामांकन-पत्र माननीय सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य मंत्री जी द्वारा किया गया

है जिसका समर्थन श्री किशोरी लाल जी द्वारा किया गया है।

मैं अब एक-एक करके सभी प्रस्तावों को सदन में प्रस्तुत करने के लिए माननीय सदस्यों से निवेदन करुंगा। सर्वप्रथम माननीय शिक्षा मंत्री जी अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

शिक्षा मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि श्री हंस राज, सदस्य, हिमाचल प्रदेश विधान सभा को उपाध्यक्ष पद हेतु चुना जाए।

अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि श्री हंस राज, सदस्य, हिमाचल प्रदेश विधान सभा को उपाध्यक्ष पद हेतु चुना जाए।

अब श्री विनोद कुमार जी प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

श्री विनोद कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से **इस** प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

अध्यक्ष : अब माननीय सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य मंत्री जी अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि श्री हंस राज, सदस्य, हिमाचल प्रदेश विधान सभा को उपाध्यक्ष पद हेतु चुना जाए।

11/01/2018/1105/RG/HK/3

अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि श्री हंस राज, सदस्य, हिमाचल प्रदेश विधान सभा को उपाध्यक्ष पद हेतु चुना जाए।

अब श्री किशोरी लाल जी, सदस्य प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

श्री किशोरी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से **इस** प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

अध्यक्ष : अब मैं एक-एक करके दोनों प्रस्तावों को मतदान हेतु सभा में प्रस्तुत करुंगा। सर्वप्रथम मैं माननीय शिक्षा मंत्री जी द्वारा रखे गए प्रस्ताव को मतदान हेतु रखता हूं।

तो प्रश्न यह है कि श्री हंस राज, सदस्य, हिमाचल प्रदेश विधान सभा को उपाध्यक्ष पद हेतु चुना जाए।

प्रस्ताव स्वीकार

क्योंकि अन्य एक प्रस्ताव भी श्री हंस राज जी को उपाध्यक्ष पद हेतु चुने जाने से संबंधित है और **उनके** नाम का प्रथम प्रस्ताव सभा द्वारा पारित हो चुका है। अतः अब अन्य प्रस्ताव को सभा में नियमानुसार मतदान हेतु रखने की आवश्यकता नहीं है। मैं श्री हंस राज, सदस्य, हिमाचल प्रदेश विधान सभा को सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष पद के लिए चुने जाने की घोषणा करता हूं।

एम.एस. द्वारा जारी

11/01/2018/1110/MS/YK/1

अध्यक्ष जारी------

मैं सदन के नेता, संसदीय कार्यमंत्री व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस विधायक दल के नेता से निवेदन करता हूं कि वे निर्वाचित उपाध्यक्ष श्री हंस राज जी को उपाध्यक्ष के आसन पर विराजमान करवाएं।

(सदन के नेता श्री जय राम ठाकुर,संसदीय कार्यमंत्री व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

विधायक दल के नेता ने नव-निर्वाचित उपाध्यक्ष श्री हंस राज जी को उपाध्यक्ष की कुर्सी तक पहुंचाकर पदासीन किया।)

मैं श्री हंस राज जी को सदन के उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर अपनी ओर से बधाई देता हूं। श्री हंस राज जी इस सदन में दूसरी बार चुनकर आए हैं। सर्वप्रथम ये दिसम्बर, 2012 के चुनाव में चम्बा के चुराह निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए तथा वर्ष 2017 में इसी चुनाव क्षेत्र से पुनः निर्वाचित हुए। श्री हंस राज जी एक कुशल एवं ईमानदार राजनीतिज्ञ हैं। मुझे पूर्ण आशा है कि ये इस सदन के द्वारा स्थापित परम्पराओं व नियमों के अनुरूप सदन की कार्यवाही चलाएंगे। मैं उन्हें सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष चुने जाने पर अपनी तथा सदन की ओर से पुनः हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

एक युवा जो दूसरी बार चुनकर इस विधान सभा में आए हैं इन्होंने ऑफिसर के पद को त्याग करके चुनाव लड़ा है। एक हंसमुख और लगातार मज़ाक करने वाले व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति आज एक गम्भीर पद पर आसीन हुए हैं। इस पद पर बैठकर भी आपकी उन्मुक्त हंसी सबको सुनाई दे रही है। आप कितना भी हंसी को रोकने का प्रयास करें लेकिन आपकी हंसी नहीं रूकेगी। आप इस हंसी को जारी रखें, उसमें कोई मनाही नहीं है।

उपाध्यक्ष द्वारा आसन ग्रहण करने के उपरान्त सदन के नेता, संसदीय कार्यमंत्री व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस विधायक दल के नेता तथा अन्य जो भी माननीय सदस्य उपाध्यक्ष को बधाई देने के लिए अपनी बात रखना चाहते हैं, वे बात रख सकते हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी अपनी बात रखना चाह रहे हैं।

11/01/2018/1110/MS/YK/2

मुख्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारे एक नौजवान साथी जो दूसरी बार इस मान्य सदन में चुन करके आए हैं और चुराह विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं

जारी श्री जे0के0 द्वारा------

11.01.2018/1115/जेके/वाईके/1

मुख्य मंत्रीः------

उनको उपाध्यक्ष के इस पद पर सर्वसम्मति से चुने जाने पर हार्दिक बधाई और शुभ-कामनाएं देता हूं। हंसराज जी जैसा इनका नाम है, हंसते रहते हैं और हंसाते रहते हैं। बहुत ही सरल और गरीब परिवार से इनका ताल्लुक है। इनका घर पिछड़े क्षेत्र में है और बहुत सारी कठिनाइयों से अपना जीवन-यापन करने के पश्चात् इन्होंने अच्छी शिक्षा हासिल की। इन्होंने बी0ए0, बी0एड0, एम0ए0 और एम0 फिल0 किया। इसी के साथ-साथ सार्वजनिक जीवन में इन्होंने चुने हुए प्रतिनिधि के नाते जिला परिषद के सदस्य के रूप में भी काम किया। आपने बहुत ज्यादा बहुमत के साथ चुन करके जिला परिषद के सदस्य के रूप में काम करके अपने क्षेत्र के लिए योगदान दिया। अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात की खुशी है कि चुराह विधान सभा क्षेत्र से ये लगातार दूसरी बार चुन करके आए हैं। आप अनुसूचित जाति वर्ग से सम्बन्ध रखते हैं। सरल स्वभाव के धनी होने के साथ-साथ इनकी खासियत यह है कि अपनी पार्टी के साथ जब हमारी गम्भीर चर्चा होती है और जब गम्भीरता काफी हद तक सारे माहौल को और अधिक गम्भीर बना लेती है तो उसको शांत करने के लिए ये बीच में चुटकुले, गपशप और कभी-कभार ऐसी बात कर देते हैं कि उससे सारा माहौल ही परिवर्तित हो जाता है। ये इनके स्वभाव का बहुत बड़ा हिस्सा है जो कि सहज रूप में बाकी साथियों के पास उपलब्ध नहीं हो सकता है।

अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बधाई देता हूं और महसूस करता हूं कि हमारे साथी थोड़ा राहत महसूस कर रहे होंगे क्योंकि आप अध्यक्ष के पद पर चले गए इसलिए कल भी हमारे लिए राहत भरा दिन था और आज हमारे नौजवान साथी हंसराज जी उपाध्यक्ष पद पर चुने जाने के बाद वहां पर बैठ गए। मैं इनको सलाह दे रहा था कि विपक्ष के नेता आपके बहुत करीब हैं। इनकी बात सुननी जरूर है लेकिन माननी कितनी है इस पर आपने जरूर विचार कर लेना। मुझे इस बात की खुशी है कि विपक्ष ने भी इसमें अपना पूरा सहयोग दिया। कल भी अध्यक्ष महोदय के चुनाव के लिए पूरा सहयोग दिया और

आज उपाध्यक्ष के पद के चुनाव के लिए भी विपक्ष की ओर से हमें पूरा सहयोग मिला है इसके लिए मैं विपक्ष के नेता श्री मुकेश अग्निहोत्री जी का, आदरणीय वीरभद्र सिंह जी का और इनके पूरे दल का धन्यवाद करता हूं। मुझे लगता है कि एक अच्छी परम्परा के साथ हमारी शुरूआत हुई है। इस परम्परा को आगे बढ़ाने की हम कोशिश करेंगे। सारे मसले अच्छे माहौल में चर्चा के लिए आगे बढ़ें और आगे भी मैं विपक्ष से इस प्रकार के सहयोग की उम्मीद करता हूं कि

11.012.2018/1115/जेके/वाईके/1

आने वाले समय में जो विधान सभा के अन्दर मुद्दे उठाने वाले होंगे, उनका स्वागत है। आपकी भूमिका अपनी जगह है लेकिन उसके साथ-साथ जब भी ऐसे सहयोग बीच में आएं तो हम सभी को मिल कर सदन की गरिमा को बना करके रखना है। यह हम सभी का दायित्व है और इसमें हमें सभी का सहयोग वांछित है।

अध्यक्ष महोदय, एक बार फिर से मैं श्री हंसराज जी को बधाई देता हूं । ये हमारे नौज़वान साथी है जो कि यहां से बहुत गरजते थे यहां से उसकी कमी हमें जरूर होगी। मैंने कल यह बात कही थी कि आपकी कमी हमें महसूस हो रही है और हमें हंस राज जी की भी कमी महसूस हो रही है लेकिन आप बहुत ही गरिमामय पद पर बैठे हैं और इस दायित्व का निर्वहन करने के लिए आप आगे बढ़ेंगे । मैं हार्दिक बधाई व शुभ कामनाओं के साथ अपनी बात समाप्त करता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

11.01.2018/1115/जेके/वाईके/3

अध्यक्षः माननीय मुकेश अग्निहोत्री जी।

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी श्री हंसराज जी आज भी सर्व-सम्मति से उपाध्यक्ष के पद पर सुशोभित हुए हैं,

श्री एस0एस0 द्वारा जारी---

11.01.2018/1120/SS-AG/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री क्रमागतः

मैं इनको बधाई देना चाहता हूं। माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि विपक्ष के लिए काफी राहत भरा समय है मुझे तो यह मालूम नहीं कि किस राजनीति के तहत आप दोनों की यहां ड्यूटियां लगी हैं लेकिन हम निश्चित तौर पर आप दोनों को इन गौरवमयी पदों पर बैठने के लिए बधाई देना चाहते हैं। श्री हंस राज जी चाहे विपक्ष में थे जितना आदर-सम्मान इन्होंने सत्तापक्ष के लोगों को दिया, जितने उग्र ये विधान सभा के भीतर रहे, उतने ही आदर भाव से इन्होंने विधान सभा के बाहर हम लोगों से व्यवहार किया। मैं समझता हूं कि एक बहुत ही अच्छे व्यक्तित्व के मालिक यहां उपाध्यक्ष के पद पर विराजमान हुए हैं। हमारा इनको पूरा सहयोग रहेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहूंगा कि इस सदन में 23 लोग बिल्कुल नए आए हैं मैं उनसे इतना ज़रूर कहना चाहूंगा कि राजनेताओं की भी एक बिरादरी है। हम जो विधान सभा में आए हैं अलग-अलग दल से आए हैं लेकिन हमारी भी एक बिरादरी है क्योंकि यहां पर यही कोशिश होती है कि एक-दूसरे को जितना उधेड़ा जाए, जितने एक-दूसरे के कपड़े फाड़े जाएं उतना ही अच्छा है और डे वन से ही चरित्र हनन की राजनीति शुरू हो जाती है। तो मैं अध्यक्ष महोदय चाहूंगा कि आप नये सदस्य जितने भी आए हैं इनके लिए जो आपने कार्यशालाएं लगानी हैं या कार्यक्रम बनाना है, आप देख लें कि बाकी जितनी भी बिरादरियां हैं अफसर लोग दीर्घा में बैठे हैं ये सब अपने आप के लिए हैं। इनकी तमाम कोशिश रहेगी कि अंदर के लोग अपने कपड़े फाड़ें। डे वन से किसी भी सरकार में यह एजेण्डा होता है तो हमें अपनी बिरादरी को भी आगे लेकर जाना है। हमें भी उच्च

परम्पराएं और आदर्श दिखाने हैं और उसमें अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की बहुत बड़ी भूमिका रहेगी। आपका मार्गदर्शन हमें मिलेगा। इन सिंहासनों पर बैठना, आप लोगों के लिए बहुत ही गौरवमयी क्षण है और हिमाचल प्रदेश विधान सभा की जो उच्च परम्पराएं हैं, गौरवशाली इतिहास है इसको कायम रखने में हम आपका सहयोग करेंगे। सरकार का भी सहयोग करेंगे। लेकिन जितने भी माननीय सदस्य अन्दर आए हैं उनसे मेरा यह आग्रह ज़रूर है कि मर्यादा व गरिमा को हमें बनाकर रखना है। आप सब का बहुत-बहुत धन्यवाद।

11.01.2018/1120/SS-AG/2

अध्यक्षः माननीय श्री सुरेश भारद्वाज जी।

शिक्षा मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं सर्वप्रथम इस सदन के नए निर्वाचित हुए उपाध्यक्ष, आदरणीय हंस राज जी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। पिछले सदन में हंस राज जी मेरी सीट के पीछे बैठते थे और मैं शब्द तो प्रयोग नहीं करूंगा लेकिन क्लास में कई बार अध्यापक ऐसे छात्र को जोकि तेज-तर्रार होता है उसे मोनिटर के पद पर बिठा देता है और उसके बाद क्लास को कंट्रोल करने में उसको बड़ी सुविधा रहती है। इस बार मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को विशेष रूप से बधाई दूंगा कि उन्होंने आदरणीय हंस राज जी को मोनिटर के पद पर बिठाया है यह हम सब के लिए सुखदायी होगा। जैसा विपक्ष के नेता, आदरणीय अग्निहोत्री जी ने कहा है कि जितने तेज-तर्रार ये सदन के अंदर होते हैं उतने ही करटिअस शिष्टाचार पकड़ करने वाले, मेल-जोल रखने वाले हंसमुख प्रवृत्ति के व्यक्ति के रूप में सदन के बाहर व्यवहार करने वाले होते हैं। माननीय पूर्व मुख्य मंत्री, आदरणीय वीरभद्र सिंह जी भी मेरे साथ इस बात से सहमत होंगे कि

जारी श्रीमती के0एस0

11.01.2018/1125/केएस/एजी/1

शिक्षा मंत्री जारी---

हमेशा यहां पर ये भले ही कैसे भी शब्द बोलें लेकिन बाहर जा कर आपके साथ हमेशा बहुत ही सौहार्दपूर्ण और शिष्टतापूर्वक व्यवहार अपनाने वाले रहे हैं। इस बार इस माननीय सदन में एक बात बहुत नई सभी को दिखाई दे रही होगी और मैं समझता हूं कि इस बार के 2017 के चुनाव के बाद हिमाचल प्रदेश में एक नई राजनीति का सूत्रपात हुआ है। सदन में कुछ पुराने चेहरे आए हैं लेकिन दायित्व बदल गए हैं और बदले हुए दायित्व में, बदले हुए लोगों के बीच में हम इस सदन में एक नई शुरूआत करें, इस बात के लिए मैं आज सभी लोगों से आग्रह करूंगा कि हम इस प्रदेश को ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सभी प्रतिबद्ध हैं, कटिबद्ध हैं और अपने-अपने तरीके से काम करते हैं। काम करने की दृष्टि से हमारी विचारधाराएं अलग-अलग हो सकती है लेकिन मैं समझता हूं कि हम सभी का लक्ष्य एक ही है कि लोकतांत्रिक तरीके से जब हम शासन व्यवस्था चलाते हैं तो उससे हम इस प्रदेश की जनता की सेवा कर सके, इस प्रदेश को हम विकास की ऊंचाइयों तक पहुंचा सके, यह प्रदेश हिन्दुस्तान के सर्वश्रेष्ठ प्रदेशों में से एक हो इस बात के लिए हम सभी का उद्देश्य यही है तो हम सभी मिल कर इस सदन में भी प्रयास करें कि हम विभिन्न विषयों के ऊपर सार्थकचर्चाएं करें। हो सकता है कि कुछ पुराने कटु अनुभव हमें रहे होंगें । इस तरफ भी और उस तरफ के लोगों के भी रहे होंगे लेकिन कभी न कभी तो हमें एक नई शुरूआत करनी होती है और उसके द्वारा अगर हम प्रदेश के भले में, प्रदेश की जनता के हित में निर्णय लेंगें तो वह सारे प्रदेश के लिए हितकारी होगा। हम आप सभी को इस बात का विश्वास दिलाना चाहते हैं कि हमारी ओर से माननीय मुख्य मंत्री जी एक नए नौजवान, ऊर्जावान व्यक्ति को इस बार सदन का नेता बनने का गौरव प्राप्त हुआ है और विपक्ष की ओर से भी एक नई शुरूआत हुई है। मुकेश अग्निहोत्री जी पहले यहां से सुलह-सलाह के लिए संसदीय कार्य मंत्री के रूप में आया करते थे और अब ये स्वयं at the helm of affairs हैं । हम सभी मिलकर

इन दोनों लोगों के नेतृत्व में इस सदन को आगे बढ़ाने के लिए, ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए एक स्वस्थ परम्परा डालने का प्रयास करें और गम्भीर चर्चाएं इस सदन में हों, जिसके

11.01.2018/1125/केएस/एजी/2

लिए यह सदन सारे देश भर में जाना जाता है, उस परम्परा को आगे बढ़ाने का प्रयास करें। मैं समझता हूं कि जो हमारे इस बारे चुने हुए लोग हैं, वे भी इस बात की ओर हमें इंगित करते हैं। इस बार सदन के नेता भी जमीन से जुडे हुए हैं, और निचले स्तर पर इनका परिवार रहा है। जैसा इन्होंने स्वयं भी हंसराज जी के बारे में कहा कि इनका परिवार गरीब परिवार है और जमीन से जुड़ा हुआ है। उस परिवार से निकलकर ये इस ऊंचे ओहदे तक पहुंचे हैं, इन्होंने अच्छी पढ़ाई की और लोकतांत्रिक व्यवस्था में निचले स्तर से जिला परिषद के मैम्बर के रूप में और एन0जी0ओ0 में इन्होंने बहुत सारा काम किया है मैं समझता हूं कि उस सारे अनुभव का इस सदन में उपयोग हो सकेगा। मुकेश अग्निहोत्री जी भी नई पीढ़ी के नए नौजवान नेता के रूप में उभर कर आए हैं। हम सभी मिल कर इस प्रदेश को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगें तो मैं समझता हूं कि पूरे प्रदेश का हित होगा और इस प्रदेश को हम सब लोग जहां पहुंचाना चाहते हैं, वहां तक पहुंचाने में सफल होंगें। मैं एक बार पुनः माननीय हंसराज जी को इस पद को सुशोभित करने के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। माननीय अध्यक्ष और उपाध्यक्ष महोदय तथा विपक्ष के नेता सभी से चाहता हूं कि हम प्रयत्न करेंगें कि हम सभी मिलकर इस सदन को ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए गम्भीर चर्चाएं करें और उसमें सौहार्दपूर्ण ढंग से भाग लें। अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। जय भारत, जय हिमाचल।

11.01.2018/1125/केएस/एजी/3

अध्यक्षः इससे पहले कि श्रीमती आशा कुमारी जी बोलें, ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस

विधायक दल के नेता और संसदीय कार्यमंत्री आगाज़ अच्छा कर रहे हैं। अच्छी शुरूआत दिखाई दे रही है। श्रीमती आशा कुमारी जी।

श्रीमती आशा कुमारी जी अ0व0 की बारी में----

11.1.2018/1130/av/dc/1

श्रीमती आशा कुमारी : अध्यक्ष महोदय, हंस राज जी के उपाध्यक्ष पद के लिए चुने जाने पर मैं इनको बहुत-बहुत बधाई देती हूं। ये चम्बा जिला के चुराह से सम्बद्ध रखते हैं। ये बहुत ही पिछड़ी पंचायत और इलाके से आते हैं। इन्होंने बड़े संघर्ष से पढ़ाई की है। मैं इनको कई सालों से देख रही हूं। ये जिला परिषद के सदस्य थे और विधायक भी रहे। जब ये पहली बार विधायक बने तो हम सत्ता पक्ष में थे और हमारी चाहे ग्रीवेंस कमेटी की मीटिंग हो या कोई दूसरी मीटिंग हो ये उसमें हिस्सा लेते थे और इनकी काफी सकारात्मक भूमिका रहती थी। चम्बा जिला का सौभाग्य रहा है कि चम्बा जिला से हिमाचल प्रदेश विधान सभा के तीन-तीन अध्यक्ष रहे हैं। शिव कुमार जी के फादर पं0 जयवन्त राय जी, देसराज महाजन जी जो हमारी पार्टी से सम्बद्ध रखते थे और पं0 तुलसी राम जी जो कि भारतीय जनता पार्टी की तरफ से बने। कई कैबिनेट मंत्री और राज्य मंत्री चम्बा जिला से रहे हैं। मगर चम्बा जिला से ये पहले व्यक्ति है जो उपाध्यक्ष के पद पर आसीन हुए हैं, मैं इनको बधाई देना चाहूंगी। इस बार चम्बा जिला को सरकार में प्रतिनिधित्व नहीं मिला है वैसे मिला भी है क्योंकि हमारे जवाईं श्री किशन कपूर जी वहां पर है। चम्बा जिला का हाफ प्रतिनिधित्व है मगर हंस राज जी के उपाध्यक्ष बनने से चम्बा जिला को ऐसा महसूस हो रहा है कि सरकार में चम्बा जिला की भी कुछ भागीदारी बढ़ी है। हंस राज जी का व्यक्तित्व हंसमुख है। इनका और मेरा चुनाव क्षेत्र ट्विन चुनाव क्षेत्र है। नदी के एक तरफ मेरा चुनाव क्षेत्र है और दूसरी तरफ इनका चुनाव क्षेत्र है। डीलिमिटेशन से पहले का मेरा कुछ चुनाव क्षेत्र अब इनके चुनाव क्षेत्र में

है। कई जगह पर जाने के लिए इनको मेरा पूरा चुनाव क्षेत्र क्रॉस करके जाना पड़ता है। मुझे अपने चुनाव क्षेत्र में जाने के लिए इनके चुनाव क्षेत्र के बीच में से जाना पड़ता है। इनका बड़ा अच्छा व्यक्तित्व है और ये लोगों से जुड़े हुए हैं। काम की बात उठाते हैं और हो सके तो उसके लिए लड़ाई भी लड़ते हैं। यहां पर संसदीय कार्य मंत्री सुरेश भारद्वाज जी ने कुछ बातें कह कर यह याद दिला दी कि आप और हम अब जाती हुई पीढ़ी के लोग है। यहां पर 23 लोग नये आए हैं और ये सारे नई पीढ़ी के लोग हैं। मुख्य मंत्री युवा हैं, हमारे कांग्रेस दल के नेता श्री मुकेश अग्निहोत्री जी भी युवा है। मगर हमें यह बात याद रखनी चाहिए कि बुजुर्गों का होश और युवाओं का जोश मिलकर ही इस सदन को आगे ले जायेगा। इस सदन की बहुत अच्छी परम्पराएं हैं। यह सदन अपनी डिबेट्स के लिए जाना जाता है। यहां पर अभी जैसे कि भारद्वाज जी ने कहा कि आने वाले समय का ट्रैंड टनर क्या होगा यह आज ही सैट हो जायेगा। इसका पूरा दायित्व मेरी बाईं ओर बैठे हुए जो कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर अपना धन्यवाद प्रस्ताव रखेंगे, जैसी

11.1.2018/1130/av/dc/2

शुरुआत यहां से होगी वह परम्परा आगे पांच साल के लिए पड़ेगी। मुझे भारद्वाज साहब की यह बात बहुत अच्छी लगी कि सदन की हमारी जो पुरानी परम्पराएं हैं इनको तो हम कायम रखे ही मगर जो नई पीढ़ी आई है यह नये जोश से तथा अपने नये थोट प्रोसैसिस को लाकर के इस सदन को और ज्यादा आगे ले जाएं। हिमाचल प्रदेश की सरकार कई क्षेत्रों में अव्वल दर्जे पर रही है। हम वहां से आगे जायेंगे मगर तब जायेंगे जब हम मिल-जुलकर अपने सकारात्मक योगदान व विचारों को निष्पक्ष तरीके से यहां पर रखेंगे तथा जहां हम सही बोलें सरकार हमारी बात पर भी तवज्जो दें/ गौर करें।

अध्यक्ष महोदय और उपाध्यक्ष महोदय; दोनों से हमें यह उम्मीद है कि जो संरक्षण विपक्ष के सदस्यों को मिलना चाहिए; वह मिलेगा। हमें अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह भी उम्मीद रखती हूं कि पक्ष या विपक्ष से कोई भी अश्लील बात करें तो उस पर आप जरूर रोक लगायेंगे और शालीनता तथा

सकारात्मक तरीके से यह सदन चलायेंगे। हिमाचल प्रदेश की विधान सभा जो कि सभी विधान सभाओं में नम्बर वन विधान सभा मानी जाती है आप उस दर्जे को कायम रखे। मैं एक बार फिर श्री हंस राज जी को बहुत-बहुत बधाई देती हूं। ये मेरे बच्चों की तरह है क्योंकि ये मेरी बेटी से भी छोटे हैं। मैं इनको एक बार फिर से बधाई देती हूं।

अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री वर्मा द्वारा जारी

11-01-2018/1135/टीसीवी/डीसी/1

वन मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, ये वर्ष हिमाचल प्रदेश में युग परिवर्तन का वर्ष है। देश के प्रधान मंत्री मोदी जी ने कहा भारत को नया भारत बनाना है, हिमाचल प्रदेश को नये संकल्प के साथ और अच्छा बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी की पहली पीढ़ी ने बड़े गौरवपूर्ण तरीके से श्री जय राम ठाकुर जी को प्रदेश का मुख्य मंत्री बनाया है। इसके बाद यहां पर अध्यक्ष के आसन तक अध्यक्ष महोदय आप पहुंचे हैं। इस आसन पर बैठ करके आप हिमाचल प्रदेश की विधान सभा को नई ऊंचाई तक पहुंचाने वाले हैं। आप एक बहुत अच्छे डॉक्टर रहे हैं और आप इस सदन के हर सदस्य का तन-मन, हर तरह से सबकी सेहत का भरपूर ध्यान रखेंगे। आप सबकी नब्ज अच्छी प्रकार से पहचानते हैं। इसके साथ ही श्री हंस राज जी जो केवल 34 वर्ष के हैं और चुराह विधान सभा क्षेत्र के दूरदराज़ क्षेत्र से हैं, आज उपाध्यक्ष के पद पर आसीन हुए हैं। इनको मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इतनी छोटी आयु में यहां तक पहुंचना इनके लिए भी उपलब्धि है और कुल मिलाकर भारतीय जनता पार्टी के परिवार के लिए भी एक उपलब्धि है। मैं यहां पर विपक्ष को भी इस बात के लिए बधाई देता हूं कि इसी परम्परा का निर्वाह करते हुए यहां

पर 6 बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे श्री वीरभद्र सिंह जी विराजमान हैं, इन्होंने भी उसी शालीनता और गौरव के साथ विपक्ष के नेता के पद पर श्री मुकेश अग्निहोत्री जी को बिठाया है। श्री मुकेश अग्निहोत्री जी जब पिछली बार सत्ता पक्ष में थे, मुझे याद है कि एक बार विधायकों की बैठक हुई, उसमें इन्होंने कहा कि सबके-सब अपनी-अपनी बिरादरी का ध्यान रखते हैं, थोड़ा-थोड़ा तो राजनितिक नेताओं को भी ध्यान रखना चाहिए। ये बात आपने तब कही थी और इस बात के लिए, मैं आज भी आपका बहुत अभिनन्दन करता हूं। इस विधान सभा के अंदर श्री जय राम ठाकुर जी आज सदन के नेता है। एक नया सूत्रपात हुआ है। एक खुलेपन का वातावरण मिला है। हर व्यक्ति अपनी बात खुलकर चर्चा कर सकता है, खुली बात कर सकता है, प्रदेश के विकास के मुद्दों की बात कर सकता है, कोई व्यक्तिगत परेशानी किसी की है तो वह उसकी बात कर सकता है। ऐसे वातावरण में जिस हिमाचल प्रदेश देवभूमि कहा जाता है और जिसके बारे में कहा जाता है कि हिमाचल के लोग सबसे प्यारे और मधुर होते हैं, इन सब बातों के लिए जो पहले

11-01-2018/1235/टीसीवी/वाईके/2

हुआ, उसको चलाए रखेंगे अगर भूल से दोनों पक्षों में कहीं कोई कमी रही, उन गलत बातों को छोड़ते हुए, नई अच्छी परम्परा का निर्वाह करेंगे। हम सब इस मान्य सदन के सदस्य ऐसी परम्परा को डालें कि लोग उदाहरण दें। श्रीमती आशा कुमारी जी ने एक बहुत अच्छी बात कही कि पुरानों का होश और नये का जोश, इतना जबरदस्त समन्वय है, चाहे विपक्ष में बैठे पुराने सीनियर लोग हो या नये, सब लोगों को तेज़ गति से आगे बढ़ने का मौका है।

एन0एस0 ..... द्वारा जारी।

11.01.2018/1140/NS/HK/1

वन मंत्री -----जारी।

हमारी पहली लाईन में बैठे हमारे सब नेता बहुत सीनियर हैं और अनेकों बार विधायक व मंत्री रहे हैं तथा इन सबके अनुभव का प्रदेश को लाभ मिला है। नये लोगों को भी काम करने का मौका मिला है। ऐसे समय में अध्यक्ष महोदय की टीम के साथ जो उपाध्यक्ष महोदय आए हैं, उनको मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूं। नयी परम्पराओं के साथ आगे चलें और हिमाचल प्रदेश विश्व का सिरमौर बने। हम सब भारत माता के बच्चे हैं। हम इसके लिए और अच्छा क्या कर सकते हैं? इसके लिए निश्चित रूप से सदन में चर्चा कभी रोकी नहीं जानी चाहिए और जितनी स्वस्थ चर्चा चलेगी, जितनी डिस्कशन होगी उतनी ही उसमें से छन करके अच्छी बातें निकलेंगी तथा उससे प्रदेश की जनता का भी हित होगा और दुनिया के अंदर एक बहुत अच्छा संदेश जाएगा।

अध्यक्ष महोदय, मुझे आपने बात करने का मौका दिया और मैं उपाध्यक्ष महोदय को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। जब उपाध्यक्ष महोदय जी उधर (विपक्ष की तरफ) गए तो मैंने सुना कि माननीय मुख्य मंत्री जी कह रहे थे कि देखना इनके बहकावे में मत आना। लेकिन हंस राज जी इतने दमदार हैं कि हंस राज जी के बहकावे में आपने नहीं आना। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्षः मैं भी अपनी ओर से माननीय सदस्य श्री हंस राज जी को उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव-प्रस्तुतीकरण एवं चर्चा

अब राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव, प्रस्तुतिकरण और चर्चा होगी। अगली मद राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की प्रस्तुति है। इस प्रस्ताव पर चर्चा हेतु कुल दो दिन का समय निर्धारित किया गया है। माननीय मुख्य मंत्री दिनांक 12 जनवरी, 2018 को चर्चा का उत्तर देंगे। समय की उपलब्धता को देखते हुए प्रस्तावक को 15 मिनट, अनुसमर्थक को 10 मिनट व भारतीय

राष्ट्रीय कांग्रेस विधायक दल के नेता को 20 मिनट का समय प्रस्तावित किया गया है। जबकि अन्य सदस्यों से प्रार्थना है कि वे 5 या 7 मिनट में अपनी बात पूरी करने की कृपा करें। अतः मैं चाहूंगा कि सभी माननीय सदस्य इस समय सीमा में रहकर अपनी बात रखें। अब माननीय श्री राकेश पठानिया जी धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

11.01.2018/1140/NS/HK/2

श्री राकेश पठानियाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो कल अपना आशीर्वाद दिया, मैं उसके ऊपर इस डिबेट को शुरू करना चाहूंगा। मैं प्रस्ताव को अंत में पढ़ दूंगा।

अध्यक्षः आप पहले प्रस्तावित कर दें।

श्री राकेश पठानियाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर निम्न शब्दों में उनकी सेवा पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया जाएः-

> "इस सदन में एकत्रित सदस्य महामहिम राज्यपाल महोदय का दिनांक 10 जनवरी, 2018 को उनके सम्बोधन करने के लिए हृदय से आभार प्रकट करते हैं।"

अध्यक्ष महोदय, we have a new Government in place under the leadership of very dynamic and young Chief Minister but before I go into the details, आज जिस तरीके से माननीय मुकेश अग्निहोत्री जी ने और श्रीमती आशा जी ने कहा तथा ऐसा लग रहा था कि माननीय श्री सुरेश भारद्वाज जी भी साथ मिल गए हैं और वातावरण ऐसा बनाने की बात की जा रही है कि इस पर क्या बोलें और क्या न बोलें? आदरणीय जय राम ठाकुर जी ने जिस समय में काम किया है वह समय बहुत कम है। जैसे मैंने कहा कि we have a dynamic and young Chief Minister in Pradesh और अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी को और उनकी सरकार को धन्यवाद करना चाहूंगा। जिस तरीके से उन्होंने बिना आय के पैंशन को 80 साल से घटा कर 70 साल में लेकर आए हैं उसके लिए मैं इनका धन्यवाद करना चाहूंगा। बहुत थोड़े समय में इन्होंने ऐसा किया है। अमूमन देखा जाता था कि 6 महीने के

लिए जिसको हम कहते थे कि हनीमून पीरियड/ टाईमपास में सरकारें चलती हैं, पर जिस तरीके से इस सरकार ने शुरूआत में काम करना शुरू किया है, from day one I can see action in this Government. जिस तरीके से पहले दिन से इस सरकार ने काम करना शुरू किया है और जिस तरीके से आपने कल भी निर्णय लिए हैं, मैं उनके लिए आपकी सराहना करता हूं।

11.01.2018/1140/NS/HK/3

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने कल एक्साईज के ऊपर बहुत महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, उसके लिए मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

11.01.2018/1145/RKS/HK/1

श्री राकेश पठानिया... जारी

आज सुबह मैं अखबार में एल-1 डी और एल-13 के हॉलसेल के तरीके के बारे में पढ़ रहा था। हॉलसेल को आगे तीन जगह जो हॉलसेल करने का तरीका था उसमें कितना घोटाला हो रहा था। इसमें रेवेन्यू के लिए किस तरीके से लॉसिज़ हो रहे थे। अध्यक्ष महोदय, उसके लिए मैं सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि कम-से-कम एक ऐसा ट्रैंड सैट न हो। मैं श्री मुकेश अग्निहोत्री और श्रीमती आशा कुमारी जी की बात से

भी सहमत हूं कि आज ट्रैंड सैट होंगे परन्तु मैं उन ट्रैंड्स के साथ-साथ इस बात को भी सैट करना चाहूंगा, जिस तरीके से इस प्रदेश के खज़ाने को लूटा गया है, जिस तरीके से फाइनैंस की मिस मैनेजमेंट हुई है। जब प्रदेश में आदरणीय धूमल जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी थी तो उस समय भी 7 हजार करोड़ रुपये से ऊपर ऋण लिया गया था परन्तु जिस तरीके से कांग्रेस सरकार ने पिछले पांच वर्षों में 18 हजार करोड़ रुपये से ऊपर ऋण लिया, almost three times more और आज जिस तरीके से पूर्व सरकार ने नये संस्थान खोले हैं, जिस तरीके से नये संस्थान प्रदेश में आए हैं क्या यह प्रदेश उनका बोझ सह पाएगा? आज हिमाचल प्रदेश की जनता उस बात को देख भी रही है और जनता ने इस बात का निर्णय आपको उस तरफ बिठाकर और हमें इस तरफ बिठाकर दे दिया है। । जिस जनादेश के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है वह मैंडेट पब्लिक का मैंडेट है और पब्लिक जानना चाहती है कि पांच साल के भीतर फिसकल डैफिसिट कैसे आया? जो इस प्रदेश में नुकसान हुआ उसके लिए कौन जिम्मेवार था? कौन अधिकारी या कौन लोग ऐसे थे जिनके माध्यम से इस प्रदेश का बेड़ा गरक होना शुरु हुआ?

अध्यक्ष महोदय, मेरे पास बहुत विषय हैं। आपने मुझे 15 मिनट का समय दिया परन्तु जिस तरीके से मुझे मेरे तीन वरिष्ठ सदस्यों ने एडवाइज़ किया, मुझे लगता है कि मेरे पास ज्यादा बोलने को है। मैं भी आपके साथ हूं और मैं भी अच्छे ट्रैंड्स सैट करना चाहता हूं ताकि उन्हीं ट्रैंड्स के ऊपर हम अगले पांच वर्षों में एक स्वस्थ वातावरण यहां पर खड़ा करें। अध्यक्ष महोदय, जहां हमने एक स्वस्थ वातावरण

11.01.2018/1145/RKS/HK/2

खड़ा करना है वहीं पर मैं आपकी अनुमति से कुछ मुद्दे भी यहां पर रखना चाहूंगा। जिस तरीके से एक हैल्थ सैक्टर है, आज श्री विपिन सिंह परमार जी यहां पर नहीं बैठे हैं। अध्यक्ष महोदय, आप खुद एक डॉक्टर हैं। यह महकमा पब्लिक के साथ डायरैक्ट जुड़ा हुआ है। मैं स्वागत करता हूं कि आपने मैडिकल कॉलेज खोलने का प्रयास किया। भारत

सरकार ने भी उसमें आपकी मदद की। आपने नाहन में भी मैडिकल कॉलेज खोला। नाहन में मैडिकल कॉलेज खोलने का क्या असर हुआ? मैं एक प्रैक्टिकल बात करना चाहूंगा मैडिकल कॉलेज खोलना is a good thing but do you have the doctors. जब नाहन का मैडिकल कॉलेज खुला तो नूरपुर तक से डॉक्टर चले गए। आज यह समस्या आ रही है कि जो हमारे छोटे संस्थान हैं वहां पर विशेषज्ञ नहीं हैं। We don't have specialists in the lower hospitals. उसका क्या परिणाम हो रहा है? टांडा अस्पताल और दूसरा आई0 जी0एम0 सी0, शिमला सरकार के दो बड़े संस्थान हैं। वर्तमान में आई0 जी0एम0 सी0, शिमला में 2,224 स्वीकृत पोस्टे हैं जिसमें से 763 पर रिक्त पड़े हुए हैं। वैसे ही टांडा मैडिकल कॉलेज में 1301 स्वीकृत पद हैं जिसमें से लगभग 501 पद रिक्त हैं। अध्यक्ष महोदय, जब इन दो बड़े संस्थानों में स्टॉफ पूरा नहीं हो रहा है , 700 and 500 is a huge chunk. इतनी शोर्टेज़ जब स्टॉफ की है और यह एक पब्लिक से जुड़ा हुआ है। आदरणीय जय राम जी की अध्यक्षता में हमारी सरकार बनी हैं। आज हमारा मरीज जो अस्पताल में जाता है, मैं छोटे अस्पताल की बात करूंगा। छोटे अस्पताल में डाक्टर्ज का यह ट्रैंड बन गया है कि डॉक्टर मरीज का मुंह बाद में खोलता है और पहले कह देता है कि इसे टांडा ले जाओ। In a moment he is referred to Tanda और टांडा में क्या है? डॉक्टर्ज़ की शोर्टेज़ बहुत ज्यादा है और आप डाक्टर्ज पी0जी0आई ले जाओ तो हमारा मरीज़ कहां जाएगा? अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के दिमाग में भी यह बात डालना चाहूंगा और अपने मित्रों को भी इस बात का एहसास दिलाना चाहूंगा कि जब गवर्नैंस की बात आती है तो, governance has to be related to the public directly.

अध्यक्ष महोदय, आप मेरे साथ चलिए और सुबह चलकर टांडा मैडिकल कॉलेज का एक बाथरूम चैक करके मुझे बता दीजिए। आप किसी बाथरूम के 100 मीटर के आसपास भी नहीं खड़े हो सकते। वहां पर इतना बुरा हाल है। बुनियादी सुविधाएं वहां पर नहीं हैं।

11.01.2018/1145/RKS/HK/3

फलशिज़ टुटे हुए हैं, एग्जॉस्ट फैन काम नहीं कर रहे हैं। आज से 5 महीनें पहले मेरे

पिता जी धर्मशाल में एडमिट थे। उनको रात को अटैक आया था। मेरी उस समय शिमला में कोर्पोरेशन के चुनाव में ड्यूटी थी। रात को उनको मूव करके टांडा अस्पताल ले गए। वेंटिलेटर का जो मास्क उनके मुंह में लगाया गया उसमें 6 छेद थे। एक वेंटिलेटर के मास्क में जब इतने छेद होंगे तो वह मरीज कैसे बचेगा? And I lost my father. और जब मैंने वहां पर आकर मरीजों को पूछा तो उन्होंने कहा कि आई. सी.यू. के अंदर पिछले 6 महिनों से न तो एम.एस. का टूर लगा हुआ है और न ही यहां पर कोई प्रिंसिपल आया है। जिस संस्थान के अंदर एक प्रिंसिपल और एम.एस. अस्पताल के वार्डज़ को भी टूर नहीं करें उस संस्थान का क्या होगा? Where are we heading for.

श्री0 बी0 एस0 द्वारा जारी...

11.01.2018/1150/बीएस/वाईके/-1

श्री राकेश पठानिया... जारी

जिस तरीके से आप आगे इंस्टिच्यूसंज खोलने की बात कर रहे हैं लेकिन जो हमारे पास ऑलरेडी इंस्टिच्यूसनज हैं, how are we giving them more teeth. उनको हम कैसे स्ट्रेंथन कर रहे हैं। इतनी कमियां हमारे अस्पतालों के अन्दर हैं । शिमला के अन्दर हमारा इतना बड़ा कैंसर का अस्पताल है और यह बहुत ही पुराना अस्पताल है। मैं पिछले दिनों वहां गया था आप भी कभी वहां जाईए। करीब 200 लोग वहां नीचे लेटे हुए थे और उसी प्रकार से हजारों की संख्या में लोग टांडा में लेटे हुए हैं। वही संख्या आपकी आई.जी.एस.सी. के अन्दर है। अगर आप टांडा के अन्दर चले जाए और केंसर अस्पताल में चले जाएं ।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपने मित्र परमार साहब को बताना चाहूंगा। न तो हमारे पास Linear accelerator हैं। आप खुद डाक्टर हैं आप खुद जानते हैं। Linear accelerator

is the latest machine for the radiotherapy. This is latest technique in demand. जो machine हमारे पास टांडा में लगे हुए हैं वह बहुत ही पुराने हैं। यह मैडिकल कॉलेज के अन्दर और कैंसर अस्पताल के अन्दर in demand है । इसके लिए लोग लगातार चिट्ठियां लिखते गए। मैंने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जी से मुद्दा उठाया। मैंने कल शाम को भी उनको फोन किया। मैने उनसे कहा आपको इस मशीन के बारे में प्रदेश सरकार की तरफ से कोई पत्र आया है? तो पता चला कि the State Government has not applied for any such machinery. न हमारे पास फैक्स स्केन है। हमारे पास Linear accelerator नहीं है। अगर ये दो मशीनें हमारे पास लगी हों तो अध्यक्ष महोदय, दो से पांच लाख एक मरीज का बचता है। For all these things you have to go to either to PGI or to Ludhiana and Chandigarh. अब ये चीजें जो हमारे पास उपलब्ध नहीं हैं । मैं एक चीज आपको माननीय अध्यक्ष महोदय, बता दूं, एक मशीन टांडा में लगी हुई है। लेकिन पिछले 7 महीनों से उसका लिफाफा नहीं खुला है। यह अभी तक बंद पड़ी हैं। It is bad state of affairs. हमारे लोगों का क्या हाल होगा और क्या पिछले पांच वर्ष में हुआ। स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से हमने

11.01.2018/1150/बीएस/वाईके/-2

नीजि लैब्ज़ को जगह दे दी। रेनबैक्सी की प्राईवेट लैब्ज़ अस्पतालों के अंदर इसको रन कर रहे हैं। हमारे ट्रेंड लड़के कहा जाएंगे ? माननीय अध्यक्ष महोदय, लैब्ज़ क्या कमा रही है। मैं माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि ये खुद बताएंगे कि वहां पर कितना बुरा हाल है। वे करोड़ो कमा रहे हैं और एक टैस्ट करने के लिए आप जाएं, अगर आप शूगर का टैस्ट करवाना चाहते हैं तो उस टैस्ट के साथ आपके सारे टैस्ट कर देगें। आपके शूगर के टैस्ट का 200 रूपया है परंतु बिल आपका 2200 रूपया बन जाएगा। जिस तरीके से हमारा पेशेन्ट वहां परेशान हो रहा है उसकी पांच वर्ष तक कोई सुध नहीं ली गई। मैं आदरणीय अध्यक्ष महोदय, माननीय जयराम जी की सरकार से अपने डायनमिक मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि हमारी हैल्थ सर्विसिज को स्ट्रेंथन

करना है तो पहले हमारी जो लेटेस्ट मशीनरीज हैं वह हमारे पास चाहिए। यह छोटा सा उदाहरण मैंने आपको कैंसर अस्पताल का दिया है। ऐसे बहुत से अस्पताल हैं।। don't want to take so much time. I am just delivering my point and my point is; latest machinery should come for the health care and health care has to be the priority of this Government. Why was it not the priority of the previous Government, I fail to understand on that. लेकिन जो हमारे लोगों के हालात अस्पतालों में हैं। अध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से सफाई, जिस तरीके से दवाईयां, जिस तरीके की लूट-घसूट हमारे अस्पतालों में चल रही हैं। इसको बंद करने की जरूरत है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, टूरिजम के लिए ए.डी.बी. से मिली 428 करोड़ रूपये पिछली सरकार छोड़ कर गई थी। That money was meant for the beautification of Shimla and to raise tourism infrastructure in Shimla. आप वह पैसा डाईवरट होकर ड्रेन बनाने में शिमला में इस्तेमाल हुआ है। आपने बढ़िया ड्रेनज बना दी ड्रेनज के ऊपर आपने कवर कर दिया। उसके ऊपर आज गाड़ियां खड़ी हो रही हैं। How long will those drains stand the weight of these vehicles. 428 करोड़ का जो पैसा शिमला के सौंदर्यकरण के लिए आया था।

11.01.2018/1150/बीएस/वाईके/-3

जो एसओयू पंजाब के साथ नैना देवी के रोप वे के लिए साइन हुए थे। उसको आपने स्टॉप कर दिया। जिस तरीके से हर गांव की कहानी को लेकर पिछली भजपा सरकार आई थी। हमने 25 नई डेस्टिनेशनस तैयार कर दी थी। सौ नई डेस्टिनेशन बनानी थी। That scheme has been shelved, I understand the Government is in continuity अगर पिछली सरकार की कोई स्कीम है तो इस सरकार को उसे आगे चलाना चाहिए। जो कोई अच्छी स्कीम होगी जो आपकी सरकार ने चलाई है। इस सरकार को उसे आगे

चलाना चाहिए। ऐसे ही जो अच्छी स्कीमें पिछली भाजपा सरकार की थी, उनको आपने आगे क्यों नहीं चलाया। Just because they were the brain child of the Bharatiya Janta Party so they were shelved. This is not the way to deal with the people of Himachal Pradesh.

डीटी द्वारा जारी.....

11.01.2018/1155/DT/YK/1

श्री राकेश पठानिया जारी-----

अध्यक्ष महोदय, मैं टूरिज्म के ऊपर ज्यादा कुछ नहीं बोलना चाहूंगा। हाई-ऐंड टूरिज्म के लिए सरकार ने कुछ नहीं किया है। We have not been able to attract high- end tourism to Himachal Pradesh. मैं राजनीति से ऊपर उठकर मुख्य मंत्री जी से हाथ जोड़ कर निवेदन करना चाहूंगा कि we have not been able to attract high- end tourism to Himachal Pradesh. अगर आप युरोप में देखें तो 58% to 70% jobs are generated from tourism wherever in Himachal it is not even 4% . We have ample scope to bring this gap of unemployment by sector of tourism into a huge potential. But we are not tapping that what potential Himachal Pradesh has and what we have to offer.

अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी माफ़िया राज के ऊपर लगातार बोलती रही। अध्यक्ष महोदय, आप भी साथ ही थे जब महामहिम राज्यपाल के पास हमने अपनी चार्जशीट पेश की थी। उस चार्जशीट के ऊपर हमने स्पेसिफिकली माइनिंग के ऊपर बात रखी थी। आदरणीय मुकेश जी ने, I really appreciate the way you have run your department. परन्तु मैं आपको कुछ तथ्य बताना चाहता हूं। मुकेश जी आप कभी मेरे साथ नूरपुर चलिएगा। कल विधान सभा सत्र समाप्त हो जाएगा और आप मेरे साथ चलना। I will show you that thousand and thousand acres of Government land has been turned into waste land and this land has got ponds worth more than 300 feet deep. It is such a haphazard mining that this thousand and thousand acres of Government land is mined illegally. The crushers are based on the river streams. It is said if crusher is placed at Base A, then mining is at 60 km away. How is that possible, I will give you hundred examples. I have got electricity bills with me. One bill of one crusher. The billing has been managed in such away that they use chips into the meters of electricity and one meter has been defaulted. मैं सभापटल पर रखना चाहूंगा। एक क्रशर का डिफॉल्ट बिजली

11.01.2018/1155/DT/YK/2

बोर्ड का 12 करोड़ रुपये का है। एक क्रशर का 12 करोड़ रुपये का डिफॉल्ट है। जिला कांगड़ा के अंदर ही 120 करोड़ रुपये का रेवेन्यू डैफेसिट चल रहा है जो सरकार ने लोगों से पैसा लेना है। इस तरीके से हमारे डिपार्टमैंट चलते रहे, इस तरीके से इलिगल माइनिंग होती रही। इस तरीके से माइनिंग हमारे क्षेत्र में हो रही है। नूरपुर विधान सभा क्षेत्र में पानी की 22 स्कीमें ड्राई हो चुकी हैं। The level of water is going down and down. What are we doing about it? मैं किसी को क्रिटिसाइज नहीं करना चाह रहा हूं। मैं हाथ जोड़ कर निवेदन करना चाहूंगा कि इसको बंद कीजिए। Stop this illegal

mining. आज प्रदेश में इरोजन हो रहा है, प्रदेश का बेड़ा गरक हो रहा है और हमारी ज़मीनों को उखाड़ा जा रहा है। यह माफिया केवल ऐसा माफिया नहीं है। कुछ अधिकारियों का नाम लेंगे कि फलां अधिकारी को आपकी सरकार ने बदल दिया। वे अधिकारी पहले हमारे पास भी थे और यहां पर इन्होंने माइनिंग के ऊपर क्या किया वह भी मैं आपको बताना चाहता हूं। मैं खुद अपना डैप्यूटेशन लेकर 20 बार मिला हूं। Atleast twenty times I have met with hundreds of farmers. मैं 2-2 हजार जमीदार लेकर धर्मशाला आता रहा हूं। हम एडमिनिस्ट्रेशन के आगे प्लीड करते रहे हाथ जोड़ कर कि हमे बचाइए। रात को दो-दो सौ मशीनें लगती हैं। दो-दो सौ टिपर लगता है। लीगल माइनिंग के अंदर , साइंटिफिक माइनिंग के अंदर machinery cannot be used. And if machinery cannot be used, how are the Poklands running there like free birds? How are JCB running in the holes of the nallas and khuds? हमारी समझ से बाहर हैं। अध्यक्ष महोदय बहुत से मुद्दे बात करने के हैं। मैं फाइनैंशियल स्टेटस में नहीं जाना चाहूंगा। आज फाइनैंशियल स्टेटस का क्या हुआ? कल विधायक दल की बैठक में माननीय मुख्य मंत्री जी यही समझाते रहे कि हिमाचल प्रदेश की फाइनैंशियल स्थिति का बुरा हाल है। आपने रिसोर्स डिवैल्पमैंट कमेटी बनाई। मैं इसका स्वागत करता हूं। Your Resource Development Committee never even went to the Cabinet. जब तक आपकी सरकार रही वह रिसोर्स डिवैल्पमैंट कमेटी कभी अपनी

11.01.2018/1155/DT/YK/3

रिकमैंडेशन लेकर कैबिनेट के पास नहीं गई। तो आपने रिसोर्स कहां से डिवैल्प करने थे। इसलिए अध्यक्ष महोदय आज जो महामहिम ने अपना अड्रैस पेश किया है मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और अपने मित्रों से जो कैबिनेट में बैठे हैं आई.पी.एच. के अंदर 70% of the purchase of the pipes is yet to take place. And the financial year

is coming to an end.

श्री एस0 एल0 द्वारा जारी।

11.01.2018/1200/SLS-AG-1

श्री राकेश पठानिया.....क्रमागत

हमारे लोगों को पानी की पाइपें कब मिलेंगी और उनके नए कनैक्शन कब लगेंगे? मैं कल मंत्री जी के साथ विभाग में बैठा था। वहां पर पाइपों का वितरण फटाफट हो रहा था। उन्होंने बताया कि पिछले समय में 80% पाइपों का तो टैंडर ही नहीं हो पाया है। How will the department run? ग्राऊंड वॉटर में हमारे पास बहुत ज्यादा पोटैंशियल है। साथ ही आज भारत सरकार भी हमारे दल की ही है।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से अपने आदरणीय मुख्य मंत्री जी से निवदेन करना चाहूंगा कि we should make out proposals. बड़ी प्रोपोजल्ज को लेकर हम तैयार रहें। ब्रिक्स के माध्यम से भी हमारे पास बहुत पैसा आने वाला है। यह भी हमारे लिए आदरणीय प्रधानमंत्री जी की एक बड़ी देन है। मैं चाहूंगा कि इसमें रिसोर्स डवलपमैंट का कार्य भी किया जाए। सिंचाई विभाग में चैक डैम्ज के माध्यम से यह कार्य किया जाए क्योंकि the previous Government has not done much on this. चैक डैम्ज के ऊपर बात हो या चैनेलाइजेशन की बात हो but for few constituencies, कुछ क्षेत्रों को छोड़कर पूरे प्रदेश में इस पर कोई कार्य नहीं हुआ है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने मित्र मंत्रियों से निवेदन करूंगा कि आप केवल अपने निर्वाचन क्षेत्र के ही मंत्री बन कर न रहें; आप पूरे प्रदेश के मंत्री हैं। पिछले 5 वर्षों में हमने देखा कि कुछ मंत्री केवल अपने विधान सभा क्षेत्र के ही मंत्री बन कर रह गए। अगर उन्होंने पूरे प्रदेश में कार्य किया होता तो आज इस प्रदेश की शक्ल

कुछ और होती।

अध्यक्ष महोदय, मैं केवल यह निवेदन करना चाहूंगा कि महामहिम जी ने हमारे सामने जो अपना अभिभाषण रखा है, मैं उसका समर्थन करता हूं। साथ ही मैं इस सरकार से भी निवदेन करना चाहता हूं कि you have so much of potential in all the departments.

11.01.2018/1200/SLS-AG-2

अध्यक्ष महोदय, मैं हाथ जोड़कर अपने मित्र परमार जी से निवेदन करना चाहूंगा कि आप स्वास्थ्य सेवाओं को स्ट्रैंथन अप करिए। गांव में हमारे लोगों का बहुत बुरा हाल है। पी.एच.सीज. खाली पड़ी हैं, सी.डीज. खाली पड़ी हैं। एन.आर.एच.एम.

से जो पैसा आ सकता है वह हमें नहीं मिल रहा है। भारत सरकार से हमें जो पैसा लेना चाहिए वह भी हमने नहीं मांगा। प्रधान मंत्री जी हमें 1400 करोड़ रुपये का AIIMS देकर चले गए लेकिन हमने ज़मीन चयन करने में ही इतना समय लगा दिया! हम वह पैसा भी नहीं ले सके जो हमें मिलना चाहिए था। ऊना के अंदर हमें सैटेलाइट सैंटर मिला है जिसके लिए हम केंद्र सरकार, प्रधान मंत्री जी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जी के धन्यवादी हैं जिन्होंने हमें यह आशीर्वाद दिए।

मैं अपने मित्र बिक्रम सिंह जी से निवेदन करूंगा कि कृपा करके खनन के ऊपर ज़रा अपना हाथ भारी करें। हिमाचल प्रदेश का जो खनन मैटिरियल लुटकर बाहर जा रहा है, कम-से-कम इसको रोकें। बिजली बोर्ड के माध्यम से चोरी हो रही है। मैंने साइट्स विजिट किए हैं। लोगों ने क्रशर्ज़ के अंदर सौ-सौ फीट के गड्ढे बनाकर अपने प्राइवेट ट्रांसफार्मर्ज़ और जनरेटर्ज़ लगाए हुए हैं। एस.डी.एम. नूरपुर जब बिजली के कनैक्शन्ज कटवाता है तो वहां जनरेटर्ज़ के साथ काम शुरू हो जाता है। हम अगर पुलिस के पास जाते हैं तो डी.एस.पी. साहब कहते हैं कि क्या यह मेरा ही काम रह

गया; क्या जनरेटर्ज़ मैंने उठाने हैं? अब किसकी किसके साथ महीने की क्या सैटिंग है, यह हमारी समझ से बाहर है। लेकिन आप इस परिपाटी को बंद करिएगा। This has to be stopped and it has to be stopped for the good क्योंकि प्रदेश में जो इरोज़न हो रहा है, हम इसको ज्यादा फेस नहीं कर पाएंगे।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपने आदरणीय मुख्य मंत्री जी से उम्मीद रखता हूं कि मैंने जिन बातों को हाईलाईट करने का प्रयास किया, इनको आप अड्रैस करेंगे। साथ ही आने वाले 5 सालों में हिमाचल प्रदेश एक नई ऊंचाई को छूएगा, एक नए विकास को छूएगा और आदरणीय जय राम जी के नेतृत्व में एक नया हिमाचल प्रदेश बनेगा, यह मुझे आशा है।

11.01.2018/1200/SLS-AG-3

आपने समय दिया जिसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर निम्न शब्दों में उनकी सेवा में धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया जाए -

च्इस सदन में एकत्रित सदस्य, महामहिम राज्यपाल महोदय का, दिनांक 10 जनवरी, 2018 को उन्हें संबोधित करने के लिए, हृदय से आभार प्रकट करते हैं।छ

अब श्री इन्द्र सिंह (सरकाघाट) इस प्रस्ताव का अनुसमर्थन करेंगे।

श्री इन्द्र सिंह जी ..गर्ग जी के पास

11/01/2018/1205/RG/AG/1

श्री इन्द्र सिंह(सरकाघाट) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर रखे गए प्रस्ताव का अनुसमर्थन करता हूं। धन्यवाद प्रस्ताव को

आदरणीय श्री राकेश पठानिया जी ने बहुत फोर्सफुली तरीके से यहां रखा। मैं एक सौफ्ट-स्पोकन व्यक्ति हूं, थोड़ा सॉफ्ट तरीके से । will call a spade a spade, जिस तरीके से पिछले पांच साल पिछली सरकार चली, लोगों को क्या-क्या तकलीफें हुईं, मैं उनको संक्षिप्त रूप में इस माननीय सदन में रखना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय, हर सरकार से प्रदेश की जनता को कुछ आकांक्षाएं होती हैं। अगर उन आकांक्षाओं पर वह सरकार ठीक उतरे, तो यहां (पक्ष) बैठती है, नहीं तो वहां (विपक्ष) में बैठती है और ये आकांक्षाएं छोटी-छोटी होती हैं। जैसे जनता को सही मात्रा में पानी चाहिए, गरीब-से-गरीब आदमी को अस्पताल की सुविधा मिले, सड़कें ठीक हों, हरेक के घर तक सड़क जानी चाहिए, बच्चों के लिए अच्छे शैक्षणिक संस्थान सरकार दे और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के धरातल में जाकर हमने देखा, जो राशन मिलता है, तो एक आईटम आज मिली, एक दस दिन के बाद मिलेगी और जनता को बार-बार वहां के चक्कर न काटने पड़ें, जनता यही चाहती है। ग्रामीण स्तर पर जो अधिकारी हैं, चाहे पटवारी हो, चाहे लोक निर्माण विभाग का कर्मचारी हो, सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी हो या चाहे पुलिस कर्मी हो। उनके पास यदि कोई शिकायत पहुंचती है, तो उन्हें उसका समाधान करना चाहिए। उस शिकायत का निवारण करने के लिए किसी विधायक की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए या मंत्री महोदय के कार्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। इसलिए सबकी एक जिम्मेदारी निर्धारित होनी चाहिए, लेकिन हमें पिछले पांच सालों में यह बिल्कुल देखने को नहीं मिली। आज की मांग के अनुसार भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं है। कानून-व्यवस्था की स्थिति ठीक होनी चाहिए। ये छोटी-छोटी बातें हैं जो मैं समझता हूं कि सरकार को करनी चाहिए और सरकार को यह करने में सक्षम होना चाहिए ताकि ग्राउन्ड लेवल पर सरकार का प्रभाव जनता के ऊपर पड़े कि सरकार ऐग्जिस्ट कर रही है।

माननीय अध्यक्ष जी, क्या पिछली सरकार जनता की इन आकांक्षाओं पर खरी उतरी है? मैं अनुमति से इस पर अपनी बात इस प्रस्ताव के अनुसमर्थन में इस माननीय सदन में रखना चाहता हूं।

11/01/2018/1205/RG/AG/2

अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार को चाहिए था कि जितनी भी लोगों की मूलभूत आवश्यकताएं हैं उन्हें पूरा करे। जैसा मैंने पहले कहा, तो वे व्यवस्थाएं ठीक होनी चाहिए, चाहे पीने-का-पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क इत्यादि की बात हो। इसके अतिरिक्त क्वालिटी कंट्रोल भी होना चाहिए, लेकिन सरकार ने वह कन्सोलिडेट नहीं किया, सरकार ने ऐक्सपेन्शन शुरू कर दी और हर विभाग में ऐक्सपेन्शन शुरू कर दी। आपके पास न स्टाफ है, न इन्फ्रास्ट्रक्चर है। स्टाफ आप भर्ती नहीं कर सकते क्योंकि हिमाचल प्रदेश में सबसे ज्यादा 28% पब्लि इम्प्लॉयज है। राष्ट्र में किसी भी प्रदेश में इतने ज्यादा इम्प्लॉयज की रेशो नहीं है। सभी प्रदेशों में लगभग 10 या 12% के लगभग है। लेकिन हिमाचल प्रदेश में 28% कर्मचारी हैं और इसको आप आगे नहीं बढ़ा सकते। क्योंकि 28% पर ही आपको वेतन और पेन्शन लगभग 67% रैवेन्यू ऐक्सपैन्डीर होता है। तो आपके पास विकास के लिए पैसा कहां बचा? इसलिए आप इससे ज्यादा कर्मचारी नहीं बढ़ा सकते। इसके अतिरिक्त आप इन्फ्रास्ट्रक्चर भी क्रियेट नहीं कर सकते क्योंकि आपके पास पैसा नहीं है। तो फिर आप यह ऐक्सपेन्शन कर कैसे रह है और आपने यह कैसे किया? यह आप जानें और आपका काम जाने, मैं ऐसा समझता हूं। पिछले पांच सालों में लोगों को पानी की कितनी तकलीफ हुई, कितनी कठिनाइयों से उनको जूझना पड़ा, वह तो वे लोग ही जानते हैं जो ग्रामीण क्षेत्र में रहते हैं। महीना-महीना उनको पानी नहीं मिला और जितनी भी आपके ग्रेविटी स्कीमें हैं उनमें से 90% ग्रेविटी स्कीमों में फिल्टर नहीं है, आप लोगों को गन्दा पानी देते रहे। शिमला में एक टैंक में सालों तक नर कंकाल पड़ा सड़ता रहा और लोग उसके पानी को पीते रहे और वह टैंक कागजों में कई बार साफ किया होगा। पिछले पांच सालों में ऐसी स्थिति में यह प्रदेश गुजरा है।

एम.एस. द्वारा जारी

11/01/2018/1210/MS/DC/1

श्री इन्द्र सिंह जारी-----

आपने पानी की 700 से ज्यादा स्कीमें ठेकों पर दे दीं। एक डायमेंशन आपने और ऐड कर दिया कि अगर पानी नहीं आया तो हम विभाग के कर्मचारी को रिपोर्ट करेंगे। विभागीय कर्मचारी फिर ठेकेदार को ढूंढेगा। ये शासन करने का क्या तरीका है? लोगों को पीने-के-पानी के लिए बड़ी दिक्कतें हुई हैं, इसमें कोई शक नहीं है। ये दिक्कतें एडमिनिस्ट्रेशन की वजह से नहीं बल्कि आप लोगों की वजह से हुई हैं। As I said earlier, "I will call a spade a spade". .जो गलतियां हुई हैं और जो गलत चीजें हुई हैं, हम उनको सीधे-सादे रूप में रखेंगे।

इसी तरह से आपने सिंचाई की स्कीमें भी छः महीनों के लिए ठेके पर दे दीं। छः महीने में ठेकेदार आपको क्या रिजल्ट देगा? इसमें आपने कोई पॉलिसी फ्रेमवर्क नहीं किया। तो इस तरह से लोगों ने बहुत दिक्कतें सहन की हैं। कितनी स्कीमें रि-मॉडलिंग के लिए ड्यू हैं, इसका आप अन्दाजा नहीं लगा सकते हैं। कितनी ही पाइपें फटी हुई हैं और आपका विभाग उनको आन्सर नहीं करता है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस विभाग में जितना मैस है वह क्लीयर कर दिया जाएगा। आदरणीय महेन्द्र सिंह जी हमारे सबसे अनुभवी मंत्री बने हैं। इनके ऊपर इस विभाग को पटरी पर लाने का बहुत प्रैशर रहेगा । माननीय मुख्य मंत्री जी के मार्गदर्शन में महेन्द्र सिंह जी इस काम को करने में बिल्कुल सक्षम होंगे और ये इस काम को करेंगे, ऐसा मैं समझता हूं।

जहां तक सड़कों की बात है, आप ग्रामीण क्षेत्रों में चले जाइए। वहां सड़कों की बहुत बुरी हालत है। वहां सड़के हैं या गड्ढे हैं, इसका पता ही नहीं चलता। इसके अलावा क्वालिटी और रिपेयर कहां है? आज आप सड़क काली करते हैं और अगले ही दिन वह सड़क उखड़ जाती है। कोई चैकिंग ही नहीं है। आपके समय में कोई क्वालिटी कन्ट्रोल नहीं रहा। मैं यह कहना चाहता हूं कि गुणवत्ता की बहुत खराब हालत आपके समय में रही है।

11/01/2018/1210/MS/DC/2

एक और बड़ी अजीब सी बात की बीमारी आपने इस विभाग को लगा दी है और वह है सब-लैटिंग। एक बड़ा ठेकेदार 10-15 ठेके ले लेता है और फिर वह उन ठेकों को आगे 10-15 आदमियों को सबलैट कर देता है। आदरणीय पूर्व मुख्य मंत्री श्री वीरभद्र सिंह जी, हमने यह बात विधान सभा में रखी कि इस सब-लैटिंग को बन्द कीजिए क्योंकि इसमें क्वालिटी कन्ट्रोल नहीं होता है। आपने इस बात को माना लेकिन आपने जमीन पर काम नहीं किया। मैं अपने चुनाव क्षेत्र की बात करता हूं। वहां एक ठेकेदार को विभाग ने एक साल में 34 ठेके दे दिए। मैं पूछता हूं कि हिमाचल प्रदेश में वर्किंग सीजन कितना होता है? उसने कैसे वे पूरे-के-पूरे ठेके कम्पलीट कर दिए और पैसे भी ले लिए? वहां जमीन पर काम ही नहीं हुआ है क्योंकि ठेकेदार के पास न ही मशीनरी है और न ही उचित मैनपावर है। काम कैसे पूरे होंगे? हमने कहा कि जांच करवाइए लेकिन आपने जांच नहीं करवाई। तो ये सारी धांधली लचीले प्रशासन के कारण हुई हैं।

आपने सड़कों की भी डी0पी0आर्ज0 नहीं बनाई। मेरे निर्वाचन क्षेत्र में केवल दो डी0पी0आर्ज0 नाबार्ड के लिए बनीं। उसमें अभी तक एक में काम शुरू हुआ है और एक में अभी तक भी काम शुरू नहीं हुआ है। आपका काम कितना लचीला रहा होगा, यह समझ से परे की बात है।

आदरणीय राकेश पठानिया जी ने स्वास्थ्य के बारे में बहुत कुछ कह दिया है इसमें मैं कुछ ऐड नहीं करना चाहता लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में आप जाइए तो वहां पी0एच0सीज0 में डॉक्टर्ज नहीं हैं। अगर लोगों को एक इंजेक्शन भी लगवाना हो तो कहां जाना पड़ता है यह बात भी समझ से परे है। आप इस बात को भी नहीं समझ रहे हैं।

शिक्षा के क्षेत्र के साथ जो आपने खिलवाड़ किया वह तो बिल्कुल ही इस प्रदेश के लिए एक बहुत बड़ा चिन्ता का विषय है। हमने विधान सभा में भी यह बात कई मर्तबा रखी कि शिक्षा के क्षेत्र में सबसे कमजोर लिंक प्राथमिक शिक्षा है। आप उसको रि-इन्फोर्स कीजिए, उसको मजबूत कीजिए लेकिन आपने उसको रि-इन्फोर्स करने के बजाए उसका एक्सपैंशन कर दिया। You are thinning out your resources which is very unfortunate. इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण बात और क्या हो सकती है। बिना फाइनेंस बैकअप के आपने स्कूल, कॉलेजिज और पता नहीं कौन-कौन से संस्थान खोल

दिए।

11/01/2018/1210/MS/DC/3

आपके पास पैसा कहा है? शिक्षा की गुणवत्ता को आपने टोटली खत्म कर दिया। मैं आपको थोड़े से आंकड़े देना चाहता हूं। वर्ष 2003-04 में पहली से लेकर आठवीं तक 9,17,323 बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते थे और 10-12 वर्षों के उपरान्त उनकी संख्या 5, 42, 604 रह गई। तकरीबन 3,75, 719 छात्रों ने आपके स्कूलों से प्राइवेट स्कूलों के लिए पलायन किया।

जारी श्री जे0के0 द्वारा----

11.01.2018/1215/जेके/डीसी/1

श्री इन्द्र सिंहः------जारी-------

44% , it is an alarming situation और आप उसका एक्सपैंशन कर रहे हैं। आप स्कूलों की संख्या बढ़ा रहे हैं और छात्रों की संख्या कम हो रही है, where is the logic? मैं ऐसा समझता हूं कि इस विषय पर सोचने की आवश्यकता है। आपको यह कन्सॉलिडेट करना चाहिए था ताकि क्वालिटी अच्छी रहे। एन्युअल स्टेट ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट वर्ष 2016 के मुताबिक 35 प्रतिशत पांचवी क्लास के बच्चे दूसरी क्लास का टैक्सट नहीं पढ़ सकते । क्या क्वालिटी एजुकेशन आप दे रहे थे? बड़ी अजीब बात है। सातवीं क्लास के 14 प्रतिशत बच्चे दूसरी क्लास का टैक्सट नहीं पढ़ सकते । आप कहते हैं कि एजुकेशन में हमारा प्रदेश बहुत आगे है। माननीय शिक्षा मंत्री जी से मैं अनुरोध करूंगा कि इस दिशा में सोचने की बहुत ज्यादा जरूरत है क्योंकि शिक्षा ही हमारे समाज के लिए सब कुछ है।

जहां तक उद्योग की बात की जाती है तो कहां पर उद्योग है? हिमाचल प्रदेश की

पैरिफरी में उद्योग लगे हैं। सारे पंजाब बॉर्डर में उद्योग लगे हैं। हिमाचल के अन्दर कहीं पर उद्योग नहीं लगे हैं। यहां पर कोई इंडस्ट्री नहीं है। मण्डी, बिलासपुर और हमीरपुर बैल्ट में इंडस्ट्री का नाम तक नहीं है। सारी की सारी इंडस्ट्रीज़ पंजाब के बॉर्डर पर ही लगी है। मेरी उद्योग मंत्री से प्रार्थना रहेगी कि हिमाचल के अन्दर भी आप उद्योग लगाएं। ये जो लोग अब सामने बैठे है ये तो यह नहीं कर पाए।

माननीय अध्यक्ष महोदय, केन्द्र से पिछली सरकार को भरपूर मदद मिली है। केन्द्र से 90:10 के अनुपात में पैसा मिला है, अनुदान मिला है। पहले यू0पी0ए0 के समय में 70:30 के अनुपात में पैसा मिलता था। केन्द्र से हमें बहुत पैसा मिला है मैं आप लोगों को थोड़े से आंकड़ें देना चाहता हूं। 13वें वित्तायोग में केन्द्र से 11 हजार 327 करोड़ रु0 मिले। (Interruption) Sir, I will take just 3 to 4 minutes more. 14वें वित्तायोग में 11 हजार 327 करोड़ रूपए की जगह 28 हजार 225 करोड़ रूपया मिला। पैसे की आपके पास कमी नहीं थी। जो रेवन्यू डेफिसिट ग्रांट हमें केन्द्र से मिलती है ,

11.01.2018/1215/जेके/डीसी/2

पिछली सरकार के समय में 7 हजार 888 करोड़ रू0 मिला और आपके समय में 40 हजार 624 करोड़ मिला, जोकि हमें पांच साल तक मिलेगा। इतना पैसा आप लोगों को केन्द्र से मिला है तो यह पैसा कहां गया है? इस पैसे से जमीन पर विकास नज़र क्यों नहीं आया? यह सोचने का विषय है। इसके बारे में मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि प्रदेश की पिछली सरकार ने जितना भी काम किया है, मेरा आपसे अनुरोध रहेगा कि एक डिटेल्ड लेखा-जोखा इनके कामों का इस माननीय सदन में रखा जाए ताकि हम सबको पता चले कि कहां-कहां पर अनियमितताएं हुई हैं? केन्द्र ने पिछली सरकार के समय 63 नेशनल हाईवेज़ दिए जिसका जिक्र महामहिम जी ने भी अपने अभिभाषण में किया था। आपको केन्द्र से डी0पी0आर0 बनाने के लिए 220 करोड़ रूपया भी मिला था लेकिन वह डी0पी0आर0 नहीं बनी है। सारे काम पेंडिंग पड़ गए। यह भी

बहुत चिन्ता का विषय है। माननीय अध्यक्ष महोदय, जब इस प्रदेश की रचना हुई तब यह फाईनैंशियली वाइबल स्टेट नहीं थी । हमारी इकोनॉमी मनीऑर्डर इकोनॉमी हुआ करती थी लेकिन जिन्होंने इस प्रदेश की रचना की वे दूरदर्शी थे। उन्होंने यहां की जो टूरिज्म पोटैंशियल है उसको देखा। यहां पर पन-बिजली की जो पौटैंशियल क्रियेट करने की है, उसको देखा और यह सोचा कि इस प्रदेश के जो नेता लोग होंगे, कर्णधार होंगे उन दोनों दुधारू गायों का दोहन करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। किसका इस प्रदेश में लम्बे अर्से तक शासन रहा है, यह क्यों नहीं हुआ? क्यों आपने सॉफ्ट ऑप्शन लिया? वह सॉफ्ट ऑप्शन क्या है कि आप लोन लेते रहो और मज़े मारते रहो? मैं आपको छोटे से आंकड़ें दे करके उदाहरण देता हूं । वर्ष 2007 से 2012 तक जब बी0जे0पी0 की सरकार थी तो कुल लोन 7 हजार 621 करोड़ रु0 लिया गया लेकिन जब 2012 से 2017 तक आपकी सरकार रही तो आपने 18 हजार 787 करोड़ रूपए का लोन लिया। यह पैसा कहां गया? आपकी फाईनैंशियल मैनेजमैंट क्या है? प्रश्न उठता है कि this is clear cut reflection of your financial management and this shows how efficient it is.

श्री एस0एस0 द्वारा जारी------

11.01.2018/1220/SS-HK/1

श्री इन्द्र सिंह (सरकाघाट) क्रमागतः

पिछली सरकार एक काम में बहुत आगे निकली है, बहुत कुशल रही है, वह है फट्टे लगाने में। जगह-जगह फट्टे लग गए लेकिन ग्राऊंड पर कुछ भी नहीं है। आधे-अधूरे

उद्घाटन करना, बिना समझे मानकों को दर-किनार करके नयी-नयी इंस्टिट्यूशन्ज़ खोलना, फाइनेंशियल बैकअप कुछ नहीं है, इससे आने वाली सरकारों को एक लैसन मिलता है कि फट्टों से वोट नहीं मिलते हैं। वोट मिलेंगे धरातल पर काम करने से। आपके फट्टे फट्टे ही रह गए। मैं समझता हूं कि आपके वह फट्टे उड़ जायेंगे।

माननीय अध्यक्ष जी, पांच साल का कालखंड हमें मिलता है। मैं समझता हूं कि यह समय निकलते महसूस ही नहीं होता। इसलिए आदरणीय जय राम जी की सरकार ने डे वन से काम करना शुरू कर दिया है। अपनी सरकार के हर मंत्री महोदय को टारगेट दिए हैं कि 100 दिन में क्या करना है। बड़ी अच्छी बात है। मैं समझता हूं कि यह सरकार धरातल की सरकार है। ग्राऊंड में काम करने वाली सरकार होगी और लोगों की समस्याओं को हल करने में यह सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी डायनामिक हैं। नौजवान हैं और प्रदेश की नब्ज़ को समझते हैं, मैं ऐसा समझता हूं। आपने एकदम अच्छे फैसले लिए हैं। जिसका ज़िक्र हुआ कि वर्तमान में 80 वर्ष से ऊपर के वृद्धों को बिना आय के जो सामाजिक सुरक्षा पैंशन दी जाती थी, उसकी आयु सीमा घटाकर 70 वर्ष तक ले आए है, यह बहुत उमदा बात है। इम्प्लॉईज़ को आपने तीन परसैंट जुलाई, 2017 से महंगाई भत्ता दिया है। आवारा पशुओं के लिए आपने माननीय मंत्रियों की एक सब-कमेटी बनाई है। It is a right step in the right direction. भगवान् और फौजियों को तभी याद किया जाता है जब कोई मुसीबत आती है मैं ऐसा समझता हूं। लेकिन मैं हमारे माननीय प्रधान मंत्री, मोदी जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमें वन रैंक वन पैंशन दी है। तमाम सैनिक कम्युनिटी उनका धन्यवाद करती है और हम अपने माननीय मुख्य मंत्री जी का भी धन्यवाद करते हैं जिन्होंने पूर्व सैनिक कोटे के कर्मचारियों को वित्तीय लाभ दिए। कल भारी संख्या में पूर्व-सैनिकों ने आपका उसके लिए आभार प्रकट किया। माननीय मुख्य मंत्री जी, मैं भी एक सैनिक होने के नाते आपका आभार प्रकट करता हूं कि आपने वित्तीय लाभ

11.01.2018/1220/SS-HK/2

सारे पूर्व सैनिकों को दिया है जो प्रदेश में सर्विस करते हैं। यह मंडी के लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि पहली बार मंडी से मुख्य मंत्री बने। शायद इससे पहले बन जाते

लेकिन मैं उन कारणों में नहीं जाना चाहता। --(व्यवधान)-- कौल सिंह जी, यहां नहीं हैं इसलिए मैं कमैंट नहीं करूंगा। लेकिन यह इतिहास माननीय मुख्य मंत्री, जय राम ठाकुर जी आपने रचना था और आपके हाथों से यह शुभ काम होना था, हम सब आपको इसके लिए बधाई देते हैं। मंडी ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी है दस में से दस सीटें दी हैं। मैं प्रकाश राणा जी की तरफ देख रहा हूं तो ten out of ten is a great achievement. शत-प्रतिशत सीटें हमें मिली और आपका सूपड़ा वहां साफ हो गया है। मैंने आपसे इतनी बात करनी थी।

अध्यक्षः कर्नल साहब, बीस मिनट हो गए हैं सिर्फ दस मिनट प्रस्तावित किया है।

श्री इन्द्र सिंह (सरकाघाट): सर, आधा मिनट लगेगा। कल मुकेश अग्निहोत्री जी कह गए कि थोड़ा सामंजस्य होना चाहिए। मैं आपको 11वीं विधानसभा की याद दिलाता हूं जब आप यहां नाच करते थे, गाने भी गाते थे। हम गाने नहीं गायेंगे और नाच भी नहीं करेंगे लेकिन हम आपका सहयोग मांगते हैं। मैं इन्हीं शब्दों के साथ अपनी बात को विराम देता हूं

जारी श्रीमती के0एस0

11.01.2018/1225/केएस/एचके/1

श्री इन्द्र सिंह जारी----

और मैं इस प्रस्ताव का अनुसमर्थन करता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद। आपने

मुझे अतिरिक्त समय दिया, उसके लिए भी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

11.01.2018/1225/केएस/एचके/2

अध्यक्षः अब सदस्यगण इसमें भाग ले सकेंगें। सर्वप्रथम मैं कांग्रेस विधायक दल के नेता माननीय श्री मुकेश अग्निहोत्री जी को आमंत्रित करता हूं।

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, सम्माननीय आचार्य देवव्रत जी, जो हमारे महामहिम राज्यपाल हैं, उन्होंने बीते रोज़ इस विधान सभा में अभिभाषण रखा और आज उस पर चर्चा प्रारम्भ हुई। हमारे साथी राकेश पठानिया जी और इंन्द्र सिंह जी ने इस चर्चा को शुरू किया और उसको समर्थन दिया। हम तो अपने इन दोनों प्रिय साथियों को मंत्री देखना चाहते थे लेकिन आपने इनको चर्चा में लगा दिया। ये हमारे वरिष्ठ मित्र हैं और तीन-तीन दफ़ा विधान सभा में आए हैं । अध्यक्ष महोदय, नई सरकार बनी है। माननीय जयराम जी प्रदेश के नये मुख्य मंत्री बने हैं और राज्य की बागडोर उनके हाथ में है । मैं चर्चा शुरू करने से पहले उनको अपनी तरफ से माननीय पूर्व मुख्य मंत्री और जो 9वीं दफ़ा विधायक बने हैं, श्री वीरभद्र सिंह जी की तरफ से और अपने समूचे दल की तरफ से शुभकामनाएं देना चाहता हूं। आप प्रदेश हित में फैसला लें, रचनात्मक काम करें और आपकी सकारात्मक भूमिका रहे ।मुख्य मंत्री जी अब शुरूआत हो गई है। आपके सदस्यों ने अपनी बात रख दी है । दो रास्ते हैं और मुख्य मंत्री जी आप नई शुरूआत कर रहे हैं। एक विकास का रास्ता है , कल्याण का रास्ता है, गरीब की सेवा का रास्ता है और दूसरा रास्ता प्रतिशोध, उत्पीड़न और एजेंसियों को पीछे डालने का रास्ता है, चार्जशीट का रास्ता है, चरित्र हनन का रास्ता है। चयन आपको करना है कि आपको किस रास्ते पर चलना है। दीर्घा में अफसरशाही बैठी है और इनकी कोशिश रहेगी कि आप रूट नं0-2 पर चले जाएं क्योंकि अफसरशाही की बुक्कत इसी में हैं कि सरकारें प्रतिशोध पर निकलें, उत्पीड़न पर निकलें, चार्जशीट्स चलाएं। जैसा मेरे भाई कर्नल इन्द्र सिंह जी ने भी कहा कि लेखा-जोखा शुरू कर दो। इस सदन में ला कर रखो, कांग्रेसियों को फटकारों, सरकारों पर ताबड़तोड़ हमले बोल दो लेकिन प्रतिपक्ष के नाते हमारा आपको यही सुझाव रहेगा कि आप विकास का रास्ता चुन लें क्योंकि नई

शुरूआत हो रही है। आप कल्याण का रास्ता चुन लें। गरीब की सेवा का रास्त चुन लें तो बेहतर होगा। हमने आपके साथ काम किया है, हमने आपका व्यवहार देखा है। आप भी इस बात के गवाह हैं कि यह हाऊस कैसे चला है? यह हाऊस स्कोर सैटल करने का कोई मंच नहीं है। जिस ढंग से काफी अरसे तक यह विधान सभा गवाह बनी है।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी----

11.1.2018/1230/av/yk/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री क्रमागत--------

कल महामहिम राज्यपाल महोदय जी ने भी अपने संक्षिप्त से अभिभाषण में इस ओर इशारा किया है। इसीलिए मैं इस बात को रख रहा हूं क्योंकि उन्होंने कहा है कि पक्ष और विपक्ष बदले की भावना न रखते हुए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़े। यह मूल मंत्र महामहिम राज्यपाल महोदय जी ने कल इस सभा में रखा है और हम आपको यह बता भी देना चाहते हैं कि हम सत्ता पक्ष से अगर विपक्ष में पहुंचे हैं तो ऐसा नहीं है कि हमने काम नहीं किया था। सरकार ने रिकार्ड तोड़ काम किया लेकिन फिर भी हम उजड़े और इस तरफ पहुंचा दिए गए। मगर अब युग बदला है और बदलाव का एहसास होना चाहिए। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में बहुत बड़ा उलट-फेर हुआ है। चाहे आप इसे राजनीतिक दुर्घटना मान लें या भाग्य का खेल मान लें लेकिन यह बात आपके समक्ष है कि बहुत बड़ा बदलाव हुआ है जिसकी कल्पना शायद सदन में बैठे हुए हम सब सदस्य भी नहीं कर रहे थे। लेकिन ऊपर वाला जो करता है अच्छा ही करता है। आप इस कुर्सी पर विराजमान हुए हैं। हम आपको एक अच्छी शुरुआत के लिए बधाई और शुभकामनाएं देना चाहते हैं। हमारा आपके साथ रचनात्मक सहयोग निश्चित तौर पर रहेगा। लेकिन माननीय मुख्य मंत्री जी, मैं आपको एक बात कहना चाहूंगा कि राज्यपाल के अभिभाषण के रूप में जो दस्तावेज आपने यहां पर रखा है लगता है कि सरकार पर जश्न इतना हावी हो गया, वैसे होना भी था और सरकार को इस दौरान होम वर्क करने के लिए ज्यादा समय नहीं लग पाया। आप और आपके मंत्री जश्न में लगे रहें और मसौदा ठीक ढंग से नहीं बन पाया जैसी हम आपसे कल्पना कर रहे थे। इस दस्तावेज में फिलहाल आप कोई दिशा नहीं दे पाये हैं। आप न कोई प्राथमिकता तय कर पाये हैं।

एजेंडा भी स्पष्ट नहीं हुआ है, काफी कनफ्यूज़न है। लेकिन हम आपको निश्चित तौर पर समय देना चाहेंगे। नई सरकार बनी है, हम आते ही आप पर कोई आरोप लगाना शुरू कर दें, जिम्मेदार विपक्ष के नाते हम ऐसा नहीं करने वाले हैं। हम आपको निश्चित तौर पर समय देंगे। आपने कहा कि आपने मंत्रियों को सौ दिन का समय दिया है, सौ दिन भी ज्यादा दूर नहीं है। हम मंत्रियों को भी बता देना चाहते हैं कि हमें कोसने से कोई ज्यादा फायदा होने वाला नहीं है। पोस्ट-मार्टैम करने से कोई फायदा नहीं होने वाला है। हमें तो जनता ने इस तरफ बैठा दिया है और हम बैठ गये हैं। अब लोगों की नज़र आप पर आ गई है कि आप क्या करने वाले हैं। इसलिए कांग्रेस ने यह किया या वह किया; क्योंकि मुझे पता लगा है कि आपने कल सैशन लगाया और उसमें आप ट्रेनिंग दे

11.1.2018/1230/av/yk/2

रहे थे कि कांग्रेस को फटकारो। (---व्यवधान---) माननीय मुख्य मंत्री जी, अभी हम ताजे-ताजे सरकार से हटे हैं तो काफी लोग हमें भी फीडबेक दे रहे हैं। (---व्यवधान---) आपको अभी ऐस्टब्लिश होने के लिए समय लगेगा। (---व्यवधान---) मैं आपकी (उद्योग मंत्री को कहा।) बात से तो हमेशा ही सहमत रहता हूं। आप नये मंत्री हैं, मुख्य मंत्री भी युवा है और आप भी युवा है तथा परफोर्म करने का समय है। लेकिन शुरुआत में ही आपने फाइनैंशियल स्थिति का शोर मचा दिया कि कांग्रेस ने खज़ाना खाली कर दिया, पैसा नहीं है। मुख्य मंत्री जी, हम आपको यह कहना चाहेंगे कि दिल्ली में आपके बहुत ही बेहतरीन सम्बंध है।

श्री वर्मा द्वारा जारी

11-01-2018/1235/टीसीवी/वाईके/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री..... जारी

और अब तो हिमाचल की सारी जनता को पता चल गया है कि आपके संबंध बहुत अच्छे हैं। आप दिल्ली भी गये थे और आपने कहा है कि हम बैलआउॅट पैकेज लेकर आएंगे। हम आपका हर संभव सहयोग करने के लिए तैयार है। यदि आप हमें कहीं ले जाना चाहते हैं, वैसे तो आपके अपने ही बहुत हैं लेकिन फिर भी आप लोग कहें कि हिमाचल के हितों की रक्षा/पैरवी करनी है आप लोग भी चलो, जब भी आप चाहें हम आपके साथ जाने के लिए तैयार है। हालांकि अखबार वालों ने लिखा है कि मुख्य मंत्री ने कहा है कि विपक्ष की ज़रूरत नहीं - मैं खुद ही पैकेज लेकर आऊंगा। हम इस बात का भी सम्मान करते हैं। लेकिन आप मोदी जी की सरकार से हिमाचल प्रदेश के लिए बैलआउॅट पैकेज लाईये। इससे हिमाचल प्रदेश का बहुत बड़ा नाम हो जाएगा। अगर आप यह काम कर लेते हैं तो सब प्रदेशवासी आपको याद रखेंगे। मैं अपने साथियों को जो यहां पर शुरूआत में बोले हैं को जरूर बता देना चाहता हूं कि माननीय वीरभद्र सिंह जी ने 5 साल सरकार चलाई और 6 बार मुख्य मंत्री बने। ये हिमाचल प्रदेश के बहुत अनुभवी नेता है। लेकिन हमने एक भी दिन पैसे का रोना नहीं रोया। एक भी दिन ऐसी बात नहीं हुई कि हमारे पास पैसा नहीं है और हम विकास नहीं कर सकते। हमने कभी यह नहीं कहा कि पैसे नहीं है और हम कर्मचारियों की तनख्वाह नहीं दे सकते । आपने अभी शुरूआत ही की है और पैसे का रोना शुरू कर दिया। मैं समझता हूं कि आप चुनाव के दौरान इतना लम्बा-चौड़ा, श्री किशन कपूर जी ने तो सारी दीवारों पर लिखवाया हुआ है कि 'दिल्ली सरकार हमारी है, अब हिमाचल की बारी है।' दिल्ली की सरकार आपकी है और आप वहां से पैसा लाईये। इसलिए यह पैसे का राग अलापना किसी भी अच्छी सरकार, किसी भी अच्छे मुख्य मंत्री के लिए शोभा नहीं देता। दूसरा मसला, मुख्य मंत्री जी ने कल कहा कि हमारी बेरोज़गारी को लेकर नीति ठीक नहीं थी। इलैक्शन में भी आपने बड़े-बड़े होर्डिंग लगाकर लिखा है कि साढ़े बारह लाख लोग बेरोज़गार हो गये और इसको आपने प्रचारित भी किया। माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि

11-01-2018/1235/टीसीवी/वाईके/2

स्कील डेवैल्पमेंट/बेरोज़गारी भत्ते की नीति भी ठीक नहीं थी। हम इसको बन्द कर देंगे। आपको सरकार मिली है। आप कुछ भी बन्द कर सकते हैं। आपको जनता ने मैनडेट दिया है आपको अपने विवेक से फैसला करना है, आपके मंत्रिमण्डल ने फैसला लेना है। लेकिन जैसा मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमने बेरोज़गारों से मज़ाक किया, आप कोई सीरियस एक्शन प्लॉन बता दो कि आप इन साढ़े बारह लाख लोगों को कब तक नौकरियां देने जा रहे हैं। इनके बारे में आपकी क्या सोच है और क्या आपने मन्त्रिमण्डल में इसके बारे में चर्चा की है? आपको हमारी स्किल डेवैल्पमेंट की स्कीम पसंद नहीं आई। वैसे तो माननीय प्रधान मंत्री, मोदी जी ने दिल्ली में स्किल डेवैल्पमेंट का अलग मंत्रालय बनाया है और हिमाचल में भी हमने डेढ़ लाख लोगों को स्किल डेवैल्पमेंट में पैसा दिया है और लोगों ने उसका फ़ायदा लिया है। आप हमें कहते थे, आपके घोषणा-पत्र में बेरोज़गारी भत्ता लिखा है, आप पैसा दो। हमने शुरू किया तो आपने कहा ये ठीक नहीं है। हमने जो करना था हमने तो कर दिया है। अब आपको एक्शन प्लॉन लेना है कि यह साढ़ बारह लाख लोगों को बेराज़गारी भत्ते को छोड़कर पुख्ता नौकरी का बन्दोबस्त आप किस तरह से कर रहे हैं। यह एक चुनौती आपके पास है। आपमें क्षमता है और इसलिए आप इस काम को कीजिए। एक बात माननीय मुख्य मंत्री जी मैं आपसे कहना चाहूंगा कि प्रोजैक्टिड मुख्य मंत्री कोई और था एक्चुअल चीफ मिनिस्टर कोई और है।

एन0एस0 ..... द्वारा जारी।

11.01.2018/1240/NS/AG/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री -----जारी।

अब बात तो एक्चुअल से ही होगी। हैरत की बात है कि जो हमारे प्रोजैक्टिड चीफ मिनिस्टर थे, उन्होंने चुनाव के दौरान विज़न डाक्यूमैंट से हट करके बहुत घोषणायें की हैं। आपने इस दस्तावेज़ में उनमें से किसी भी घोषणा का उल्लेख नहीं किया है। नेतृत्व का चेहरा बदलने से प्राथमिकताएं तो नहीं बदली जा सकती हैं। जो आपके घोषित मुख्य मंत्री थे, उन्होंने कहा था कि हम सरकार में कुर्सी पर बैठने से पहले रूसा खत्म कर देंगे। अब रूसा खत्म होना चाहिए। सदन भी शुरू हो गया है। आपके प्रोजैक्टिड चीफ मिनिस्टर ने कहा था कि हम प्रदेश की सरहदों पर जितने भी बैरियर टैक्स लगे हुए हैं हम उनको अबोलिश कर देंगे। अब यह टैक्स की दीवारें कब हटने जा रही हैं? उन्होंने कहा था कि हम कर्मचारियों के लिए 4-9-14 को तत्काल अमल में लाएंगे। प्रदेश का कर्मचारी भी देख रहा है। यह भी कह दिया था कि कांग्रेस वाले तो पुरानी पैंशन स्कीम बहाल करने के लिए बड़े-बड़े भाषण दे रहे हैं लेकिन हम (भाजपा) वर्ष 2003 के बाद के कर्मचारियों को पैंशन का प्रावधान करेंगे। अध्यक्ष महोदय, ऐसी चर्चा का कोई उल्लेख यहां पर नहीं आया है। उसके बाद आपने कहा कि हम अनुबन्ध कर्मियों को नियमित कर देंगे। उसका भी इस दस्तावेज़ में कहीं पर कोई उल्लेख नहीं आया है।

माननीय नरेन्द्र बरागटा जी को याद होगा कि इनके क्षेत्र में एक रैली हुई थी और वहां कहा गया था कि हम (भाजपा सरकार) एक भी बगीचा नहीं कटने देंगे। अध्यक्ष महोदय, हमें इन सबकी बात तो यहां पर करनी पड़ेगी। इन्होंने कहा था कि हम केंद्र सरकार से पैकेज़ लाएंगे। इंडस्ट्रियल पैकेज़ की भी बात की थी। यहां पर हमारे भाई उद्योग मंत्री जी बैठे हैं। जैसा कि माननीय इन्द्र जी ने कहा कि हम (कांग्रेस) तो नहीं कर पाये लेकिन अगर आप लोगों से पैकेज़ बहाल होता है तो आप करवाईए। अगर आप फाईनैंशियल पैकेज ले आते हैं, अगर आप फुल फलैज्ड् इंडस्ट्रियल पैकेज ले आते हैं और आप साढ़े बारह लाख बेरोज़गारों को नौकरियां दे देते हैं या देने में सफल हो जाते हैं तो यह प्रदेश आपकी दाद देगा। मैं यहां पर यह जरूर कहना चाहूंगा कि जो आपका दृष्टि डाक्यूमैंट है आपको उसका थोड़ा बहुत प्रकाश इस दस्तावेज़ में डालना चाहिए था। आपने इस दस्तावेज़ में उसका बिल्कुल भी उल्लेख नहीं किया है। मुख्य मंत्री जी यह सरकारें कंटीन्यूटी में चलती हैं और अभिभाषण पूरे साल का होता है तथा यह

11.01.2018/1240/NS/AG/2

अभिभाषण मार्च में तो नहीं आएगा। हमारी कांग्रेस सरकार के माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो बातें बड़ी मेहनत करके की थीं आप उसका भी हल्का-फुल्का उल्लेख कर देते। यह ठीक है कि आज हम संख्या में कम हैं और आप हमारे ऊपर भारी पड़ रहे हैं। आपका संख्या बल दोगुणा ज्यादा है। आपने कुछ प्राथमिकताओं की बात की है कि आप लॉ एंड ऑर्डर, करप्शन और माफिया पर चोट करेंगे। हम आपके साथ हैं। जब भी आप ऐसे कार्यक्रम चलाएंगे और हम इन कार्यक्रमों के लिए आपको शुभकामनाएं देते हैं।

आपने मुकद्दमें वापिस करने की बात कही है। लेकिन आपने कुल्लू के रघुनाथ मंदिर का ही मुकद्दमा वापिस लिया है। आप देखेंगे कि इसमें हाई कोर्ट का फैसला आ चुका है और सुप्रीम कोर्ट में एडमिट हो चुका है। हमें नहीं मालूम कि आपने यह किस दबाव में आकर ऐसा किया है। इसके लिए हाई कोर्ट का फाईनल ऑर्डर 31.08.2017 को आ गया था

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

11.01.2018/1245/RKS/HK/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री ... जारी

और सुप्रीम कोर्ट में 8 जनवरी, 2018 को एडमिट भी हो गया। चिंतपुरनी, ज्वालामुखी और नैना माता जी के मंदिर भी सरकारी हुए। कुल्लू अंतराष्ट्रीय स्थल है और वहां पर कुल्लू दशहरे में अंतराष्ट्रीय फॉक डांस भी होता है। आखिर ऐसी क्या मजबूरी हो गई कि आपने एक ही दिन में बिना किसी अध्ययन के इस मंदिर का फैसला वापिस ले लिया? माननीय मुख्य मंत्री जी सरकार आप चला रहे हैं और पांच साल आप ही चलाएंगे। सत्र चल रहा है। आखिर इतनी क्या अफड़ा-दफड़ी मची है कि सत्र के दौरान ही धड़ले से तबादलें हो रहे हैं। सत्र समाप्त होने के बाद आप ये तबादले कर लेना। हमेशा सत्र की गरिमा रही है कि उस दौरान तबादले नहीं होते हैं। लेकिन इस समय सत्र से ज्यादा आपका ध्यान (व्यवधान)... यह आपके सामने हैं (व्यवधान)... अभी एक मंत्री और बच गया। एक दिन की बात है फिर उसके बाद आप जितने तबादलें करना

चाहते हैं, धड़ले से करें । जो फैसले आपने पलटने हैं उनको पलटें। आपने आते ही कहा कि टायर्ड, रिटायर्ड लोगों को हम हटायेंगे, आपने हटाये। आपने बीच में ही पटवारी, चौकीदार हटा दिये। आपको रोल बैक करना पड़ा। आप थोड़ा विवेक से फैसला करें। आपके पीछे कोई नहीं भाग रहा है। जितने भी अवार्डिज टीचर्ज थे, जिनको अच्छा काम करने के लिए सेवा विस्तार मिला था, उनको भी आपने हटा दिया। इसलिए हर चीज को आप सयंम और धैर्य के साथ करें। यह हमारी आपको सलाह है। टायर्ड, रिटायर्ड लोगों को हटाना आपका संकल्प रहा है। आप हमेशा कहते थे कि हारे-पीटे, टायर्ड लोग सरकार को चला रहे हैं। असंवैधानिक लोग सरकार में हैं या पावर सैंटर बहुत हो गए हैं। यह चीजें आपके कंसर्न की नहीं हैं। मुझे लगता है कि आप इन चीजों का निश्चित तौर पर ख्याल करेंगे क्योंकि इस समय मुख्य मंत्री जी प्रयास यह हो रहा है कि गाड़ी की स्टीयरिंग में आप बैठे हैं और कई लोग गियर डालने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे लोगों से आपको बचना चाहिए। आप बहुत अच्छे ड्राइवर हैं। आप बड़े मजबूत ड्राइवर हैं, आप अपनी गाड़ी चलाना जानते हैं। जो लोग बाहर से गियर डालने की कोशिश कर रहे हैं उनको आप अपने-अपने स्थान पर बिठा कर रखें (व्यवधान)...।

11.01.2018/1245/RKS/HK/2

हम तो मुख्य मंत्री जी को एक दोस्त की भूमिका में लेते हैं। हमने भी इनके साथ काम किया है। कई जगह तांता लगा हुआ है, कई जगह गाड़ियां चली हुई हैं। मुख्य मंत्री जी आपने बुरा नहीं मानना, ऐसी भी धारणा है कि संघ का दखल ज्यादा हो गया है। अपना रिमोट अपनी जेब में रखो कहीं दाएं-बाएं से यह रिमोट न चलें ताकि आपकी सरकार मजबूत हो। आप मजबूती से चलें। जैसा श्री महेन्द्र सिंह जी कह रहे हैं कि यह सरकार चलेगी। कितनी साल चलेगी? 20 साल चलेगी। (व्यवधान)... हम इनको शुभकामनाएं दे रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार 15 साल चलेगी और बार-बार सरकार बनेगी। यानी आप सोचते हैं कि हम सन् 2032 तक सत्ता में रहेंगे। लेकिन मैं आज आपको बता

देता हूं कि सन् 2022 में आपसे सरकार छीन ली जाएगी। यह हम आपको आज बता देते हैं। आप चाहे जितने मर्जी दमगजे मारे। आप अपना ध्यान काम में केंद्रित करें, परफोरमैंस दें और काम के आधार पर आगे बढ़ने की कोशिश करें। हम आपको इसके लिए समय देंगे , सहयोग देंगे। हमारा दृष्टिकोण पूरी तरह रचनात्मक है, सकारात्मक है।

श्री0 बी0 एस0 द्वारा जारी...

11.01.2018/1250/बीएस/वाईके/-1

श्री मुकेश अग्निहोत्री ... जारी

मुख्यमंत्री जी का हम आदर करते हैं। नये मुख्यमंत्री बने हैं। नया वीज़न देगें। लेकिन चुनौतियां प्रदेश की जो हैं वे आपके सम्मुख हैं। माननीय वीरभद्र सिंह जी की सरकार ने जो पिछले पांच साल में काम किया उस कार्य की में इस रिकॉर्ड पर प्रसंशा करता हूं। बहुत दम लगाकर माननीय पूर्व मुख्यमंत्री जी ने काम किया। हम कांग्रेस पार्टी के 21 लोग सदन में आए हैं। 21 की संख्याबल कम नहीं होता । आप लोग कहते हैं कि आप लोगों का आचरण देखा जाएगा। मण्डी से माननीय मुख्यमंत्री जी हैं, मैं तो मण्डी से दामाद हूं। दामाद का आचरण आप क्या देखेंगे? मैं इतना ही कहना चाहूंगा। आपको भी शुभ कामनाएं आप ऊना का भी विकास कराएं। माननीय मुख्यमंत्री जी में इतना ही कहना चाहूंगा।

"ये संघ दिलों की दुनियां है, संभल कर चलना गालिब,
यहां पलकों पर बिठाते हैं, नजरों से गिराने के लिए॥

बहुत-बहुत धन्यवाद।

11.01.2018/1250/बीएस/वाईके/-2

अध्यक्षः माननीय सदस्य श्री सुख राम चौधरी जी।

श्री सुख राम चौधरीः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, जो माननीय महामहीम राज्यपाल जी ने यहां कल अभिषाण रखा और माननीय सदस्य श्री राकेश पठानिया जी ने जिसका अनुमोदन किया। मैं उसके पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। हिमाचल प्रदेश बहुत ही खूबसुरत पर्वतीय प्रदेश है। पूरे भारतवर्ष में हिमाचल प्रदेश की एक अलग पहचान है। हमारा प्रदेश देवताओं की भूमि के नाम से जाना जाने वाला प्रदेश है। यहां के लोगे बहुत ही शांतिप्रिय लोग हैं। इसलिए हम सब लोग इस विधान सभा में चुनकर आए हैं। हम सब का दायित्व है, कि हिमचल के 68 लाख लोगों की सेवा करें। और मैं अपने युवा मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर जी को बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने सबसे पहले अपनी मुख्मंत्री की शपथ लेने के बाद हिमाचल प्रदेश का जो सबसे कमजोर वर्ग है। उन्होंने जो बिना आमदनी के जो 80 वर्ष की आयु में जो पैंशन लगती थी । उसी आयु सीमा को घटाकर 70 वर्ष कर दिया है। उसके लिए मैं स्मस्त हिमाचल के लोगों को बधाई देना चाहता हूं। अक्सर होता क्या था, हम सब लोग जब फिल्ड में जाते थे, तो हिमाचल प्रदेश की बहुत सारी माताएं, बुजुर्ग पैंशन का फार्म लेकर के पीछे-पीछे घूमते थे। 35 हजार का इंकम टैक्स का फार्म बनता नहीं था। पटवारी बनाते नहीं थे। कंडीशनज ऐसी थीं और कई बुजुर्ग ऐसे थे जो मृत्यु को प्राप्त हो जाते थे, लेकिन जब मृत्यु के बाद उनकी जेब देखी जाती थी तो उसमें उनका पैंशन का फार्म मिलता था। इसलिए बहुत ऐतिहासिक निर्णय हमारे युवा मुख्यमंत्री जी ने लिया है। इसके लिए मैं इन्हें पुनः बधाई देना चाहता हूं। आज हिमाचल प्रदेश में लगभग 90 प्रतिशत लोग देहात में रहते हैं और जो हमारे देहात में रहने वाले लोग हैं। वे अधिकतर खेती व मजदूरी पर निर्भर हैं । देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए इन 90 प्रतिशत लोगों का योगदान बहुत कम है। केवल टोटल आमदनी का 20 प्रतिशत इनका योगदान है।

डीटी द्वारा जारी.....

11.01.2018/1255/डीटी/डीसी/1

श्री सुख राम चौधरी जारी---

इन 80 प्रतिशत लोगों का योगदान बहुत कम है। केवल टोटल आमदनी की आर्थिक स्थिति में 20 प्रतिशत इनका योगदान है। इसके लिए मैं अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री महोदय जी से आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि आज हिमाचल प्रदेश का किसान बहुत परेशान है और पूर्व की सरकार ने आर्थिक रूप से प्रदेश को बहुत कमज़ोर किया है। पांच साल में साढ़े 18 हज़ार करोड़ रु0 का ऋण ले कर अब हमारे पास 46 हज़ार करोड़ का कर्ज है। इसलिए सीमित साधनों से इस प्रदेश का विकास करने की आपके ऊपर जिम्मेदारी है। हमारा प्रदेश पर्वतीय क्षेत्र है और इस प्रदेश से सैंकड़ों नदियां निकलती है और हमारी नदियां राजस्थान में जाकर वहां की जमीन की प्यास बुझाती है। हमारी नदियां दिल्ली जाकर लोगों की प्यास बुझाएंगी। आज भी हिमाचल प्रदेश में केवल मात्र 20 प्रतिशत खेती की सिंचाई होती है इसलिए मैं चाहता हूं कि जैसे हिमाचल प्रदेश में जब परम श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपयी जी देश के प्रधान मंत्री थे, उन्होंने देश को प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना दी जिसके कारण बिना भेदभाव के एक नीति के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश में सड़कें बनीं और ऐसी-ऐसी जगह पर सड़कें बनी जहां पर लोगों ने सपने में भी नहीं सोचा था कि यहां सड़कें बनेंगी। इसी तरह से प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश की जो कृषि की जमीन है, इस जमीन की सिंचाई का प्रबन्ध प्राथमिकता के आधार पर किया जाए । हमारी सिंचाई की जो योजनाएं हैं, ट्यूबवैल के माध्यम से, ग्रेविटी की सिंचाई की स्कीमों के माध्यम से जो जमीन की सिंचाई होती है, ये सारी स्कीमें आज ठेके पर दे दी गई है । करोड़ों रुपये की एक स्कीम तैयार होती है और हम उसको एक ठेकेदार को ठेके पर चलाने के लिए दे देते हैं और वह ठेकेदार उस स्कीम पर पांच हजार रुपये में कर्मचारी रख देता है । उसको स्कीम चलानी आती नहीं और वह स्कीम समय से पहले खराब हो जाती है। जिस उद्देश्य से वह स्कीम बनती है वह स्कीम लोगों की सिंचाई करने के काबिल नहीं

रहती । इसलिए मैं चाहता हूं कि जब इन सिंचाई की स्कीमों के ऊपर हम

11.01.2018/1255/डीटी/डीसी/2

इतना पैसा लगाते हैं तो इनके ऊपर डिपार्टमैंटल स्कीमों को चलाया जाए। ट्रेंड पम्प ऑप्रेटर उन स्कीमों को चलाएं और सुचारू रूप से लोगों को सिंचाई का पानी मिले, यह मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर खनन के बारे में बहुत कुछ बोला जा रहा है। मैं पिछली सरकार को भी बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने एक पहल की कि 15 साल के लिए नदियों की ऑक्शन की जाए और प्रदेश को उससे राजस्व आए। हमारी यमुना नदी की ऑक्शन हुई और 26 करोड़ रु0 की ऑक्शन में वह नदी गई । लोगों ने उसके पैसे जमा करवा दिए परन्तु उसकी पर्यावरण की स्वीकृति नहीं मिली। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अधिकारियों से कहना चाहता हूं कि उनकी मदद की जाए। वे आपका रेवन्यू जैनरेट करेंगें ताकि उनको समयबद्ध तरीके से उसकी अनुमति मिले। उस नदी से वे खनन का दोहन करें और हिमाचल प्रदेश की आर्थिक स्थिति को मज़बूत करने में उनका योगदान हमें मिले। मैं चाहता हूं कि इस तरह की पॉलिसी पूरे हिमाचल प्रदेश के लिए बननी चाहिए। हम नदियों....

श्री एस0एल0एस0 द्वारा जारी---

11.01.2018/1300/SLS-HK-1

श्री सुख राम ...क्रमागत

हम नदियों की ऑक्शन पर्यावरण की मंजूरी के बाद करें। अगर ऐसा करके आप नदियों की ऑक्शन करेंगे, फिर जो पैसा अभी आपको नीलामी से मिलता है उससे 3 गुणा पैसा नीलामी में मिलेगा और इस तरह हिमाचल आर्थिक रूप से मजबूत होगा। इसलिए इस

एक बात का ध्यान अवश्य रखा जाए। जब हम नदियों की ऑक्शन करें, उसमें हिमाचल प्रदेश के लोगों के हित भी सुरक्षित रखे जाएं। उसमें यह गाइडलाइंज हों क्योंकि उसमें हमारी ही ज़मीनों में खनन होना है और हमारी ही ज़मीनों का दोहन होना है। फिर वह खनन की सामग्री हमारी ही सड़कों में से जानी है। इसलिए जब हमारे लोकल लोग अपना मकान बनाएं, उसमें उनके लिए रियायती दरें ऑक्शन में अंकित की जानी चाहिए ताकि वह लोग हमारे प्रदेश के लोगों से मनमाने ढंग से दाम न लें। इस तरह हिमाचल प्रदेश में नदियों के खनन के लिए एक ठोस योजना बननी चाहिए ताकि हिमाचल प्रदेश आर्थिक रूप से मज़बूत हो। यह मैं इस सदन के माध्यम से कहना चाहता हूं।

तीसरी बात यह है कि हमारे पास सरकारी सैक्टर में नौकरियां उपलब्ध नहीं है। चाहे आपकी सरकार रही हो या ये हमारी सरकार है, प्रदेश में बेरोज़गारों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। इसलिए जो हमारी औद्योगिक नीति है, इसका सरलीकरण किया जाना चाहिए। पहले तो इसलिए उद्योग लगाने आते थे कि परम श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने हमें 10 साल के लिए औद्योगिक पैकेज दिया था। जब आपकी सरकार बनी थी तो वह औद्योगिक पैकेज की अवधि भी 3 साल कम हो गई थी। उसके कारण यहां पर बहुत उद्योग आए। उस समय उनको टैक्स में रिलैक्शेशन मिलती थी। उन्होंने यहां पर उद्योग लगाए जबकि आज वह उद्योग यहां से वापिस जा रहे हैं। क्योंकि हिमाचल प्रदेश में कच्चा रॉ मैटिरियल पैदा नहीं होता; यहां पर उनको यातायात की सुविधाएं महंगी पड़ती हैं, इसलिए हमें इस बात को ध्यान में रखते हुए पॉलिसी में थोड़ा परिवर्तन करने की आवश्यकता है। हम अपनी पॉलिसी में परिवर्तन करें और उद्योगपतियों को हम सुविधाएं दें। अभी तो

11.01.2018/1300/SLS-HK-2

पर्यावरण संबंधी अनुमति लेने में ही 3-3 साल लग जाते हैं। वह क्लीयर ही नहीं होती और लटकी रहती हैं। हमने सिंगल विंडो सिस्टम बनाया है जिसमें भी प्रॉपर तरीके से

काम नहीं होता। उससे उद्योगपति परेशान रहता है। हिमाचल में हम अपने अधिकतर लोगों को केवल उद्योगों में ही रोज़गार दे सकते हैं। हमने उद्योगों में हिमाचलियों के लिए 70% रेशो तय की है। यह हमारी नीति में अंकित है। मैं चाहता हूं कि जो उद्योग हिमाचल में लग रहे हैं, उनको किस तरह के श्रमिक चाहिए, यह देखा जाना चाहिए। वह किस तरह से ट्रेंड होने चाहिए, उसी तरह के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान यहां खुलने चाहिए। उद्योगों की ज़रूरत के अनुसार हम उनको ट्रेनिंग दें और हम उनकी नियुक्ति इंडस्ट्री के माध्यम से करें। सरकार उन युवाओं को ट्रेनिंग दे और फिर उद्योगों में रोज़गार दे। आज केवल लेबर में ही हमारे लोग हैं, बाकी जगह नहीं है। 70-30 की पॉलिसी में इंडस्ट्रियलिस्ट्ज को भी परेशानी हो रही है क्योंकि उनको प्रशिक्षित लोग नहीं मिल रहे हैं। इसलिए हमारी सरकार इस तरह की पॉलिंसी बनाए ताकि हिमाचल प्रदेश के लोगों को उद्योगों में अधिक-से-अधिक रोज़गार मिले।

मैं अभी चुनावों के दौरान गुजरात गया था। हमारा प्रदेश तो पर्वतीय क्षेत्र है और हरा-भरा क्षेत्र है। वहां पर अध्यक्ष महोदय भी हमारे साथ थे। हमने वहां पर एक जू देखा। वहां सारे पेड़ कीकर के थे। मैंने वहां पर अधिक कुछ नहीं देखा। केवल कुछ शेर रखे हुए थे और कुछ दूसरे जंगली जानवर थे। उन्हें देखने के लिए हजारों लोग आते हैं और उससे गुजरात को हजारों-लाखों रुपये की इनकम होती है। हमारा प्रदेश तो पहाड़ी क्षेत्र है। यहां पर तो इस तरह के हजारों पर्यटन स्थल बनाए जा सकते हैं।

जारी ...श्री गर्ग जी

11/01/2018/1305/RG/HK/1

श्री सुख राम----क्रमागत

इस तरह के पर्यटन स्थल बनाकर हिमाचल प्रदेश के युवाओं को रोजगार भी मिल सकता है। इससे हमारा पर्यटन भी विकसित हो सकता है क्योंकि यहां हरे-भरे जंगल हैं। मैं चाहता हूं कि इस तरह की योजना बनाकर युवाओं को रोजगार देने की एक

व्यवस्था यहां करनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, शिक्षा मेरा अन्तिम विषय है। हम लोग शिक्षा के ऊपर बहुत चर्चा करते हैं। हिमाचल प्रदेश की शिक्षा हमने क्वांटिटी में तो बहुत दे दी, परन्तु हमारी क्वालिटी अच्छी नहीं है और इसमें कोई दो राय नहीं है। हम बच्चे को जो निजी विद्यालय में भेजते हैं वहां एक कक्षा में चालीस से ज्यादा बच्चे नहीं होते और सुबह से आकर शाम तक अध्यापक बच्चों को पढ़ाता है। वे अनुपस्थित नहीं होते। लेकिन हमने यह नीति बनाई हुई है कि 60 बच्चों पर दो अध्यापक होंगे। अब एक अध्यापक खिचड़ी बनाने में लगा है, एक अध्यापक क्लास रूम बनाने में लगा है और एक अध्यापक डाक डियूटी में लगा है। इस प्रकार हम पांच कक्षाओं को एक ही अध्यापक से पढ़वाते हैं। बच्चे 45-50 या 60 हैं, पांच कक्षाओं को इकट्ठे बैठाएंगे और एक अध्यापक उन्हें पढ़ाएगा। अगर उस अध्यापक की तबियत खराब हो जाए, तो एक रह जाएगा। वह डाक का काम करेगा या बच्चों को पढ़ाएगा? इसलिए यह एक गंभीर विषय है और इस विषय पर हमें चिन्तन करने की जरूरत है। स्कूल ज्यादा न खोले जाएं। लेकिन जब-जब चुनाव नजदीक आता है, हम धड़ल्ले से स्कूल खोल देते हैं और पिछली सरकार ने तो जाते-जाते 6 महीने में जहां प्राथमिक विद्यालय था वहां भी कॉलेज दे दिया, एक-एक विधान सभा क्षेत्र में दो-दो और तीन-तीन कॉलेज दे दिए। मैं उनका विरोध नहीं कर रहा हूं। लेकिन जब इनकी सरकार बनी ही थी तबये पांच साल पहले ही स्कूल खोल लेते ताकि वहां स्कूल का पूरा ढांचा खड़ा हो जाता, अध्यापक भी होते और प्रोफेसर भी होते। अब इन्होंने यह नहीं देखा कि स्कूल कहां खोले हैं? दो कमरे देकर नोटिफिकेशन भी कर दी, प्रोफेसर भी डिप्यूट कर दिए और दूसरे विद्यालयों से बच्चे हटाकर वहां दाखिल भी कर दिए क्योंकि इनको पता था कि आने वाली सरकार बदलने वाली है। इसलिए ये कॉलेज बन्द न हो जाएं। इन कॉलेज को चलाने के लिए हमारी सरकार को आज की तारीख में बहुत पैसों की आवश्यकता है। --(व्यवधान)---हम उन्हें बंद नहीं करेंगे, हम देखेंगे कि प्राथमिकता

11/01/2018/1305/RG/HK/2

के आधार पर क्या करना है। परन्तु यह सही है कि स्कूल-कॉलेज खुले हैं। शिक्षा का

ढांचा निचले स्तर से मजबूत होना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, प्राथमिक शिक्षा को हमें स्ट्रेन्थन करने की जरूरत है। अभी तो 3,00,000 ही छात्र कम हुए हैं अगर शिक्षा का स्तर ऐसा ही रहा, तो मैं इस सदन में कहना चाहता हूं कि ये 3,00,000 नहीं बल्कि आने वाले समय में सरकारी स्कूलों में बच्चे मिलना ही मुश्किल हो जाएंगे और ढूंढने पड़ेंगे। हरेक माता-पिता चाहता है कि हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले। आजकल परिवार नियोजन का समय है, हर घर में एक या दो बच्चे अधिकतर होते हैं। इन स्कूलों में शिक्षा देकर कौन अपने बच्चों का भविष्य अंधकारमय में डालना चाहता है? इसलिए शिक्षा के ढांचे को मजबूत करने के लिए हम युक्तिकरण करें या जो भी व्यवस्था करें, इसके लिए कम-से-कम पांच कक्षाओं के लिए पांच अध्यापक होने चाहिए। अगर इस तरह की व्यवस्था होगी, तो अच्छा होगा। हमारे पास प्रशिक्षित अध्यापक हैं। इस प्रकार से बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी। --(घण्टी)--उससे हमारा शिक्षा का स्तर बढ़ेगा। यह मैं इस सदन के माध्यम से कहना चाहता हूं। यहां पर बहुत सी बातें कही गई हैं। अब छींटाकशी में ज्यादा कुछ नहीं रखा है। हिमाचल प्रदेश के लोगों ने परिणाम दे दिया है। हमें इस बारे में ज्यादा बोलने की आवश्यकता नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, हम अपने युवा मुख्य मंत्री महोदय को बधाई देना चाहते हैं। उनकी सोच अच्छी है। वे हिमाचल प्रदेश को भारतवर्ष का एक अच्छा प्रदेश बनाना चाहते हैं और इसके लिए हम उनके साथ खड़े हैं। हम चाहते हैं कि इनके नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश पूरे भारतवर्ष में बुलन्दियों पर जाए। मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करता हूं। समय देने के लिए आपका धन्यवाद करना चाहता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

एम.एस. द्वारा जारी

11/01/2018/1310/MS/YK/1

श्री सुखविन्द सिंह सुक्खुः अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्षी दल के नेता को बोलने के

लिए सिर्फ 20 मिनट का समय दिया गया। अभिभाषण पर चर्चा शुरू होने से पहले आपने अपने सम्बोधन में यह कहा है कि जो वक्ता बाद में बोलेंगे उनको 5 से 7 मिनट का समय बोलने के लिए मिलेगा। मेरा आपसे अनुरोध रहेगा कि जब हमारी तरफ के वक्ता भी बोलें तो उस समय भी समय का ध्यान रखा जाए। सुखराम चौधरी जी अच्छे वक्ता हैं और ये कम-से-कम 18 मिनट बोले हैं। इसलिए मेरा पुनः अनुरोध है कि जब हमारी तरफ से भी कोई वक्ता बोलें तो उनके समय का भी इसी तरह से ध्यान रखा जाए। धन्यवाद।

अध्यक्षः माननीय सुखविन्द्र जी जब कांग्रेस दल के नेता बोल रहे थे तो वे जितना भी चाहते, बोल सकते थे। मैंने बीच में उन्हें बैठने के लिए घण्टी नहीं बजाई। उन्होंने स्वयं 23-24 मिनट में अपनी बात कही। जब आपकी तरफ से बोलने की बारी आएगी उस समय उसकी बात करेंगे।

अब इस मान्य सदन की बैठक दोपहर के भोजन के लिए 2 बजकर 15 मिनट तक स्थगित की जाती है।

11.01.2018/1415/जेके/एजी/1

दोपहर के भोजनोपरान्त सदन की बैठक अपराह्न 2.15 बजे आरम्भ हुई।

मुकेश अग्निहोत्रीः अध्यक्ष महोदय, आपके आने के बावजूद भी सदन का कोरम पूरा नहीं है और न ही यहां पर मंत्रीगण बैठे हैं इसलिए हम सदन से बहिर्गमन करने का निर्णय लेते हैं।

(**विपक्ष के सदस्यों ने सदन** से **बहिर्गमन किया।**)

अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, घण्टी बजाई गई है और गणपूर्ति को पूरा करने का दायित्व सरकार का है। सदन की बैठक अगले 15 मिनट के लिए स्थगित की जाती है।

11.01.2018/1430/SS-DC/1

सदन की बैठक 2:30 बजे अपराह्न माननीय अध्यक्ष, डॉ0 राजीव बिन्दल की अध्यक्षता में पुनः आरम्भ हुई।

अध्यक्षः महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के लिए मैं श्री हर्षवर्धन चौहान को आमंत्रित करता हूं।

श्री हर्षवर्धन चौहानः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा करने के लिए खड़ा हुआ हूं। हिमाचल प्रदेश में चुनाव हुए। चुनाव में जनादेश भारतीय जनता पार्टी की सरकार को हिमाचल की जनता ने दिया है और नया मुख्य मंत्री इस प्रदेश को मिला है। हर पांच साल बाद चुनाव होते हैं। हम जो पॉलिटिशियन हैं उनका हर पांच साल बाद टैस्ट होता है। आई0ए0एस0 ऑफिसर और सरकारी कर्मचारी एक बार टैस्ट पास करते हैं और उम्र भर के लिए उनका कोई टैस्ट नहीं है। हमारा क्वार्टरली टैस्ट है। एनुअली टैस्ट है और हमारी मार्किंग नेगेटिव है। चुनाव में पॉजिटिव के बजाय नेगेटिव बातों पर ज्यादा चर्चा होगी। हम लोग पांच साल मेहनत करते हैं फिर परिणाम रूपी जनादेश आता है। जनादेश जनता का फैसला है। मैं जय राम जी को भी बधाई दूंगा कि एक नौजवान के हाथ में प्रदेश के मुख्य मंत्री की डोर आई है। मगर क्या हालात हुए हैं यह भी देखने का विषय है। अभी मैं गवर्नर अड्रैस में देख रहा था कि केन्द्र सरकार की नीतियों के आधार पर हिमाचल की जनता ने जनादेश दिया है। अगर यह नीति होती तो आपके जो भाजपा के बड़े-बड़े दिग्गज हैं वे शायद चुनाव नहीं हारते। मुख्य मंत्री के उम्मीदवार, आदरणीय प्रेम कुमार धूमल जी चुनाव हार गए। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष, सतपाल सिंह सत्ती जी चुनाव हार गए। विधान सभा के चुनाव में हार-जीत के कई कारण होते हैं। 18 तारीख को परिणाम निकला। धूमल साहब हार गए। एक हफ्ते तक भारतीय जनता पार्टी मुख्य मंत्री के उम्मीदवार पर ही मंथन करती रही

और जय राम जी की शपथ हुई। फिर तीन दिन तक मंत्रियों के विभाग नहीं बंटे। जब जय राम जी की ओथ हुई तो ओथ के तुरन्त बाद मोदी जी कॉफी हाउस में कॉफी पी रहे थे कि रिज मैदान पर नारे लग

11.01.2018/1430/SS-DC/2

गए। शाम को जुब्बल-कोटखाई के लोगों ने भी विरोध दर्ज़ कर दिया। --(व्यवधान)-- मैं जो बोल रहा हूं, आप उसको समझो। विरोध हो गया। मंत्रियों के विभाग दो दिन तक नहीं बंटते हैं। आप सुनो। जो घटनाक्रम हुआ है मैं उस पर प्रकाश डाल रहा हूं। मैं आपको घटनाक्रम बता रहा हूं, यह हकीकत है।

अध्यक्षः मेरा सदस्यों से अनुरोध है कि वे कृपया बीच में टीका-टिप्पणी मत करें और उनको बोलने दें।

श्री हर्षवर्धन चौहानः हमें खुशी है कि जो आशाएं और आकांक्षाएं प्रदेश सरकार से हिमाचल की जनता ने लगाई हैं आप उनको पूरा करेंगे। मुकेश अग्निहोत्री जी ने जैसे कहा कि विपक्ष के नाते हमारा भी एक रोल है और हम एक पॉजिटिव रोल अदा करेंगे। जय राम जी एक ईमानदार व्यक्ति हैं। इनमें सादगी है और हम उम्मीद करते हैं कि ये उन आकांक्षाओं को पूरा करेंगे। जब आप पर जिम्मेवारी आई है तो आज हिमाचल की जनता आपको देख रही है कि आप क्या करेंगे और आप क्या करने जा रहे हैं। ये जनता की नज़र आप पर है। अभी मेरे से पूर्व वक्ता 10 साल की बात कह रहे थे। 15 साल की बात कह रहे थे। अगर आप पांच साल का सोच लोगे तो बहुत है। आप 10 और 15 साल छोड़ दो। हिमाचल प्रदेश में पिछले आठ जो चुनाव हुए हैं हर चुनाव में हिमाचल प्रदेश में सत्ता का परिवर्तन हुआ है। --(व्यवधान)-- यह समय बतायेगा। हम भी कह रहे थे, जैसे 2012 में आपने कहा कि मिशन रिपीट होगा। हमने भी कहा कि मिशन रिपीट, मगर डिफीट हो गई। बेहतर होगा कि अगर आप पांच साल के बारे में सोचें।

जारी श्रीमती के0एस0

11.01.2018/1435/केएस/डीसी/1

श्री हर्षवर्धन चौहान जारी---

जो आपको जिम्मेदारी दी गई है, उसको आप पूरा करें तो अच्छा होगा। अध्यक्ष महोदय, बहुत सारी चीजें जो राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में हैं शायद इनकी जरूरत भी नहीं थी । प्रधान मंत्री आए, केन्द्रीय मंत्री आए, मुख्य मंत्री आए, इसको पढ़कर ऐसा लगता है कि आपके पास लिखने के लिए कुछ था ही नहीं। इसमें हर चीज़ को पार्सिंग रैफ्रेंस दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, श्री वीरभद्र सिंह जी प्रदेश के मुख्य मंत्री रहे हैं और पिछले पांच सालों में हमारी सरकार की इस प्रदेश में बहुत उपलब्धियां रही है। आज हिमाचल प्रदेश न केवल पहाड़ी राज्यों में बल्कि बड़े-बड़े राज्यों में एक मॉडल के रूप में जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश को पिछले पांच सालों में बहुत सारी इंडिपैंडैंट एजेंसिज़ ने भी और गवर्नमैंट ऑफ इंडिया ने भी स्वास्थ्य, शिक्षा और इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि क्षेत्रों में पहले स्थान पर रखा है । हम यह नहीं कहते कि इसमें सिर्फ कांग्रेस का ही योगदान है। जो भी इस प्रदेश के मुख्य मंत्री रहे हैं, डॉ0 वाई0एस0 परमार हैं, राजा वीरभद्र सिंह हैं, प्रेम कुमार धूमल हैं, इन सभी का इस प्रदेश के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान है। मैं मुख्य मंत्री श्री जय राम जी को भी कहना चाहूंगा कि आप लोग कहते हैं कि इस देश में तो जब मोदी जी प्रधान मंत्री बने उसके बाद ही विकास और काम हुआ है, आप ऐसा मत कहें। आपसे पूर्व में जो मुख्य मंत्री रहे हैं, अगर आप उनके काम की तारीफ करेंगें, इस प्रदेश में उनके योगदान की तारीफ़ करेंगें तो उससे आपका कद जनता की नज़र में और बढ़ेगा।

अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में आज बेरोज़गारी एक बहुत बड़ा मुद्दा है और मैं अभिभाषण में पढ़ रहा था कि "सिर्फ रोज़गार पाने में नहीं बल्कि रोज़गार निर्माण में भी हमारा नौजवान सक्षम हो"। आप कहना क्या चह रहे हो कि रोज़गार नहीं देंगें, रोज़गार निर्माण में सक्षम हो? पूर्व में कांग्रेस की सरकार ने 60 हजार लोगों को हिमाचल प्रदेश में नौकरी प्रदान की। बेरोज़गारों को रोज़गार कैसे दिया जाए आज यह एक बहुत बड़ा

मुद्दा है। सरकार के सामने बहुत बड़ी चुनौती है और इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत

11.01.2018/1435/केएस/डीसी/2

सारी उपलब्धियां हासिल की है। मेरे से पूर्व वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बहुत से स्कूल और मैडिकल कॉलेज खोल दिए हैं। पहले भी मैं इस माननीय सदन में रहा और पहले भी हमारे भाजपा के मित्र कहते थे कि वीरभद्र सिंह जी स्कूल तो रेवड़ियों की तरह बांटते हैं। मैंने एक दिन इनसे इस बारे में ज़िक्र किया तो इन्होंने कहा कि मैं स्कूल नहीं बांटता, मैं शिक्षा बांटता हूं। आज हिमाचल प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में 88 प्रतिशत पर है यह इसलिए है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल और कॉलेज खोले गए हैं। (व्यवधान) अब आप सरकार में बैठे हैं, आप हिसाब लो कि उनमें कितने बच्चे हैं। अगर आप में हिम्मत है तो आप बन्द कर दो लेकिन मैं मुख्य मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि आप इन स्कूलों को बन्द करने का काम न करें। पूर्व में जब भाजपा की सरकारें आयीं तो उन्होंने स्कूलों को डिनोटिफाई किया है लेकिन वह काम आप न करें। जो संस्थाएं, स्कूल, कॉलेजिज़, मैडिकल कॉलेजिज़ चलाए गए हैं उनको चलाने का काम करें। मेरे से पूर्व वक्ताओं ने अभी नाहन मैडिकल कॉलेज का ज़िक्र किया। बिन्दल जी के चुनाव क्षेत्र में भी एक मैडिकल कॉलेज है। वर्ष 2014 में यू0पी0ए0 सरकार ने नाहन में मैडिकल कॉलेज दिया, चम्बा में दिया और हमीरपुर में दिया । अगर आप यह धारणा करेंगें कि आपके पास पैसा नहीं है, आप कर्ज नहीं उठाएंगें तो कर्ज में तो सभी प्रदेश सरकारें डूबी हुई है। हर प्रदेश सरकार को सरकार चलाने के लिए कर्ज़ उठाना पड़ता है।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

11.1.2018/1440/av/एचके/1

श्री हर्ष वर्धन चौहान जारी-------

सरकार को चलाने के लिए आपको कर्ज़ उठाना पड़ेगा। अभी राकेश पठानिया जी कह रहे थे कि शिमला में कैंसर अस्पताल में दो सौ मरीज फर्श पर लेटे हुए हैं। फर्श पर क्यों है? क्योंकि आज बड़े अस्पताल और दूसरी बड़ी संस्थाएं खोलने की जरुरत है। हमारे पास उपलब्ध इनफ्रास्ट्रक्चर में अगर बैड नहीं होंगे तभी तो मरीज फर्श पर लेटे हुए हैं। आज आपके हाथ में बागडोर है। आप प्रदेश को आगे ले जाओ उसमें चाहे स्वास्थ्य का क्षेत्र है, शिक्षा का क्षेत्र है या रोड्ज का क्षेत्र है। हम यह नहीं कहते कि काम नहीं हुए। प्रदेश में काम हुए हैं, सरकार ने काम किए हैं। जब सरकार प्रदेश में काम करती है तो उसमें कमियां भी रह जाती है। हमसे कमियां रही होंगी तभी तो हम विपक्ष में बैठे हैं और आप सत्ता पक्ष में पहुंचे हैं। मैं मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि मैं रिसोर्स मोबिलाइजेशन इम्प्लॉयमैंट जनरेशन का चेयरमैन रहा हूं। मैंने सरकार को एक रिपोर्ट दी है, आप उस रिपोर्ट को देखें। उसमें मैंने बहुत सारी चीजें लिखी है कि क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए। राजनीति एक अलग चीज़ है मगर प्रदेश आगे कैसे बढ़े यह एक तरफ जहां सत्ता पक्ष की जिम्मेवारी है वहीं विपक्ष की भी जिम्मेवारी है। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि हमें हिमाचल प्रदेश में एक पोलिटिकल कनसैंसस बनाने की भी जरुरत है। हिमाचल प्रदेश में एक ऐसा वातावरण भी है कि हम हर चीज में राजनीति डालते हैं। यहां पर जो सत्ता पक्ष में होगा या विपक्ष में होगा वह हर चीज में राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहा है। मैंने उसमें एक कमैंट लिखा है कि आज उत्तराखंड की तरह बहुत सारे राज्यों में लोग हैल्थ और ऐजुकेशन जैसे प्राइवेट सैक्टर में जा रहे

हैं। आज एक पोलिटिकल कनसैंसस बनायें और इस प्रदेश को आगे ले जाने के लिए प्रयास करें। महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में 'गुड़िया योजना' के बारे में लिखा है । 'होशियार सिंह लाइन' के बारे में लिखा है। यह कौन सी लाइन है? यह तो क्राइम के लिए लाइन होगी? गुड़िया योजना आई नहीं और नाम पहले आ गया। मैं आपको यह भी कहना चाहूंगा कि हमारी पूर्व में राजा वीरभद्र सिंह के नेतृत्व में रही सरकार क्राइम फार वूमैन के लिए हमेशा से इम्पोर्टैंस देती रही है। चार महिला थाने खोले गए, आप

11.1.2018/1440/av/एचके/2

उनको आगे बढ़ाओ। महिलाओं पर क्राइम नहीं होना चाहिए। इस प्रदेश में गुड़िया कांड एक बहुत दुःखद कांड हुआ है। मगर राजनीतिक रूप से आपने उसको प्रदेश में किस तरह से पेश किया यह भी सब जानते हैं। आज आपकी सरकार है। गुनहगार कौन है? आप उसको फाईंड-आउट करो। उनको पकड़ो, उनके खिलाफ कार्रवाई करो। मगर इतना समय बीतने के बाद भी गुनहगार आज तक नहीं पकड़े गये हैं। प्रदेश में ऐसी बहुत सारी चीज़ें हैं जिन पर काम होना चाहिए। प्रदेश की जनता को सरकार से बहुत सी आशाएं /आकांक्षाएं हैं जिनको पूरा करने के लिए आपको आगे बढ़ना है।

अध्यक्ष महोदय, हम विपक्ष में हैं। हमारी भी जिम्मेवारी है और हमसे भी प्रदेश के लोगों की आशाएं और आकांक्षाएं हैं। We are the watch dogs of the people. आपकी कार्यप्रणाली और काम पर हमें नज़र रखनी है। आप अच्छा करेंगे तो हम आपका सहयोग करेंगे और अगर आप गलत करेंगे तो हम आपको रोकेंगे, आपको बतायेंगे तथा उम्मीद करेंगे कि आप हमारी बात को भी सुनें। यहां पर बिन्दल जी ने भी जिक्र किया, मैंने आडवानी जी की एक किताब पढ़ी है "My country- my life" जब आडवानी जी वर्ष 1970 में दिल्ली लैजिस्लेटिव कांउसिल के चेयरमैन थे तो उन्होंने लिखा है कि the Government should respect the voice of the Opposition. तो अध्यक्ष महोदय, मैं भी कहना चाहूंगा कि आपको हमें संरक्षण देना है, हमारी आवाज को सुनना है

श्री वर्मा द्वारा जारी

11-01-2018/1445/टीसीवी/एचके/1

श्री हर्षवर्धन चौहान..... जारी

और सरकार तक भी हमारी आवाज़ को पहुंचाना है। अभी तो सरकार को बने हुए महीना भी नहीं हुआ है। अभी तो आपका हनीमून पीरियड चला हुआ है। इस सरकार की सीरियसनेस इसी बात से पता चलती है कि हाऊस 2 बज़े होना था लेकिन कोई भी विधायक/मंत्रीगण हाऊस में उपस्थित नहीं थे। Now it is time to come out of the honeymoon period and get on the work. अभी तो अक्तूबर के महीने में आचार संहिता लगी हुई थी और इसमें कोई काम नहीं हुआ, नवम्बर के महीने में भी कोई काम नहीं हुआ। सरकार की दिसम्बर के महीने में फोर्मेशन हुई है। इस तरह से लगभग तीन महीने से हिमाचल प्रदेश में विकास का कार्य रूका हुआ है। उसको गति प्रदान करने की जरूरत है। प्रदेश में एक नौज़वान मुख्य मंत्री बने हैं, हम उनको सहयोग देंगे। आज बहुत सारे नौज़वान इस सदन में आये हैं। हमारे नौज़वान साथी मंत्री बने हैं और हम उम्मीद करेंगे कि इस प्रदेश में जो भ्रष्टाचार है, उसको दूर करने की जरूरत है। चाहे सरकार जो मर्जी रही हो, भ्रष्टाचार हर सरकार में रहा है लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि हिमाचल प्रदेश में इतना भ्रष्टाचार पहले कभी नहीं था। अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश में जब इंडस्ट्रीयल पैकेज़ आया, इस पैकेज़ ने हिमाचल प्रदेश के वातावरण को, चाहे वह कर्मचारी है, चाहे अधिकारी है या राजनैतिज्ञ है, इंडस्ट्रीयल पैकेज़ ने हमारे वातावरण को और प्रदूषित किया है। आज इस प्रदेश में भ्रष्टाचार को कम करने की ज़रूरत है। मैं सरकार से भी कहना चाहूंगा कि अगर आप भ्रष्टाचार को कम नहीं कर सकते तो कम-से-कम आप इस भ्रष्टाचार को जहां है, अगर वहां भी रोक लेंगे तो यह भी एक बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।

आज सरकार में एफिशिएंसी लाने की ज़रूरत है। आज लोगों को न्याय कैसे मिले, लोगों का काम कैसे जल्दी हो, इस पर भी गौर करने की ज़रूरत है। हम चाहेंगे कि हमारे पूर्व मुख्य मंत्री राजा वीरभद्र सिंह जी ने विधायकों के इंस्टीच्यूशन को मजबूत किया है। जो विधायक निधि 50 लाख थी, उसको एक करोड़ तक पहुंचा दिया है। इसके अलावा और भी सुविधाएं हमारे पूर्व मुख्य मंत्री जी

11-01-2018/1445/टीसीवी/एचके/2

ने विधायकों को दी है। हम चाहेंगे कि वर्तमान सरकार भी विधायकों के इंस्टीच्यूशन को मजबूत करें। एक और बात अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा। विधायक निधि बहुत ही महत्वपूर्ण है। लेकिन हमारे विधान सभा क्षेत्र शिलाई से पूर्व में विधायक रहे श्री बलदेव तोमर जी ने विधायक निधि के 47 लाख रुपये अपने पिता जी के खाते में डाल दिए। ---(व्यवधान)--- अध्यक्ष महोदय मैं यहां बैंक स्टेटमैंट के कागज़ात इस मान्य सदन में ले कर रहा हूं। इस बैंक स्टेटमैंट में- श्री नैन सिंह तोमर, विधायक बलदेव तोमर के पिता जी के खाते में विभिन्न पंचायतों खातों से 47 लाख जमा हुए हैं। मैं ऐसे नहीं बोलता हूं। मैं पांच साल इस सदन में नहीं था लेकिन मैं ऐसे व्यर्थ के आरोप नहीं लगाता। मैं यह इसलिए कह रहा हूं कि जो सुख-सुविधाएं और पैसा हम विधायकों को जनता के विकास के लिए दिया जाता है, उस पैसे का दुरुपयोग करके हम अपने सगे संबंधियों/परिवार के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए न करें। मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि इसमें कार्रवाई करें। इनके पिता जी के खाते में पंचायत का पैसा कैसे चला गया? वहां पर काम हुआ या नहीं हुआ यह अलग प्रश्न है। आपने मुझे समय दिया मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं। हम उम्मीद करेंगे कि सरकार काम करें और सरकार को हम सहयोग देंगे। मगर हम भी ये उम्मीद करेंगे कि विपक्ष के विधायकों को भी इज्जत, मान और सम्मान मिले तथा उनके काम पर भी आप गौर करें। आपने बोलने

का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

एन0एस0..... द्वारा जारी

11.01.2018/1450/NS/YK/1

अध्यक्षः मेरे पास जो बोलने वालों की सूची आई है वह काफी बड़ी है। हमें लम्बे समय तक बैठने के लिए कोई ऐतराज़ नहीं है। परन्तु मुझे सदस्यों के माध्यम से जानकारी मिली है कि कल सभी लोग समय पर यहां से जाना चाहते हैं। बज़ट सैशन आने वाला है आप लोग पूरी-पूरी रात बैठना, हम चर्चा के लिए तैयार रहेंगे। तब तक सरकार की और कार्यप्रणाली भी सबके सामने आ जाएगी। अभी आप अपनी बात को थोड़ा संक्षिप्त करेंगे तो मेरे पास जो नाम आए हैं वे सभी बोल पाएंगे। अब माननीय सदस्य श्री नरेन्द्र ठाकुर जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री नरेन्द्र ठाकुरः माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया है। इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करना चाहूंगा। अध्यक्ष जी, अभी हमारी सरकार को बने हुए कुछ ही दिन हुए हैं। सरकार क्या करने जा रही है और कैसा काम करेगी? यह तो आने वाला समय और इस सत्र के बाद ही पता चलेगा। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपना अभिभाषण दिया है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने भी कहा है कि हमारी सरकार कैसी होनी चाहिए? उन्होंने इसकी क्लीयर इंडिकेशन दी है। इससे यह साफ ज़ाहिर होता है कि आने वाले समय में माननीय मुख्य मंत्री जी हमारी सरकार इस प्रदेश को एक मॉडल स्टेट बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। साथ में यह भी इंडिकेशन है कि हमारी आने वाली सरकार आम जनता की, गरीब आदमी और उनके विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस

प्रदेश में पिछली सरकार ने जिस ढंग से काम किया है, भ्रष्टाचार का बहुत बड़ा बोलबाला रहा है और माफियों पर जिस तरीके से कंट्रोल रहा है उन सारे मसलों पर हमारी सरकार कम्प्रोमाईज़ करने वाली नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, किसी परिवार की प्रोसपैरिटी और किसी स्टेट की प्रोसपैरिटी का पता किस चीज़ से लगता है? उसकी वित्तीय स्थिति से लगता है। फाईनैंशियल पोजीशन के ऊपर परिवार और स्टेट का भविष्य डिपैंड करता है। जहां तक वर्तमान में

11.01.2018/1450/NS/YK/2

प्रदेश की जो फाईनैंशियल पोजीशन है और जिस ढंग से पुरानी सरकार ने इस प्रदेश को बैंकरप्ट करने के लिए जो खुला खेल खेला है, मैं उसके बारे में थोड़ी चर्चा करना चाहूंगा। आज हमारा प्रदेश लगभग 46,000 करोड़ रुपये के कर्ज़ में डूबा है और हर वर्ष टोटल बजट जो प्लान होता है उसकी 3500 करोड़ रुपये की राशि हमें ब्याज के रूप में देनी पड़ती है। अगर यही सिलसिला जारी रहा तो आने वाले समय में आप खुद अन्दाज़ा लगा लीजिए कि हमारे प्रदेश की फाईनैंशियल स्थिति कैसी होगी? माननीय मुकेश जी अभी बोल करके गये हैं। इन्होंने कल भी बोला और आज भी बोला है कि हमने पांच साल यह रोना बिल्कुल नहीं रोया है कि हमारी सरकार की फाईनैंशियल पोजीशन ठीक नहीं थी। माननीय मुकेश जी मैं आपको बताना चाहूंगा कि वर्ष 2012 से 2017 तक आपकी सरकार ने लगभग 19,000 करोड़ रुपये का लोन लिया है। अगर आपको केंद्र से 42,000 करोड़ रुपये का रैवेन्यू डेफेसिट के रूप में न मिलता तो आपकी सरकार की ट्रेज़री में कब का ताला लगा होता। आप अब फिर वही डिमांड कर रहे हैं कि मांगते जाओ, चाहे लोन लो, चाहे आप केंद्र सरकार से मांगो, यह ठीक है कि केंद्र में हमारी सरकार है। हम फाईनैंशियल पोजीशन से उभरने के लिए केंद्र सरकार के पास जाएंगे, हम उनसे हैल्प लेंगे।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

11.01.2018/1455/RKS/YK/1

श्री नरेन्द्र ठाकुर... जारी

लेकिन आप मुझे बताइए कि पिछले पांच वर्षों में आपने इस प्रदेश की वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए क्या कोई ऐसा कदम उठाया? ऋण लेने की बजाय हमारा प्रदेश सैल्फ इंडिपैंडैंट हो, हमारे अपने संसाधन हों, इसके लिए आपने पिछले पांच वर्षों में एक भी कदम नहीं उठाया। हम बार-बार, चीख-चीख कर यह बात कहते थे परन्तु आप कहते हैं कि जो ज्यादा चीखते थे वे हार गए। हम चीखते नहीं थे। हम आपको समझाते थे। पिछली सरकार में वन माफिया, शराब माफिया, भ्रष्टाचार बढ़ा और लॉ-एण्ड-ऑर्डर की स्थिति ठीक नहीं थी। इसके लिए हम आपको सचेत करते थे कि इन चीजों के लिए आप एक्ट पॉल कीजिए। आपने ऐसा नहीं किया और यही वजह है कि आप विपक्ष में बैठ गए। जहां तक मैं वित्तीय स्थिति की बात कर रहा हूं, आप आगे विकास की बात करेंगे और आपके पास पैसा नहीं हैं। सरकार कितना लोन लेती रहेगी। आपको अपने रिसोर्सिज रिजनरेट करने पड़ेंगे। इसके लिए मैं आपसे सहयोग भी चाहूंगा। हमारी सरकार पूरी वचनबद्ध है कि हम सैल्फ- इंडिपैंडेंट हो। ऐसा नहीं है कि हमारे पास संसाधन नहीं है। हम सैल्फ इंडिपैंडैंट भी हो सकते हैं। हमारी सरकार की पूर्ण इंडिकेशन्ज़ हैं कि हम अपने टूरिज्म , हाइड्रो, और फोरैस्ट के रिसोर्सिज से जो प्रोड्यूस है उसका सही उपयोग करके इस प्रदेश के रेवेन्यू को बढ़ाने की कोशिश

करेंगे। हमें पिछली सरकार से 42 हजार करोड़ रुपये का कर्जा मिला। पिछली सरकार ने 19 हजार करोड़ रुपये लॉन लिया। यदि आप उस पैसे का ठीक ढंग से उपयोग करते तो हम आपकी बात मानते। सैंकड़ों स्कूल खोल दिए गए। हर पांच किलोमीटर के बाद कॉलेज खोल दिया गया। हर 5-10 किलोमीटर के बाद बी.डी.ओज. दफ्तर खोल दिए गए। हर 5 किलोमीटर के बाद तहसीलें खोल दी गई। सरकारी पैसे का आपने अंधाधुंध दुरुपयोग किया। जहां तक लॉ-एण्ड-ऑर्डर की बात है हमारी सरकार की क्लीयर इंडिकेशन है कि इसके ऊपर कोई समझौता नहीं होगा। पिछेल वक्ता श्री हर्षवर्धन चौहान जी यहां पर गुड़िया कांड के ऊपर बात कर रहे थे। यह पूर्व सरकार की ही क्रिएशन है। इस गुड़िया कांड में हमारे प्रदेश का नाम पूरे देश में बदनाम हुआ । लोगों का विश्वास पुलिस विभाग से ऊठ चुका है। असली

11.01.2018/1455/RKS/YK/2

मुलजिमों को बचाने में कांग्रेस सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी। अब आप बात कर रहे हैं कि इस केस में सी.बी.आई. इन्क्वायरी कर रही है और पिछले 3-4 महिनों में इस पर कुछ भी नहीं हुआ। आपकी सरकार में जो पुलिस वाले इस केस को इनवैस्टिगेट कर रहे थे, वे सारे-के-सारे जेल में बंद हैं। उन्होंने कोई सबूत नहीं छोड़ा है। कोई एविडैंस नहीं छोड़ा है तो सी.बी.आई. क्या करेगी? सी.बी.आई. कहां से एविडैंस क्रिएट करेगी। लेकिन अखबार में जो लेटैस्ट न्यूज थी उससे साफ जाहिर है कि असली गुनाहगारों के पास सी.बी.आई. पहुंचने वाली है या पहुंच चुकी है। यह भी पता लग जाएगा कि सरकार के कौन-कौन से लोग और पुलिस वाले गुड़िया कांड में इनवोल्व थे। इस प्रकार के सैंकड़ों केस हुए। मण्डी में होशियार सिंह का केस हुआ, यह भी आपके सामने जीता-जागता उदाहरण है। मर्डर केस को सुसाइड केस बनाया गया। इस केस में कुछ इम्पलॉइज और कुछ ठेकेदार संलिप्त थे। यह बात सी.बी.आई.ने क्लीयर कर दी है। मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा। हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास करेगी और इसके

लिए हमें आपका सहयोग भी चाहिए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अध्यक्ष महोदय जी का धन्यवाद करना चाहूंगा। जय हिन्द।

अध्यक्ष श्री0 बी0 एस0 द्वारा जारी...

11.01.2018/1500/**बीएस/एसके**/-1

अध्यक्षः धन्यवाद नरेन्द्र ठाकुर जी, आपने समय के अंदर अपनी बात रखी।

श्री जगत सिंह नेगीः माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया उसके लिए धन्यवाद। अभी महामहीम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण इस माननीय सदन में दिया दिया। उसमें बहुत सारी बातों का जिक्र किया गया है । कुल 25 पैराग्राफ्ज इसमें हैं। करीब 11 पृष्ठ का यह अभिभाषण है। यहां पर जो शपथ ग्रहण समारोह हुआ। उसके बारे में बड़े विस्तार से बताया गया कि माननीय प्रधानमंत्री महोदय आए। उसके बाद बहुत सारे देश के केन्द्रीय मंत्री आए। बहुत सारे प्रदेशों के मुख्यमंत्री आए और मैं कहूंगा कि इस समारोह में बहुत सारे पैसे का दुरूपयोग हुआ है। तीन-चार दिन पहले से ही भारतीय जनता पार्टी के बड़े-बड़े नेता आए। बड़े-बड़े फोस्टोग्राफ्स लगाए गए। वहां की व्यवस्था बड़े नेता लोग कर रहे थे लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि जिस दिन ये शपथ समारोह हुआ उस दिन ऐसी व्यवस्था थी कि वहां आपके उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को व उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी को एक घंटा तक गाड़ी ढूंढनी पड़ी। मैं उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री की ही बात कर रहा हूं। आप धैर्य से सुनिए । झारखंड के मुख्यमंत्री तो वहां पर गिर ही गए। भीड़ में उनकी स्थिति ऐसी थी कि उन्हें खुद कहना पड़ा "मैं उत्तराखंड का मुख्यमंत्री हूं"। इस तरह की व्यवस्था आपकी है। आप लोग काननू-व्यवस्था की बात कर रहे हैं। पहले दिन ही आपका फ्लॉप शो रहा है। यहां विधान सभा परिसर के बाहर फोटोग्राफी केलिए गेट न0 एक पर पहले दिन बुलाया गया। एक फोटोग्राफ हमारा नहीं ले पाए। आप सभी

जानते हैं उसमें क्या हुआ। दूसरे दिन स्पीकर महोदय का चुनाव हुआ। स्पीकर साहब को भी बुलाया गया। परंतु आधा घंटा खड़े होने के बाद भी व्यवस्था सही नहीं हो पाई। आप ठीक से फोटोग्राफ नहीं ले पाए। ये तो आपकी पहले दिन की व्यवस्था है।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक इन्होंने कानून-व्यवस्था की बात की है जैसा कि मेरे से पूर्व माननीय सदस्य ने कहा कि जो पट्टिकाएं लगी थीं उन पट्टिकाओं को हम हटा देगें। जो बातें आप कह रहे हैं वह सच में आपके कार्यकर्ताओं ने करनी आरंभ कर दी है। मेरे जनजातीय क्षेत्र किन्नौर में चुनाव के दौरान और चुनाव के बाद करीब 10 पट्टिकाओं को तोड़ा गया। जिन सड़कों का करोड़ों रूपये के बजट के साथ उद्घघाटन हुआ। बड़ी -बड़ी बिल्डिंगज का उद्घघाटन हुआ, बड़े- बड़े पुलों का उद्घघाटन हुआ। उन पट्टिकाओं को तोड़कर आप क्या बताना चाहते हैं। कौन से कानून-व्यवस्था की आप बात करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री जी यहां

11.01.2018/1500/**बीएस/एसके**/-2

बैठे नहीं हैं, मैं उनसे निवेदन करना चाहता हूं कि जितनी भी पाट्टिकाएं जिला किन्नौर के अंदर तोड़ी गई हैं उन सबको पुनः लगाया जाए। जिन लोगों ने यह काम किया है। उनके ऊपर कानून का शिकंजा कसना चाहिए। तभी आपकी कानून व्यवस्था सही रहेगी। आप शुरूआत ही गलत तरीके से कर रहे हैं। यहां बहुत सी बाते कही गई।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इस माननीय सदन के अंदर 17 विधायक अनुसूचित जाति के हैं, तीन विधायक हम अनुसूचित जनजाति क्षेत्र के हैं, ओ.बी.सी. के हैं परंतु एक भी शब्द जनजातीय विकास के लिए और जो हमार अनुसूचित जनजातीय घटक योजना के लिए या ओ.बी.सी. के लिए इस अभिभाषण में लिखना मुनासिब नहीं समझा। इससे आपकी इस जाति के लोगों के बारे में कोई चिंता नहीं है। इसलिए इस बात से यह स्पष्ट होता है कि आप जाति विशेष के लिए कार्य करते हैं। मेरा आप पर सीधा आरोप है कि आपने इस अभिभाषण में कोई बात नहीं रखी है।

यहां पर गुड़िया कांड की बात कर रहे थे, आपकी सरकार आ गई है आपको दोषियों को पकड़ने से किसने रोका है। आपकी सी.बी.आई. को दोषियों को पकड़ने से ।

किसने रोका है। ये तो माननीय उच्च न्यायालय ने बार-बार सी.बी.आई. को हाज़िर होने व स्टेटस रिर्पोट मांगी गई लेकिन अभी तक भी कहीं नहीं पहुंचे हैं। आप इस पर कार्रवाई करिए।

माननीय अध्यक्ष महेदय, ये खजाना खाली होने की बात कर रहे हैं। अगर आपको पता था कि खजाना खाली है तो क्यों आप सत्ता पक्ष में बैठे हैं । हमें वहां पर रहेने देते । हम तो इसी ख़जाने से गुजारा कर रहे थे। आप खज़ाना लाईए और काम कीजिए । आप हमेशा ही मोदी जी की नीतियों की बात करते हैं। मैं आपको बता दूं पचास हजार करोड़ का लोन तो मोदी सरकार भी ले रही है। मोदी जी की सरकार में भी बिना लोन के काम नहीं चल रहा है।

डीटी द्वारा जारी.....

11.01.2018/1505/डी.टी./डी.सी.-1

श्री जगत सिंह नेगी.. जारी

अब आपका समय आ गया है। हमारे ऊपर दोषारोपण करने की वजाय जो आपने प्रदेश की जनता से बड़े-बड़े वायदे किए हैं उनको निपटाइए। जब कांग्रेस सरकार बनी थी और 9 जनवरी, 2013 को जो महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण हुआ था, उसमें जो चर्चा हुई थी उसमें अब यहां पर जो माननीय मंत्री बने हुए हैं उनकी चर्चा को मैं पढ़ रहा था। वे उस चर्चा में बड़े जोर से कह रहे थे कि गवर्नर को हैलिकॉप्टर से शिमला लाया गया। बड़ा खर्चा कर दिया गया। जाने में गवर्नर का बड़ा खर्चा कर दिया। क्या जरूरत थी यह 10 पेज का अभिभाषण पढ़ने की । आज आपने क्या किया? वही हैलिकॉप्टर आया, उसी हैलिकॉप्टर में गवर्नर साहब वापिस गए। आपने क्या नया किया? आज आप वहां पर बड़ी-बड़ी बातें कर रहे थे। क्या यहां से वहां जाने में आप बड़े संत बन गए। आपकी करनी और कथनी में फर्क है। आपको एक जनमत मिला है और आपको सोचना

पड़ेगा कि आप कैसे काम करेंगे। कांग्रेस सरकार ने प्रधान मंत्री सिंचाई योजना की 1500 स्कीमें दिल्ली भेजी परन्तु केन्द्र की सरकार ने एक भी स्कीम सैंक्शन नहीं की। व्यवधान... आप सुनने की शक्ति रखिए। जब आपको मौका मिलेगा तब आप बोलना। आप को अभी किस चीज की तकलीफ हो रही है। आप केन्द्र की नीतियों की बड़ी तारीफ करते हैं इन साढ़े तीन सालों में आपने मोदी जी के जुमलों की तारीफ की । नोटबंदी करके कितने लोगों की जानें चली गई। पूरे विश्व में यह कहीं नहीं हुआ कि पैसा निकालती बार लोग मरे हो। 140 से ज्यादा लोगों की जानें चली गई। नये नोट छापने में 27 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए। वही पैसा यदि हिमाचल प्रदेश को दे देते तो और ज्यादा फायदा होता। बड़े-बड़े सेठों के पास जो काला धन था वह सब सफेद हो गया। जी.एस.टी. में आपने क्या किया जो दवाइयों, कपड़ों और आम-आदमी की जो जरूरत की चीजें हैं उनमें आपको कम टैक्स लगाना चाहिए था। उसमें आपने 20 प्रतिशत से ज्यादा टैक्स लगा दिया। आपकी कौन सी अच्छी नीतियां हुई हैं। हिमाचल प्रदेश के अंदर कांग्रेस की सरकार ने पिछले पांच सालों में आदरणीय पूर्व मुख्य मंत्री राजा वीरभद्र सिंह जी के समय में जो विकास किया उससे बहुत सारे मेरे साथी दोबारा चुनकर आए हैं। आप बताइए कहां पर कमी रही? आपके जिले में स्कूल, कॉलेज खुले। क्या आप

11.01.2018/1505/डी.टी./डी.सी.-2

स्कूल कॉलेज नहीं खोलना चाहते थे? सड़कें बनीं, पानी की सिंचाई की योजनाएं बनीं इससे ज्यादा और क्या चाहिए था? इन बातों को ध्यान में आप रखिए और तभी बोलिए। आप बीच में बोलना नहीं देते और बीच में टोक देते हैं। जब कांग्रेस के लोग बोलते हैं तो आपको बड़ी मिर्ची लगती है। आपको अगर मनचाहा बोलने को चाहिए तो मनचाहा सुनने की शक्ति भी आपको रखना पड़ेगी। यह जो अभिव्यक्ति है, हमारी स्वतंत्रता है इस आजादी को आप छिन नहीं सकते। इसलिए जब हम बोलेंगे, आप बिल्कुल नहीं बोलेंगे। अध्यक्ष जी जब नियम-299 के साथ जब कोई भी सदस्य बोल रहा होता है तो

दूसरा बीच में किसी किस्म का व्यवधान नहीं कर सकता। आप हमें बोलेने नहीं देंगे। जनता ने हमें भी चुनकर भेजा है।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, आप माननीय उपाध्यक्ष रह चुके हैं। आप आराम से बोल रहें हैं। आपको क्या डिस्टरबैंस हो रही है? आप बोलिए।

श्री जगत सिंह नेगीः अध्यक्ष महोदय, भाजपा का सबसे बड़ा मंत्र झूठ बोलना ही तो है। झूठ के सहारे आप जीतते हैं। किस तरह से आप पूरे प्रदेश में लोगों को भ्रमित करते हैं। यह आपकी आदत की मजबूरी है। आप उस मजबूरी से बाहर नहीं निकल सकते।

श्री एस0एल0एस0 द्वारा जारी

11.01.2018/1510/SLS-HK-1

श्री जगत सिंह नेगी....क्रमागत

अभी तो शुरुआत है। इसके बाद बजट सैशन आएगा और उस समय हम बहुत सारी बातों पर विस्तार से चर्चा करेंगे। अभी 15 दिनों में आपने कई फ़ैसले लिए। हर रोज़ आप कैबिनेट मीटिंग करते हैं। हम सोचते हैं कि कोई नई नीति लाएंगे। लेकिन आप क्या करते हैं कि जो कांग्रेस की बनाई नीतियां हैं उनको निरस्त करने में समय बर्बाद कर रहे हैं। आप कह रहे हैं कि आप शराब के बारे में नई नीति लेकर आए। शराब माफिया का जब राज था तो ठेकेदार पूलिंग करके एक-एक जगह पर 20-20, 30-30 करोड़ रुपये का सरकार का नुकसान कर रहे थे। उससे बचने के लिए नई नीति लाई गई थी। उससे आपको क्या तकलीफ़ हुई? उससे तो सरकार की इनकम ही बढ़ी। उससे बेशक शराब महंगी हो गई परंतु सरकार को उससे ज्यादा पैसा आया। आपने उस बढ़िया नीति को खत्म कर दिया और दोबारा से ठेकेदार राज को आमंत्रित कर लिया। अब आप ठेकेदारों को फायदा पहुंचाएंगे और इससे सराकर के कोष में कोई पैसा नहीं आएगा।

आपने अभी रिटायर्ड और टायर्ड लोगों की बात की। इसके बारे में पहले दिन आपने बड़े

ज़ोर से घोषणा कर दी और दूसरे दिन ही उन्हीं 1400 लोगों को दोबारा रख लिया। पटवारी, कानूनगो, प्रोफ़ेसर्ज़ और प्रिंसिपल्ज दोबारा रखे गए; यह क्या निर्णय है? वह टायर्ड और रिटायर्ड लोग अब कहां गए? यह केवल बोलने की बात है। आपकी कथनी और करनी में फर्क है। आप आगे से इस बात का ध्यान रखिए।

अभी हैल्थ डिपार्टमैंट की बात हुई। हैल्थ में जितना बढ़िया काम वीरभद्र सिंह जी की सरकार में हुआ, पहले कभी नहीं हुआ है। हमारे जैसे जनजातीय इलाके में पहली बार हर पी.एच.सी. में डॉक्टर्ज़ रहे। रिकांग पिओ में जिला का जो हमारा जूनल हॉस्पिटल है, कायाकल्प के अंतर्गत केंद्र सरकार की योजना में वह पूरे हिमाचल में प्रथम स्थान पर आया और हमें 50 लाख रुपये का ईनाम मिला। पिछली सरकार के समय हमारे सारे दूर-दराज़ के इलाकों में अध्यापक रहे और सब कॉलेजों में लैक्चरर्ज रहे। अब यह आपके ऊपर चुनौती है। अभी पता चला है आप

11.01.2018/1510/SLS-HK-2

दोबारा ट्रांसफर्ज़ में लग गए हैं। दोबारा से ट्रांसफर्ज़ करके सारे संस्थान खाली कर दिए जाएंगे। कोई मण्डी तो कोई हमीरपुर और कांगड़ा ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। हमारे दूर-दराज़ के जो बैकवर्ड इलाके हैं, वहां पर वीरभद्र सरकार के समय में जो तैनातियां हुई हैं, उनको उसी तरह से रखें नहीं तो जो हमारा जनजातीय इलाका है, बॉर्डर एरिया है, वहां के लोग आपको माफ करने वाले नहीं हैं।

अध्यक्ष महोदय, जो यहां पर राज्यपाल महोदय का अभिभाषण हुआ है, मैं इसका बिल्कुल भी समर्थन रहीं कर सकता। इसमें समर्थन करने लायक कोई बात नहीं है।

धन्यवाद।

11.01.2018/1510/SLS-HK-3

अध्यक्षः सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंत्री जी, पहले माननीय खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं

उपभोक्ता मामले मंत्री ने हाथ खड़ा किया था। पहले ये बोल लें, इनके बाद आप बोलेंगे।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य जगत सिंह नेगी जी ने कहा कि सरकार बनाने के समय अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और जनजाति का ध्यान नहीं रखा गया है। मैं इनको बता देना चाहता हूं कि पिछली सरकार में अन्य पिछड़ा वर्ग का कोई भी सदस्य मंत्रिमंडल में नहीं लिया गया था। हमारी इस सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग से श्रीमती सरवीन चौधरी, कैबिनेट मंत्री को मंत्रिमंडल में लिया है। इसलिए इसकी चिंता आप न करें। जहां तक आपने अनुसूचित जाति की बात की, अनुसूचित जाति से हमारे डॉक्टर सैजल यहां मंत्रिमंडल के सदस्य हैं और हमारे डिप्टी स्पीकर भी अनुसूचित जाति से ही संबंध रखते हैं। जनजातीय समुदाय से हमारे माननीय डॉ. मारकण्डा जी और मैं स्वयं मंत्रिमंडल में हैं। इसलिए दो कैबिनेट मंत्री इसमें लिए गए हैं। आप इसकी भी चिंता मत कीजिए। आप तो ऐसे बोल रहे थे जैसे कि किसी चुनावी सभा में बोल रहे हों। आपको यह पता नहीं चल रहा है कि आप विधान सभा में बोल रहे हैं या चुनावी सभा में बोल रहे हैं। कृपया आगे से इस बात का ध्यान रखें।

11.01.2018/1510/SLS-HK-4

अध्यक्षः माननीय सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंत्री श्री महेन्द्र सिंह जी, अब आप अपने विचार रखें।

सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंत्रीः आदरणीय अध्यक्ष जी, श्री हर्षवर्द्धन चौहान जी जिन्होंने पूर्व में रहे विधायक के बारे में टिप्पणी की है, इनसे मेरी विनम्र प्रार्थना रहेगी कि जो दस्तावेज आपने यहां पर दर्शाए हैं, कृपया आप इन दस्तावेजों को यहां सभा पटल पर रखें।

अध्यक्ष जी, मेरा जगत सिंह नेगी जी के प्रति बहुत आदर है। इन्होंने प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना के बारे में कहा है कि इसके अंतर्गत एक फूटी कौड़ी नहीं मिली।

नेगी जी, केवलमात्र दिल्ली को पत्र भेजना ही सब कुछ नहीं है।

जारी ...श्री गर्ग जी

11/01/2918/1515/RG/DC/1

श्री महेन्द्र सिंह, सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य मंत्री -----क्रमागत

जब तक हम भारत सरकार में विभिन्न मंत्रालयों की औपचारिकताओं को पूरा नहीं करेंगे तब तक भारत सरकार के किसी भी विभाग से आपके प्रोजैक्ट्स स्वीकृत होकर नहीं आते हैं। मैंने सिंचाई एवं जन-स्वास्थ्य से संबंधित जो प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना है उससे संबंधित सारे डॉक्यूमेंट्स देखे हैं। उसमें मुझे बहुत खेद से कहना पड़ रहा है कि एक तो बहुत कम स्कीमें गईं और जो गईं तथा जो ठीक थीं, वे आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने और भारत सरकार के जल संसाधन मंत्रालय ने सारी-की-सारी स्कीमें स्वीकृत की हुई हैं, लेकिन अगर आपके समय में उस समय ज्यादा-से-ज्यादा डी.पी.आर्ज़. भेजी गई होतीं, तो ज्यादा पैसा मिल सकता था। बहुत से ऐसे विधान सभा चुनाव क्षेत्र हैं जिनकी कोई भी डी.पी.आर. नहीं भेजी गई है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आने वाले समय में हमारे माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में हम किसी से, किसी भी विधान सभा चुनाव क्षेत्र के साथ, किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं करेंगे। चाहे वह प्रधानमंत्री कृषि संचाई योजना है, चाहे वह स्टेट सेक्टर की हैं, चाहे वे नावार्ड की हैं या चाहे वे भारत सरकार से स्वीकृत होने वाली हैं। मैं विपक्ष के सभी भाई-बहनों को इस बात से आश्वस्त करना चाहता हूं।

11/01/2918/1515/RG/DC/2

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं।

अध्यक्ष : नहीं, इसमें चर्चा पर चर्चा नहीं होगी। हां, बोलिए। क्या कहना चाहते हैं?

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय किशन कपूर जी बहुत ही वरिष्ठ सदस्य हैं और मंत्री भी हैं। हम इनका सम्मान करते हैं, लेकिन हमारे श्री जगत सिंह नेगी जी भी कोई नौसिखिया नहीं हैं जोकि उनको बताया जाए कि वे कहां भाषण दे रहे हैं, विधान सभा में दे रहे हैं या बाहर दे रहे हैं। ये इस माननीय सदन के उपाध्यक्ष रहे हैं। हमारे समय में भी डॉ.(कर्नल) धनी राम शांडिल जी, प्रकाश चौधरी जी कैबिनेट मिनिस्टर थे, भरमौरी जी कैबिनेट मिनिस्टर थे और नीरज भारती जी भी मुख्य संसदीय सचिव थे। लेकिन ये कुर्सी ऐसी है कि सरमन देने की आदत पड़ जाती है। ये बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं, हम इनका बहुत सम्मान करते हैं। मेरा माननीय मंत्रियों से आग्रह रहेगा कि विपक्ष को इतने हलके से न लें।

11/01/2918/1515/RG/DC/3

अध्यक्ष : अब माननीय सदस्य श्री राकेश सिंघा जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री राकेश सिंघा : माननीय अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो यहां अभिभाषण पढ़ा है, मैं उस पर चर्चा करने के लिए शामिल हुआ हूं और मैं आपका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। मैं सर्वप्रथम माननीय मुख्य मंत्री साहब और उनके मंत्रि-मण्डल को बधाई देना चाहता हूं। मैं बधाई देना चाहता हूं कांग्रेस विधायक दल के नेता माननीय श्री मुकेश अग्निहोत्री साहब को और मैं सबको बधाई देना चाहता हूं जो आज ये इस सदन में आए हैं। बहुत मेहनत से आए हैं और मैं समझता हूं कि हमारा सबका सफर सफल होना चाहिए, ऐसी मेरी कामना है, ऐसी मेरी इच्छा है। मैं स्वयं सौभाग्यशाली हूं कि मैं इस सदन में 25 साल बाद अपनी बात को रख रहा हूं और जब मैं 25 साल बाद इस सदन में आया हूं, तो आपके दाये तरफ डॉ. परमार जी की फोटोग्राफ है। मैं उनको सलाम इसलिए करना चाहता हूं कि मैं समझता हूं कि ये हिमाचल प्रदेश के निर्माता रहे हैं और जो हिमाचल प्रदेश का विकास एवं इसकी जो प्रक्रिया रही है, उसमें इनका एक बहुत बड़ा योगदान रहा है। मैंने दो दिन पहले इस सदन में संविधान की शपथ ली है। जो हमारा संविधान है, वह हमारे लिए सबसे लोकप्रिय है।

एम.एस. द्वारा जारी

11/01/2018/1520/ms/1

श्री राकेश सिंघा जारी--------

और मैं समझता हूं कि इस सदन के अंदर सब उसकी मान्यता और उसकी जो मंशा है उसके अनुसार कार्य करेंगे। मैं आज एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि मुझे ऐसा अहसास हो रहा है कि धीरे-धीरे हमारे संविधान में लैजिस्लेशन का जो रोल था वह कहीं धूमिल होता जा रहा है तथा ज्यूडिशरी का जो रोल है वह कहीं-न-कहीं एन्क्रोच कर रहा है। मेरा ज्यूडिशरी के लिए पूरा सम्मान है लेकिन मुझे ऐसा अहसास होता है। मैं आगे अपनी बात में इस बात को साबित भी करना चाहूंगा। इस सदन की मान्यता को बरकरार रखना सिर्फ सत्ता पक्ष का ही दायित्व नहीं है बल्कि विपक्ष का भी दायित्व है। मैं तो कहूंगा कि इस सदन के अंदर जितने भी चुने हुए नुमाइंदे आए हैं उनका भी दायित्व बनता है। मैं इसका जिक्र इसलिए भी कर रहा हूं क्योंकि मुझे ऐसा लगता है कि कहीं-न-कहीं बहुत से मुद्दों को लेकर आज ज्यूडिशरी अपनी पावर को ओवर पावर कर रही है। चलिए, उस बात पर चर्चा थोड़ी देर बाद करूंगा।

अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने कल इस सदन में जो अभिभाषण दिया है उसके बारे में मेरा यह कहना है कि यह दस्तावेज कहीं-न-कहीं जल्दी में तैयार किया गया है इसीलिए यह धुंधला है। जहां धुंधला होगा, आप जानते हैं कि धुंधलेपन में एक्सीडैंट होने का खतरा रहता है। मैं नहीं चाहता कि हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री साहब का इतनी जल्दी एक्सीडैंट हो। मैं तो चाहता हूं कि अगर ये 15 साल की कामना कर रहे हैं तो अच्छी बात है लेकिन 15 साल प्रदेश की जनता निर्धारित करेगी। हमारी तो शुभकामनाएं हैं कि ये आगे बढ़ें। लेकिन आगे तब बढ़ा जाएगा जब हम ठोस रूप से हिमाचल प्रदेश की जनता की समस्या का समाधान निकालने में सक्षम होंगे और इसीलिए मैं आज सिर्फ दो मुद्दों पर अपनी बात को केन्द्रित करना चाहूंगा। पहला, मैं महसूस करता हूं कि इस दस्तावेज के अंदर हिमाचल प्रदेश का किसान जो हिमाचल प्रदेश की जनता को जिन्दा रखता है उसका कहीं भी जिक्र नहीं है। हो सकता है कि ऐसा अनजाने में हो गया हो या जल्दबाजी में शायद ऐसा हो गया हो लेकिन इसमें इनका जिक्र

11/01/2018/1520/ms/2

नहीं है यानी जो मेहनत करने वाले हैं उनका जिक्र ही नहीं है। जिस किसान की रीढ़ की हड्डी के ऊपर आज हिमाचल प्रदेश में हम बिजली का दोहन करते हैं यानी जो मजदूर है उसका कहीं जिक्र नहीं है। संभव है कि ऐसा अनजाने में हो गया हो लेकिन मैं चाहता हूं कि आने वाले सत्र में या जब अगले कल माननीय मुख्य मंत्री जी चर्चा का उत्तर देंगे तो इन प्रश्नों को जरूर ऐड्रेस करें। मेरा पहला प्रश्न जो इस अभिभाषण पर है उसको मैं इस बात से शुरू करता हूं कि इस सदन ने वर्ष 2002 में एक कानून बनाया था जिसमें उस समय के इस प्रदेश के मुख्य मंत्री भी थे और संभव है कि आज जो विपक्ष में बैठे हैं वे भी होंगे, उन्होंने एक कानून बनाया था और वह कानून सर्वसम्मति से पारित किया गया था। सभी इस मान्य सदन के 68 सदस्यों ने सर्वसम्मति से जो हमारा लैंड रेवेन्यु ऐक्ट है उसकी धारा को संशोधित किया और उसमें धारा 163 (ए) को शामिल किया था तथा जिसके आधार पर उस समय 15 अगस्त से पहले-पहले 167339 किसानों को भूमि के नियमितिकरण करने के लिए आमंत्रित किया गया। आज मैं समझता हूं कि इस सदन की जो गरिमा है उसको चोट पहुंची है जब उस धारा 163 (ए) को बगैर निकाले हुए आज किसानों को बेदखल किया जा रहा है। यहां पर किसी ने जिक्र किया कि बरागटा जी ने ऐसा कहा। प्रश्न बरागटा जी का नहीं है। यह प्रश्न उस पक्ष या इस पक्ष का भी नहीं है बल्कि प्रश्न यह है कि आज जो सबसे गरीब किसान हमारे हिमाचल प्रदेश में रह रहा है उसकी बेदखली की जा रही है।

जारी श्री जे0के0 द्वारा-----

11.01.2018/1525/जेके/एचके/1

श्री राकेश सिंघाः-------**जारी**------

पिछले दिनों पांवटा साहिब का एक किसान रोते-रोते इस धरती को छोड़ गया। उस साथी का नाम कुन्दन सिंह है। किस बात के लिए उसको पीड़ित किया गया? मैं आज

भी कहता हूं कि आप इन्वैस्टिगेशन कीजिए उसकी तफ़तीश होनी चाहिए और इस सदन के सामने सच्चाई रखनी चाहिए। मैं समझता हूं कि उसके पास दो बीघा भूमि भी नहीं थी। वह अपने बिस्तरे पर बीमार पड़ा था। जबरदस्ती उसको वहां से निकाल कर बाहर फेंक दिया गया और उसके आशियाने को तोड़ा गया और शाम को वह दम तोड़ गया। इसमें हम सभी की जिम्मेदारी है कि अगर हम बेहतर हिमाचल प्रदेश बनाना चाहते हैं तो हमें जो इस हिमाचल प्रदेश का गरीब आदमी है उसको आशियाना बनाने के लिए जमीन देनी चाहिए। मैंने माननीय मंत्री महोदय का बयान पढ़ा कि हिमाचल प्रदेश में चार बिस्वा तक भूमि दी जाएगी। मुझे बताएं कि आज से पहले हमने कितनी भूमि दे दी है। हम बयान देते रहते हैं। हमारे पास अलॉटेबल पूल की कितनी भूमि है? हमारे पास भूमि नहीं है। हम लोगों को सिर्फ भ्रमित करना चाहते हैं। मैं समझता हूं कि जब हम इस सदन में आ गए हैं तो हमें किसी को भ्रमित नहीं करना चाहिए। हमें ऐसा लैजिस्लेशन बनाना है और इस हाऊस का ऐसा स्ट्रेंथन करना है जिसके जरिए हम गरीब को एक आशियाना तो दे सकें। यही नहीं मैं इसको सदन के पटल पर रखने के लिए भी तैयार हूं। मैं इस हाऊस को गुमराह नहीं करना चाहता हूं। यह 28 दिसम्बर का डी0एफ0ओ0 का ऑर्डर है। उसके पास कितनी भूमि है- श्री आत्मा राम, पुत्र श्री रूलिया राम, गांव व पोस्ट ऑफिस पोलर और उसके पास कितनी भूमि एन्क्रोच्ड है, केवल 0.4 बिस्वा है। इतनी भूमि भी आप किसान के पास नहीं रखना चाहते हैं। उसने सिर्फ आशियाना बनाया है। यह नोटिस भी उसके पिता जी को गया है जोकि अब इस धरती पर नहीं है। एक आत्मा राम इस हिमाचल प्रदेश में नहीं है,

11.01.2018/1525/जेके/एचके/2

मैं अपने तुजुर्बे से जानता हूं कि अनगिनत आत्मा राम इस हिमाचल प्रदेश में हैं। यहां पर बहुत से सदस्यों ने कहा कि इस सरकार ने पहले दिन से काम करना शुरू किया है। अगर काम शुरू किया तो इस प्रकार के केस क्यों आ रहे हैं? मैं जानना चाहता हूं कि

उसको इस तरीके से क्यों प्रताड़ित किया जा रहा है? इस मामले में माननीय मुख्य मंत्री जी को डायरैक्शन देनी चाहिए कि इसको बन्द किया जाए। जब हमने हिमाचल प्रदेश विधान सभा में कानून बनाया है और कहा है कि जमीन की रैगुलराइजेशन होगी तो ऐसा नहीं होना चाहिए। ऐसा मेरा मानना है बाकी तो सरकार का सोचना और समझना है।

अध्यक्ष महोदय, आप मुझे थोड़ा समय दें। मैं दूसरे मुद्दे पर भी चर्चा करना चाहता हूं। यह जो गुड़िया का प्रश्न है, इसमें मैं किसी को दोषी नहीं ठहराना चाहता हूं कि यह प्रकरण इस पक्ष का है या दूसरे पक्ष का है। यह गुड़िया का प्रश्न इसलिए उठाना चाहता हूं क्योंकि मैं ऐसा महसूस करता हूं कि इसमें कहीं न कहीं पुलिस की भूल ही नहीं हुई है बल्कि उसमें जानबूझ कर असली दोषियों को छिपाने का या उनको बचाने का कार्य किया है। मेरे पास कुछ तथ्य हैं जिन्हें मैं इस हाऊस के सामने रखना चाहता हूं। गुड़िया तो चली गई लेकिन न जाने कितनी और गुड़िया होंगी या इस तरह से कितनी गुड़ियाओं का रेप पहले हुआ होगा। यह हमारा दायित्व बनता है कि हमारे समाज का जो सबसे पीड़ित हिस्सा है, जो महिला है, विधवा है, गरीब है और जो हमारे स्कूल जाने वाले बच्चे हैं, उनको हम सुरक्षा दें। इसमें जो बहुत ही सीरियस प्रश्न है और मैं हमेशा इस पक्ष में अड़ा रहा हूं कि जो हिमाचल प्रदेश के डी0जी0पी0 हैं उनका sack होना बहुत लाजमी था। उनका क्यों sack होना चाहिए था क्योंकि हिमाचल प्रदेश में कानून-व्यवस्था को ठीक करना उनकी जिम्मेदारी है। लेकिन आप डी0जी0पी0 साहब का 13 जुलाई का बयान देखिए । वे करीब तीन व चार बजे के बीच में

एस0एस0 द्वारा जारी-----

11.01.2018/1530/SS-YK/1

श्री राकेश सिंघा क्रमागतः

प्रैस के आगे बयान देते हैं कि जो असली गुनाहगार हैं वे पकड़े गए हैं। हमारे पास सबूत हैं। एविडैंस है, फौरेंसिक एविडैंस है। Circumstantial evidence है। न जाने किस-किस

बारे कहा और पुलिस के रिकॉर्ड के मुताबिक, मैंने उसे चैक किया है, उस समय तक कोई भी अरैस्ट नहीं हुआ था। अरैस्टस कब हो रही हैं? रात के साढ़े 11:00 बजे अरैस्टस हो रही हैं। मुझे बताएं कि जब पुलिस का उच्चाधिकारी इस तरीके का कार्य करेगा तो कौन सुरक्षित रह सकता है। प्रश्न विपक्ष और पक्ष का नहीं है। प्रश्न यह है कि हिमाचल प्रदेश के अंदर सिक्योरिटी देने का काम हमारा भी दायित्व बनता है। हर नागरिक का बनता है। पुलिस का ज्यादा बनता है। इसलिए इसकी पूरी छानबीन होनी चाहिए। अगर यह हकीकत है तो उनको दोषी ठहराना चाहिए। उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। अगर मैं इस सदन में कुछ गलत कह रहा हूं तो मेरे खिलाफ मानहानि का मुकद्दमा चलना चाहिए। ऐसा मेरा मानना है।

अध्यक्ष महोदय, मैं दो मिनट में अपनी बात को समाप्त करूंगा। यह अच्छी बात है, सरकार ने कहा है कि पैंशन की बढ़ोत्तरी की है। उसकी उम्र को घटाया है, 80 से 70 साल किया है। परन्तु सरकार बताए कि आज अनगिनत केस हैं जहां नौ-नौ महीने हो गए हैं लेकिन अभी तक पैंशन नहीं पहुंची है जो पहले दी जाती थी। कुछ गलतियां पिछली सरकार की हो सकती हैं। लेकिन आपने तो पहले दिन से ही कार्य शुरू कर दिया था तो फिर वह पैंशन क्यों नहीं मिल रही है। सबसे पीड़ित को हम पैंशन नहीं दे रहे हैं। हमारा जो जलरक्षक है उसको नौ महीने से तनख्वाह नहीं मिली तो हम कर क्या रहे हैं? अगर हम यही नहीं कर सके, मजदूर का वेतन नहीं दे सके, जो पीड़ित है उसको पैंशन प्रोवाईड नहीं कर सके तो हम जो एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करते रहते हैं मैं समझता हूं कि उससे कुछ नहीं निकलेगा। मिल कर हम कोशिश करें कि जो हिमाचल प्रदेश का पीड़ित है उसको न्याय मिले, ऐसी मेरी मंशा है। ज्यादा मैं कहना नहीं चाहता हूं, मैं आपका बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूं कि आपने मुझे मौका दिया। अंत में मैं एक बात ज़रूर कहना चाहूंगा कि अगर चुनाव का कोई सबक हमने सीखना है तो एक ही सबक है कि यह जो चीफ मिनिस्टर साहब की कुर्सी है यह पता नहीं कि करंट

11.01.2018/1530/SS-YK/2

देती है या क्या है लेकिन जिस-जिस ने भी उस कुर्सी पर बैठने की आशा की हिमाचल की जनता ने उनको नकार दिया। मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता हूं मेरे लिए सारे

माननीय और सम्माननीय हैं जो ऐसी इच्छा कर रहे थे। इसलिए ज्यादा इच्छाएं कोई न रखे। अपना-अपना जो हमारा दायित्व है उसको निभाते रहें, ऐसी मेरी इच्छा है। आपसे भी है और इनसे भी है। इतनी बात कह कर मैं आपका शुक्रगुजार हूं कि आपने मुझे बोलने की अनुमति दी। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत शुक्रिया।

11.01.2018/1530/SS-YK/3

अध्यक्षः माननीय सदस्य, श्री बलबीर सिंह जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री बलबीर सिंहः माननीय अध्यक्ष महोदय, पिछले कल महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा इस माननीय सदन में जो अभिभाषण दिया गया, उस पर आज जो चर्चा चल रही है मैं भी उसमें भाग लेने और उनका आभार प्रकट करने के लिए खड़ा हुआ हूं। आपने मुझे वक्त दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय, मुझे वर्तमान सरकार, प्रदेश के सम्माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी और उनके मंत्रिमंडल पर पूर्ण भरोसा है कि उनकी मेहनत और सरलता इस प्रदेश को ज़रूर एक दिन ऊंचाइयों पर पहुंचायेगी। अध्यक्ष महोदय, यहां पर चर्चा हुई कि इस सदन में परम्पराएं स्थापित कैसी होती हैं, इस सदन में आज की चर्चा से ट्रैंड कैसा शुरू होगा तो मैं सभी माननीय सदस्यों से निवेदन करना चाहता हूं कि इस सदन में तो बात रखते हैं कि परम्परा यहां स्थापित हो, लोकतंत्र की बात यहां रखी जाए, लोकतंत्र के बारे में यहां सब कुछ सोचा जाए परन्तु जो लोग ऐसा बोलते हैं वे बाहर जा करके लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते हैं। अध्यक्ष महोदय, ऐसा मैंने खुद देखा है।

जारी श्रीमती के0एस0

11.01.2018/1535/केएस/डीसी/1

श्री बलबीर सिंह जारी----

यहां कहा गया, मैं नेता कांग्रेस दल को धन्यवाद देता हूं क्योंकि ये मेरे ऊना जिला के

भाई है और मुझे खुशी है इनके नेता बनने पर। इन्होंने एक बातकही कि जो मुख्य मंत्री प्रोजैक्टिड था, वह कोई और था और जो बना वह कोई और है। मैं इनसे निवेदन करना चाहूंगा कि यह आपके दल की भी रिवायत है। आपका दल नेता, विपक्ष किसी और को बनाता है और सदन में किसी और को बनाता है। आप 2022 का हसीन सपना इतनी जल्दी मत लीजिए। मेरी पार्टी में सभी लोग बहुत मेहनतकश है आपकी पार्टी में भी बहुत सारे लोग मेहनतकश होंगे परन्तु वर्ष 2022 की बात अभी से आप सोच रहे हैं और उसका हसीन सपना ले रहे हैं, यह मैं समझ रहा हूं।

अध्यक्ष महोदय, हम सभी का दायित्व बनता है कि जब हम सत्ता में हो या हम जब चुनाव जीतकर इस सदन में आएं तो हम जनहित में कार्य करें। जनता को जरूरत क्या है? दो प्राथमिकताएं हमारी अति आवश्यक हैं। प्राइमरी ऐजुकेशन और हैल्थ । कई आंकड़े यहां पर प्रस्तुत किए गए कि पिछली सरकार ने यह किया, वह किया। बहुत विकास किया। बहुत कुछ कहा गया है परन्तु मैं कहना चाहता हूं अध्यक्ष महोदय, आप वर्ष 2007 से वर्ष 2012 तक इस प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री रहे । उस समय आपको याद होगा आप चिन्तपुरनी विधान सभा क्षेत्र में 15 अगस्त मनाने के लिए अम्ब पहुंचे थे और यह भी उस वक्त भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया था कि हर जिला में हर विधान सभा क्षेत्र में 26 जनवरी और 15 अगस्त अलग-अलग मनाया जाए। वह फिर बन्द कर दिया। आपने ढाई करोड़ रु0 दे कर अम्ब अस्पताल को क्षेत्रीय अस्पताल बनाने के लिए पैसा दिया था। अस्पताल बन गया, उसके बाद कांग्रेस सरकार आ गई और नई सरकार के मुख्य मंत्री ने उस बिल्डिंग का उद्घाटन कर दिया। हमें खुशी है कि उसका उद्घाटन हो गया लेकिन डॉक्टर की एक भी नई पोस्ट क्रिएट नहीं की गई। किसी पैरा मैडिकल स्टाफ की पोस्ट क्रिएट नहीं की गई और किसी चपड़ासी की पोस्ट क्रिएट नहीं की गई और उस अस्पताल में आज भी आप जांच करवा लें सैंकड़ों मरीज गांव से आते हैं , गरीब लोग आते हैं लेकिन वहां

11.01.2018/1535/केएस/डीसी/2

पर उन्हें वह सुविधा नहीं मिल पाती है। ढाई करोड़ की बिल्डिंग थी और तत्कालीन मुख्य मंत्री राजा वीरभद्र सिंह जी ने उस बिल्डिंग का उद्घाटन किया । दुर्भाग्य कि तीन महीने के बाद वहां का इनका विधायक उसी बिल्डिंग का दोबारा उद्घाटन कर देता है । क्या जनता ने इन्हें उद्घाटन करने के लिए ही चुना था? हम लोगों को क्या सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं क्या इस पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है?

अध्यक्ष महोदय, प्राइमरी एजुकेशन को स्ट्रेंथन करने की जरूरत है। कांग्रेस सरकार ने प्राइमरी एजुकेशन को स्ट्रेंथन तो नहीं किया, संस्थाएं जरूर खोली हैं। जहां जरूरत है, उसके लिए हम धन्यवाद करते हैं परन्तु जहां जरूरत ही नहीं है उसके लिए क्यों धन्यवाद करेंगें? जहां कोई स्टाफ ही नहीं, जहां पर कोई पोस्ट ही क्रिएट नहीं की गई, वहां धन्यवाद क्यों करेंगें? अध्यक्ष महोदय, इस पार्टी की सरकार ने इस प्रदेश के पढ़े लिखे नौजवानों का भविष्य खराब किया है। पिछली बार भी जब कांग्रेस सरकार थी तो इन्होंने पी0टी0ए0 के माध्यम से इस प्रदेश के पढ़े-लिखे नौजवानों के साथ धोखा किया, अन्याय किया। इस बार भी पढ़े-लिखे नौजवानों के साथ धोखा किया, स्कूल मैनेजमैंट कमेटी के माध्यम से टीचर्ज़ रखे गए। जो व्यक्ति क्लास-iv का भी एग्ज़ाम पास नहीं कर सकता था , क्लास-iv लगने के लिए भी तैयार नहीं था, उसको अध्यापक लगाया गया और ऐसे उदाहरण हैं कि इस प्रदेश के स्कूलों में गरीबों के बच्चों को बर्बाद करने के लिए ऐसे-ऐसे नियम बनाए गए। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि कांग्रेस सरकार ने इस प्रदेश की जनता के लिए जो दो अति आवश्यक सुविधाएं हैं, उनके ऊपर कोई काम नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, श्री हर्ष वर्धन चौहान जी हमारे सीनियर भी हैं

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

11.1.2018/1540/av/एजी/1

श्री बलबीर सिंह क्रमागत---------

और मैं व्यक्तिगत तौर पर भी इनसे प्रेम करता हूं। मुझे सभी से प्रेम और लगाव है तथा मैं सबका सम्मान करता हूं। कहा गया है कि इनके बड़े नेता हार गये। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि आपकी सरकार में मेरे भाई अग्निहोत्री और राजा साहब के अलावा पूरा-का-पूरा कैबिनेट हार गया, आप किसकी बात कर रहे हैं? (---व्यवधान---) चलो तीन आ गये मगर 9 तो हार गये। इस पर चर्चा करने की जरुरत नहीं है। चर्चा पोज़िटिव होनी चाहिए, अच्छी चर्चा होनी चाहिए। आप (श्री हर्ष वर्धन चौहान को कहा।) इतने अनुभवी है तो अच्छी बात बताओ, हम भी उसका अनुसरण करें। यहां पर कहा गया कि रोजगार देने के लिए इम्प्लॉयमैंट ऐक्सचेंज में 12.50 लाख बेरोजगार नौजवानों की लाइन खड़ी है। इस बात को ऐसे तरीके से कहा गया जैसे कि खुद देते रहे हैं। 70 साल की आज़ादी में 55 साल इसी दल ने राज किया, क्या इतना रोजगार दिया गया था? आज हिमाचल प्रदेश की सरकार में लगभग 2.10 लाख कर्मचारी है। अगर उन सभी को निकाल दिया जाए तब भी हम 12.50 लाख लोगों को रोजगार नहीं दे सकते। हमारे पास क्या साधन होने चाहिए? हमारे पास सबसे बड़ा क्षेत्र कृषि और उद्यान है। पिछले पांच वर्ष रही सरकार ने कृषि के क्षेत्र में कुछ नहीं किया। गरीब किसान के खेतों में पानी पहुंचाने की हिम्मत ही नहीं जुटाई गई। हमारी पार्टी की सरकार के समय में चिन्तपुरनी विधान सभा क्षेत्र के लिए बजट में 5.43 करोड़ रुपये का प्रावधान था। वहां पर वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर लगाने थे मगर पिछले पांच वर्षों के कार्यकाल में एक भी तैयार नहीं हो पाया। हमने डुमखर में वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, सोहारी-टकोली में वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर लगाया था परन्तु पांच वर्षों में वहां पर पानी नहीं रोका गया। इस बारे में जब विधायक से पूछा गया तो कहा गया कि यह तो भारतीय जनता पार्टी की देन है और उनको सेहरा बंधेगा। आप किस विकास की चर्चा करते हैं? मैं आपसे सवाल करता हूं। मेरे चिन्तपुरनी विधान सभा क्षेत्र में काफी हिस्सा समतल भी है और पहाड़ी भी है। समतल हिस्से में लगभग 95

11.1.2018/1540/av/एजी/2

प्रतिशत लोग कृषि पर आधारित है। उनका रोजगार और पेट पालने का साधन केवलमात्र कृषि है। इस बारे में क्यों नहीं सोचा गया? अगर वहां पर मेगा फूड पार्क की चर्चा की जाती; मैंने इस बारे में जब अखबारों में बात रखी तो भाई अग्निहोत्री जी वहां क्रिमिका बिस्कुट लेकर आए। वह आप ही लेकर नहीं आए बल्कि उस पर हम सभी ने काम किया। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और अध्यक्ष महोदय से अनुरोध करूंगा कि वह मेरे क्षेत्र में भी हो। उससे 25-30 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। पंजाब में होशियारपुर और फगवाड़ा में यह बना है और मैंने वहां पर खुद जाकर देखा है। वहां पर बहुत सारे लोगों को निजी तौर पर रोजगार मिला है। मेरे चुनाव क्षेत्र में वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर लगाकर लोगों के खेतों में पानी पहुंचाने की जरुरत है। यहां पर नोटबंदी के बारे में चर्चा की गई। नोटबंदी के लिए मोदी सरकार को कोसा जाता है। यह सपना केवलमात्र इस देश के प्रधान मंत्री मोदी जी का ही नहीं है बल्कि यह सपना उस महानुभाव का था जिसने इस देश का संविधान बनाया और जिस संविधान के माध्यम से हम इस माननीय सदन में बैठ करके गरीबों की बात रखते हैं। यह उस महान व्यक्ति की सोच थी। उन्होंने एक थीसिस लिखी थी "The problem of rupee" उस थीसिस में उन्होंने लिखा है कि अगर भ्रष्टाचार को खत्म करना है तो हर दस साल के बाद आपको कंरसी का रंग-रूप बदलना होगा। इस देश में 55-60 साल तक राज करने वाली पार्टी इसको बदलने की हिम्मत नहीं जुटा पाई क्योंकि उनको दल से प्यार था, देश से प्यार नहीं था। मैं भारत रत्न डॉ0 भीमराव अम्बेदकर की भावनाओं की कद्र करता हूं। उन्होंने ही यह सोच रखी थी कि देश से अगर भ्रष्टाचार खत्म करना होगा तो नोटबंदी करके होगा। उसी बात को इस देश के प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लागू किया है। मैं उसके लिए उनका धन्यवाद करता हूं। इससे गरीबों को लाभ पहुंचा है और यदि कोई अमीर रगड़ा गया होगा तो उससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।

श्री वर्मा द्वारा जारी

11-01-2018/1545/टीसीवी/डीसी/1

श्री बलबीर सिंह..... जारी

मैं हाथ जोड़कर आपसे भी निवेदन करना चाहूंगा। हम सब इस सदन में बैठे हैं तो इसमें डॉ0 भीम राव अम्बेदकर का भी बहुत बड़ा योगदान है। मैंने कई अन्य विधान सभाओं में भी देखा है, उन विधान सभाओं में डॉ0 भीम राव अम्बेदकर का चित्र लगा हुआ है, फिर हिमाचल प्रदेश विधान सभा में यह चित्र क्यों नहीं लगा है? मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप कुछ ऐसा करें कि उनका चित्र भी इस मान्य सदन में लग जाये, बेशक गांधी जी या डॉ0 परमार जी के चित्र के नीचे ही लग जाये। जिससे लगे कि उन्होंने भी इस देश के लिए, इस संविधान के लिए, इस देश के गरीबों के लिए कुछ किया है। मैं इतनी बात रखना चाहता हूं। मैं महामहिम राज्यपाल महोदय का आभार प्रकट करता हूं, उन्होंने दिशा दिखाई है। हमें बने हुए अभी ज्यादा दिन नहीं हुए हैं। इसमें ज्यादा बात क्या करें, बज़ट सेशन में इस पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

11-01-2018/1545/टीसीवी/डीसी/2

अध्यक्षः श्री राजेन्द्र राणा जी।

श्री राजेन्द्र राणाः माननीय अध्यक्ष जी, मैं महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे समय दिया। मैं सबसे पहले नई सरकार बनने पर सभी को बधाई देता हूं। मैं आपको भी अध्यक्ष बनने की बधाई देता हूं। श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में नई सरकार बनी है। इनके मंत्रिमण्डल के सभी सदस्यों को मैं बधाई देना चाहता हूं और जितने भी माननीय सदस्य यहां चुनकर आये हैं, उनको भी मैं बधाई देना चाहता हूं। आज मेरे से पूर्व कई साथियों ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लिया है। इस अभिभाषण में जहां सरकार ने आने वाले समय के लिए अपना रोडमैप दिखाया है, वह जल्दबाज़ी में तैयार किया गया है। मैं यह कहना चाहता हूं कि अभी सरकार का गठन हुए बहुत थोड़ा

समय हुआ है और आने वाले समय में सरकार बेहतर काम करेगी। मैं इनको शुभकामनाएं देना चाहता हूं। इस अभिभाषण में सरकार ने जहां शिक्षा और रोज़गार की बहुत सारी चर्चाएं की है लेकिन किसानों के बारे में कहीं कोई चर्चा नहीं हुई है। क्योंकि हमारा जो किसान है वह आवारा पशुओं और बंदरों से बहुत तंग है। उसका जिक्र सरकार को इसमें करना चाहिए था कि आने वाले समय के लिए उनका क्या विज़न है । सरकार ने पैंशन की आयु सीमा 70 वर्ष कर दी है लेकिन मैं यह ज़रूर कहना चाहता हूं कि यह जो पैंशन थी, यह पूर्व मुख्य मंत्री राजा वीरभद्र सिंह के समय में शुरू हुई थी और इसकी आयु सीमा 80 वर्ष रखी गई थी। इसको वर्तमान सरकार द्वारा 70 वर्ष किया गया है जो अच्छी शुरूआत है। जहां तक सरकार का प्रश्न है, नई सरकार बनी है। केन्द्र में भी आपकी सरकार है और केन्द्र में आपकी सरकार होने के नाते, यहां बार-बार ये चर्चा का विषय आ रहा है कि खज़ाना खाली है और बार-बार खज़ाना खाली होने का रोना रोया जा रहा है। मुझे लगता है कि इससे बेहतर है कि जब केन्द्र में आपकी सरकार है तो आप वहां से भी आर्थिक/इंडस्ट्रीयल पैकेज़ और बहुत सारी योजनाएं ला सकते हैं। हिमाचल प्रदेश में पिछले साढ़े तीन साल से राजा वीरभद्र सिंह जी के नेतृत्व में सरकार थी इसलिए हिमाचल प्रदेश को केन्द्र सरकार से जो कुछ मिलना चाहिए था, शायद उसमें कोई कमी रही है। अब आपकी सरकार है। आप पैकेज़

11-01-2018/1545/टीसीवी/डीसी/3

वहां से लेकर आईये और प्रदेश को आगे लेकर जाईये। परन्तु जहां तक इस सदन का प्रश्न है और जब से यह चर्चा शुरू हुई है, हम सब लोग जितने भी माननीय सदस्य हैं और जनता ने चुनकर हम लोगों को भेजा है, यदि हम एक दूसरे के ऊपर टिप्पणियां करते रहेंगे, एक दूसरे को गालियां निकालते रहेंगे और आलोचनाएं करते रहेंगे तो इससे प्रदेश की जनता खुश होने वाली नहीं है।

एन0एस0 ... द्वारा जारी।

11.01.2018/1550/NS/DC/1

श्री राजेन्द्र राणा.....जारी।

प्रदेश को कैसे आगे ले जाना है हमें इस बात की चर्चा करनी चाहिए, इस पर विचार करना चाहिए और नई योजनाएं बनानी चाहिए ताकि सरकार अच्छा काम करे। हमारे सभी साथियों ने इस बात का भरोसा दिलाया है कि अगर सरकार अच्छा काम करेगी तो हम सब सरकार का सहयोग करेंगे और समर्थन करेंगे। अगर सरकार प्रदेश के हित में काम नहीं करेगी, जन-विरोधी फैसले लेगी तो विपक्ष की यह भूमिका और दायित्व बनता है कि वे इसका विरोध करें और हम इसका डट करके विरोध करेंगे। अध्यक्ष महोदय, चर्चा उधर से भी हो रही है और इधर से भी हो रही है। यह सोचना गलत है कि "तुम पर नज़र नहीं, हम मशरूफ जरूर हैं मगर बेखबर नहीं।" अध्यक्ष महोदय, मैं यह जरूर कहना चाहता हूं कि यहां पर एक दृष्टिपत्र का भी ज़िक्र आया है। मैं उम्मीद करता हूं कि सरकार ने जो दृष्टिपत्र बनाया है और जिसकी चर्चा अक्सर घोषणा-पत्र के नाम से होती थी, उसको सरकार लागू करेगी। परन्तु कहीं ऐसा न हो कि साढ़े तीन वर्ष पहले जो पार्लियामैंट के चुनाव हुए और उस चुनाव में देश की ज़नता के साथ जो वायदे हुए थे, वे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि केंद्र सरकार ने हमारे साथ जो वायदे किए हैं वे कब तक पूरे होंगे? हम उम्मीद करते हैं और शुभकामनाएं देते हैं कि सरकार ने जो प्रदेश की ज़नता के साथ वायदे किए हैं वे पूरे होंगे। अभी तो सरकार की शुरूआत है।

दूसरा, मैं प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री और तमाम मंत्रिमण्डल को यह जरूर कहना चाहता हूं कि सरकार सुजानपुर क्षेत्र का विशेष ध्यान रखे। क्योंकि सुजानपुर की ज़नता ने सरकार बनाने और नहीं बनाने में बहुत सारी भूमिका निभाई है। इस बात को इधर(विपक्ष) और उधर (सत्ता पक्ष) वाले भी समझते हैं। इसलिए मैं समझता हूं कि

सरकार सुजानपुर की ज़नता का विशेष ध्यान रखेगी। मुझे याद है जब वर्ष 2012 में पहला सैशन शुरू हुआ, सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ और महामहिम

11.01.2018/1550/NS/DC/2

राज्यपाल महोदया का अभिभाषण हुआ वह नज़ारा हम लोगों ने देखा है। पिछले पांच सालों में माननीय सदस्य वैल में भी आए, धरने प्रदर्शन और नारे भी हुए तथा पांच साल तक यह सिलसिला चलता रहा है। मैं समझता हूं कि हिमाचल प्रदेश की ज़नता यह चाहती है कि जिस व्यक्ति के ऊपर हमने विश्वास किया है और उसे चुन करके भेजा है वह हमारी बात वहां रखे तथा हमारे क्षेत्र की समस्याओं को उठाए। विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए नारे और वॉक आउट वाला सिस्टम भी जरूरी है। परन्तु ये चीजें जरूरत से ज्यादा होती रही हैं और हम लोग कोशिश करेंगे कि ऐसी चीजें न हों।

अध्यक्ष महोदय, अब एक नयी प्रथा शुरू हुई है। मुझे लगता है कि नयी प्रथा में एक मैत्रीपूर्ण जो वातावरण यहां बनने जा रहा है और आने वाले समय में हम सभी इसको आगे बढ़ाए तथा मिल करके इस प्रदेश को आगे ले जाने की कोशिश करें। यहां पर मेरे से पूर्व बहुत सारे साथियों ने चर्चा की है। उन्होंने हैल्थ के बारे में भी कहा है। मुझे लगता है कि पिछली सरकार में राजा वीरभद्र जी के नेतृत्व में बहुत सारे काम हुए हैं। अभी यहां पर चर्चा हो रही थी कि बहुत सारे इंस्टीच्यूशन खोल दिए गए हैं। अब सरकार आपकी है, आप चाहें तो बन्द कर दीजिए। आपको लगता है कि ये इंस्टीच्यूशन्ज़ गलत खुले हैं तो आप बंद कर दीजिए। अध्यक्ष महोदय, जहां पर नये कॉलेज खुलने की बात है तो राजा साहब ने जहां भी नया कॉलेज खोला है वहां पर पांच-पांच करोड़ रुपये की राशि बिल्डिंग/इन्फ्रास्ट्रैक्चर के लिए साथ में ही स्वीकृत की है। नये एस0डी0एम0 के ऑफिसिज़ खोले हैं, नई तहसीलें खोली हैं, स्वास्थ्य केंद्र खोले हैं अगर आपको लगता है कि ज्यादा हो गए हैं तो आपकी सरकार है और आप फैसले ले सकते हैं। आपने तय करना है कि कौन-सा इंस्टीच्यूशन चलाना है और कौन-सा नहीं चलाना है? अध्यक्ष

महोदय, यहां पर जो चर्चा हो रही है कि 15 साल की सरकार आ गई और अब 30 साल की सरकार होगी। देखिए, सोचने में कोई गुनाह नहीं है और बोलने में भी कोई फर्क नहीं पड़ता है। परन्तु मैं प्रैक्टिकल बात यह कह रहा हूं कि हम जितने भी माननीय सदस्य यहां बैठे हैं,

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

11.01.2018/1555/RKS/DC/1

श्री राजेन्द्र राणा.... जारी

कौन अगली बार जीत कर आएगा और कौन नहीं, यह तो जनता की अदालत है और जनता की अदालत तय करती है कि उन्होंने किस को रिजैक्ट करना है और किसे सिलैक्ट करना है। इसलिए यह कहना उचित नहीं है कि यह सरकार 15 साल तक रहेगी या 20 साल तक रहेगी। हिमाचल प्रदेश की जनता बहुत इंटैलिजैंट है। यह ठीक है कि हमें विपक्ष में बैठने का फतवा मिला है और हम विपक्ष की भूमिका निभाएंगे। परन्तु पांच साल बहुत लंबा अरसा होता है और जनता बहुत बारिकी से देखती है। हम आपको शुभकामनाएं देते हैं कि आप अच्छा-अच्छा काम करें। प्रदेश की जनता के साथ जो आपने वायदे किए हैं उन्हें आप पूरा करेंगे, मैं ऐसी उम्मीद रखता हूं। पूर्व में बदले की भावना से काम करने का सिलसिला चलता आया। सन् 1998 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी। राजा वीरभद्र सिंह जी के ऊपर केस बनाया गया। सन् 2007 में फिर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी और फिर से राजा वीरभद्र सिंह जी के ऊपर केस बनाया गया। ऐसा वातारण चल रहा था। अब मुझे लगता है कि नये मुख्य मंत्री बने हैं, वे नौजवान हैं और नई सोच लेकर आए हैं। प्रदेश की जनता को सरकार से बहुत सारी उम्मीदें हैं। जनता का सीधा-सा फार्मूला है कि जब किसी को बहुत ज्यादा जनमत दिया जाता है तो उम्मीदें भी बहुत ज्यादा होती है। सत्ता पक्ष के 44 विधायक जीत कर आए हैं। हिमाचल प्रदेश की जनता का स्पष्ट संदेश है कि उन्हें सरकार से बहुत सारी

उम्मीदें हैं और उन उम्मीदों पर कैसे खरा उतरना है, यह आपको देखना है। हम आपको ढेर सारी शुभकामनाएं देते हैं। बार-बार भाषणों में चर्चा आती है, अखबारों में पढ़ते हैं कि प्रदेश और देश को कांग्रेस मुक्त बनाना है। मैं आपको सलाह देना चाहता हूं कि कांग्रेस को मुक्त करने की बजाय अगर देश को मुक्ति दिलानी है तो गरीबी से दिलाओ, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से दिलाओ। अगर इस पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार काम करेगी तो मुझे लगता है कि देश की जनता भी इसको पसंद करेगी। आखिर में मैं दो लाइनें जरूर कहना चाहूंगाः-

11.01.2018/1555/RKS/DC/2

ख्वाईशों से नहीं गिरते फूल झोली में, ख्वाईशों से नहीं गिरते फूल झोली में।कर्म की शाखा को हिलाना होगा, कुछ नहीं होगा कोसने से विपक्ष को अपने हिस्से का दीया खुद ही जलाना होगा॥

धन्यवाद।

11.01.2018/1555/RKS/DC/3

अध्यक्षः अब माननीय सदस्य श्री जीत राम कटवाल जी चर्चा में भाग लेंगे। श्री जीत राम कटवाल जी नये सदस्य हैं और पहली बार सदन में बोल रहे हैं। अतः सभी माननीय सदस्य इनका एक बार स्वागत करें।

(सभी माननीय सदस्यों ने ताली बजाकर श्री जीत राम कटवाल जी का स्वागत किया)

श्री जीत राम कटवालः माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। स्पष्टतः मैं इस अभिभाषण के समर्थन में अपने विचार सदन के समक्ष रखूंगा। सबसे पहले मैं माननीय अध्यक्ष के नाते आपको बधाई देता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, श्री हंस राज जी को भी बधाई देता हूं। माननीय मुख्य मंत्री महोदय, एवं उनके मंत्रिमंडल के पूरे

सदस्यगण को बधाई देता हूं। इसके अलावा कांग्रेस विधायक दल के रूप में श्रीमान् मुकेश अग्निहोत्री जी को भी बधाई देता हूं। मेरे सहयोगी सभी सदस्यगण जिसमें 23 सदस्य नये चुनकर आये हैं उनको भी मैं इस सदन में आने के लिए बधाई देता हूं। मेरे पूर्व में भी माननीय सदस्यों ने इस अभिभाषण के पक्ष/विपक्ष में अपने विचार रखे।

श्री0 बी0 एस0 द्वारा जारी...

11.01.2018/1600/बीएस/डीसी/-1

श्री जीत राम कटवाल द्वारा जारी.....

मैं भी 3-4 घंटे के अनुभव के बाद इस अभिभाषण के पक्ष में और ज्यादातर मेरा जो पक्ष रहेगा इसी दस्तावेज के ऊपर रहेगा। मैं भी अपने विचार रखूंगा। वर्तमान सरकार को जनता का अपार समर्थन मिला और यह भी स्पष्ट है कि वर्तमान सरकार को जो समर्थन मिला भारतीय जनता पार्टी को वह केन्द्र सरकार की प्रगतिशील नेतृव्त केलिए जनादेश मिला है। विपक्ष के किसी एक सदस्य ने कहा, कि कई बड़े-बड़े व्यक्ति हार गए। यह बात सही है । हार-जीत परिस्थिति जनक होती है। परंतु यह भी स्पष्ट है व सही है कि 68 में से 44 सदस्यों का समर्थन भारतीय जनता पार्टी को है। राष्ट्रवाद की उस विचारधारा को है। जिसको लेकर हम जनता के पास गए थे। इसलिए यह भी कहना मैं उचित नहीं समझता हूं कि बड़े-बड़े व्यक्ति हार जाएं तो हमारी नीतियां और विचारधारा है वह प्रश्नचिह्न में आ जाएं। हार- जीत होती रहती है। इस चुनाव में महिलाओं व युवाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। मैं यह भी जानता हूं कि मेरे चुनाव क्षेत्र में भी 54 हजार वोटों का जो विश्लेषण हुआ तो उसमें महिलाओं ने 5 हजार वोंट ज्यादा दिया। इसलिए जो पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक रहा। मेरा यह भी मानना है कि यह प्रतिशतता बाकी सभी चुनाव क्षेत्रों में ऐसी ही रही होगी, संभवतः रही भी है। इस चुनाव में प्रजातांत्रिक व सही ढंग से संपन्न करवाने के लिए हम

सब लोगों का प्रत्याषियों का जो जीत कर आए हैं और जो जीत कर नहीं आए हैं बराबर का सहयोग रहा है और रचनात्मक और साकारात्मक सोच से आगे बढ़ने का जो संकल्प इस अभिभाषण में कहा गया है या अंकित है। यह प्रदेश को आगे ले जाने के लिए इस संकल्प को समझते हुए हम सब का पक्ष और विपक्ष का उत्तरदायित्व है कि हम सब इसमें सहयोग करें और आम जनमानस की जो चिंता है, हम सब आपने-अपने भाषण या सोच में या कार्यकलाप में दर्शाते हैं। उसमें सार्थकता के साथ काम करें। इसमें सबका साथ सबका विकास हमारे राट्रवाद का लक्ष्य है। इस भावना को यह भाषण भी दर्शाता है और हमारा प्रदेश हित में काम करने का वक्त है । इस भावना को लेकर अगर हम आगे बढ़ेगें तो गरीबों को , महिलाओं को, युवाओं को तथा आम जनमानस को उनकी

11.01.2018/1600/बीएस/डीसी/-2

उम्मीदों के अनुसार हम कुछ न कुछ दे पाने में सक्षम होंगे। ये बात भी सही है कि पैसे की या धन की आवश्यकता होती है और सरकार में कमियां भी बांटी जाती है । अगर सौ रूपये की जरूरत होगी उसमें 50 रूपये उपलब्ध होंगे तो उसमें प्राथमिकताएं निर्धारित की जाती हैं। ये सदन और सरकार उन प्राथमिकताओं को और आम जनमानस के लिए काम करने के लिए काम करेगी। इस अभिभाषण में मुझे ऐसा देखने को मिला है। सरकार ने अपनी प्रथम बैठक में स्वर्णिम हिमाचल दृष्टि पत्र जिसका उदेश्य सबका साथ सबका विकास और जो भी इस दृष्टि पत्र में जो भावनाएं इस प्रदेश को आगे ले जाने में हैं। उसके लिए काम करने के लिए जो संकल्प दोहराया है और इस अभिभाषण में भी उन सब मुद्दों को अभी तक विशेष रूप से इसमें नहीं लिया है।

डीटी द्वारा जारी.....

11.01.2018/1605/DT/DC/1

श्री जीत राम कटवाल.....जारी

परन्तु इतना जरूर है कि बजट के समय इसका सही रूप देखने को मिलेगा। नई सरकार के प्रथम सत्र में जो महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण होता है वह सरकार की उपलब्धि को दर्शाता है। मेरा ऐसा मानना है कि प्रथम वर्ष का अभिभाषण सरकार के दृष्टिपत्र को दर्शाता है। सामाजिक सुरक्षा पैंशन 80 वर्ष से 70 वर्ष कर दी गई है। मेरे क्षेत्र में आवारा पशुओं की समस्या है और मुझ से सभी माननीय सदस्य सहमत होंगे कि गांव में जब हम वोट मांगने के लिए गए तो माताएं, बहनें और गांव के व्यक्तियों ने एक ही बात कही कि आप इन आवारा पशुओं से निज़ात दिलाएं। सरकार की जो संवेदनशीलता है और जनता के प्रति जो एक सोच है इस पर पहले ही दिन निर्णय लिया गया है और यह निर्णय इस दृष्टिपत्र की जो विचारधारा है या इस दृष्टिपत्र की जो सोच है उसको दर्शाती है। मैं सरकार का इस सोच के लिए आभार व्यक्त करता हूं। सबका मिलजुल साथ चलने का संकल्प और प्रदेश के लिए काम करने का जो वक्त है इसमें हम सब लोग मिलजुल करके काम करेंगे, ऐसी मेरी सोच है। पक्ष और विपक्ष के अनुभव तथा हमारे दृष्टिपत्र का जो वायदा है वह बजट सत्र में झलकेगा। युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर सभी सरकारों की प्राथमिकता रही है। इस सरकार के लिए भी यह प्राथमिकता सबसे ऊपर रहेगी। महिलाओं की सुरक्षा के लिए भी कदम उठाए जाना आवश्यक हैं। हम लोगों को अभी तक का जो भी अनुभव अर्जित हुआ है उसके आधार पर सरकार भी काम करेगी। कई इंस्टीच्यूशन्ज़ खोली गई हैं यह एक प्रक्रिया है। परन्तु मैं समझता हूं इससे विस्तार, एक्सपैन्शन और स्ट्रैचिंग होता है। एक कमरे से एक कुर्सी उठा करके दूसरे कमरे में रख दो और उसे दूसरा नाम दे दो। मेरा अनुभव भी इंस्टीच्यूशन्ज़ के बारे में ऐसा ही है। मेरे चुनाव क्षेत्र में डाक्टर्ज़ के 24 पद हैं और मेरे क्षेत्र में एक कोटधार नामक क्षेत्र है जिसमें 14 पंचायते हैं, ये सभी पंचायतें पिछड़ी हुई हैं।

11.01.2018/1605/DT/DC/2

अध्यक्ष महोदय, यह बड़ी सोच की बात है कि वहां पर डाक्टर्ज़ की पोस्टें पिछले

पांच वर्षों में खाली रही हैं। इसके लिए वहां के लोगों को हाई कोर्ट जाना पड़ा और वहां जा करके पता चला कि वहां पर पोस्टें क्रिएट ही नहीं हुई हैं लेकिन हम स्टॉफ को डैप्यूट कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, डैप्यूटेशन के बाद आज फिर वे लोग ट्रांसफर हो करके जा चुके हैं। मेरा मानना है कि सरकार इस ओर भी ध्यान देगी। अभी तो शुरूआत है और हमने सरकार के सामने अपनी समस्यायें रखी हैं और आप सभी माननीय सदस्य भी रख रहे हैं। मैं समझता हूं कि इसके ऊपर कार्रवाई होगी। परन्तु इन सेवाओं का वास्तविक विस्तार होना चाहिए स्ट्रैचिंग नहीं होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने तय किया है कि मंत्रियों का सौ दिन का रिपोर्ट कार्ड होगा। मैं समझता हूं यह एक अच्छी पहल है। माननीय मंत्री महोदय की जो सरलता और सहजता है उसके लिए विपक्ष ने भी उनको शाबाशी दी है। उनके इसी सहज भाव और सरलता के लिए तथा एक युवा मुख्य मंत्री होने के नाते उनकी एक अच्छी ईमेज़ विकसित हो रही है। मैं समझता हूं कि हम सब लोगों के पास एक अच्छा वक्त है और मिल करके सहयोग करें तथा इस प्रदेश के भले के लिए काम करें, आम जन-मानस के लिए काम करें। केंद्र सरकार से विकास के लिए जो बड़ी-बड़ी योजनाएं आती हैं, उसके लिए माननीय ठाकुर महेन्द्र सिंह जी ने कहा कि डी0पी0आर्ज0 बननी हैं और अपने पूरे क्षेत्र के मामले हमने उठाने हैं। मैं समझता हूं यह मामले उठाने चाहिए। कुछ बोलने से पहले अगर उस पर होमवर्क किया हो, डी0पी0आर्ज0 भेजी हों तो हमारी जवाबदेही भी बनती है। हम लोगों से जनता की बहुत अपेक्षाएं होती हैं क्योंकि चुनाव में हमने बड़े-बड़े वायदे किये होते हैं। उनको पूरा करना हमारा कर्तव्य है और

श्री एस0एल0एस0 द्वारा .....जारी

11.01.2018/1610/SLS-YK-1

श्री जीत राम कटवाल ....क्रमागत

उसी सजगता और सहजता के साथ उसके ऊपर काम करना भी हमारी कोशिश होनी चाहिए। इस दस्तावेज में इसी तरह की भावना का समावेश है और इससे एक रिसपांसिबल तथा संवेदनशील सरकार की एक पहचान बनती है। अगर किसी सरकार की कानून-व्यवस्था ठीक न हो तो उस सरकार की एग्जिस्टैंस पर ही प्रश्नचिन्ह लगता है। इसमें हमारी सरकार की पूरी कोशिश रहेगी और सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी पक्षों को, समाज के सभी वर्गों को, महिलाओं को, युवाओं को सुरक्षा और रोज़गार मिले तथा उनके व्यवहार और सोच को अच्छे तरीके से आगे बढ़ने का मौक़ा मिले। ऐसी परिस्थितियां पैदा करने का संकल्प राज्यपाल महोदय के इस अभिभाषण में निहित बिंदुओं में दर्शाया गया है। अगर इन बिंदुओं को हम ध्यान से पढ़ें और इनके ऊपर काम करें तो यह सब पूरा होना अपेक्षित है।

मैं ज्यादा नहीं कहूंगा। माननीय सदन और माननीय अध्यक्ष महोदय ने मुझे वक्त दिया और मैंने अपने कुछ प्वायंट्स, अपने विचार इस डाकुमैंट के आधार पर आप लोगों के समक्ष रखे।

जयहिंद, जय हिमाचल। धन्यवाद।

11.01.2018/1610/SLS-YK-2

अध्यक्षः अब माननीय सदस्य, श्री होशयार सिंह जी चर्चा में भाग लेंगे। आप भी पहली बार इस माननीय सदन के सदस्य बने हैं।

Shri Hoshyar Singh: With your permission Hon'ble Speaker, Sir, I am thankful to you for providing me time to take part in the discussion on His Excellency Address. It is a great honor and privilege to me. Sir, I belief the Address of Governor is an official document of Government policy and works to be carried out in future. Hon'ble Speaker Sir, I appreciate that in

the Address, it is mentioned that every citizen of Himachal Pradesh become prosperous,
educated, secured, healthy and great. To achieve this we have got all the benefits and support provided by the Union Government under the leadership of Hon'ble Prime Minister Shri Narender Modi Ji. I am to take benefits and establishing solar parks on big scale, wind power generation, power generation by using lantana as biomass and Geo-thermal sides to dialogue with foreign assistance . New tourism sides to be developed on Pong Dam and different locations. Day and night safaris to be created in all the districts. The cold storage facilities may be developed in all the districts to benefit the farmers of Himachal Pradesh. I belief this will create a huge revenue for the State. Everybody is talking about roads, water, education and buildings. But I am more concerned about the revenue to be generated in the State. In the State resources by their own resources rather than going for the loans, packages, for bill out packages. I think we should think about the revenue to be generated by our own resources, by our own State. This will surely create revenue and employment in the State. It is right to say that we should be above the privilege and petty politics. As I have seen the case of Dehra Central University pending since last ten years. I hope that this Government will sought this issue at the earliest so that the benefit goes to the people for better and good quality education. For this I think so separate implementation team is to
11.01.2018/1610/SLS-YK-3

be deployed to carry out all the policies. Sir, today the people of Himachal Pradesh are really thankful to Hon'ble Prime Minister, Shri Narender Modi Ji, and Union Government for declaring 63 National Highways in the State. Hon'ble Speaker, Sir, we should also be thankful to the Hon'ble Prime

Minister for sanctioning 1351 crores for establishment of AIMS in Bilsapur. Hon'ble Sir, I appreciate for the launch of 'Hoshiyar Helpline' and 'Gudiya Yojana' which will be help the citizen from the mafia and corruption. Sir, the Government is fully aware of the burning issues and the major problem of the State. I would like to know what are these burning issues? I don't think so, can somebody tell me about the burning issues? The burning issue for me is the issue where four to

five constituencies are affected. The burning issue is one of the issue of Pong Dam oustees since 1960. Thousands of people have been approve it from our own State. They are not been settled and compensated till now, this is one of the biggest burning issue of District Kangra. I hope that this Government will take immediate action to sought out this issue. The Government pays crores of Rupees to count the Siberian Birds but Government has not paid to count the number of the heads which have been destructed in this Dam. I hope the Government will take this burning issue as a top priority. I know this Government has recently taken over, It is too small period to make any comment on performance of the Government. But I hope the Government will definitely take some appropriate and important decisions for the welfare of the people. I also appreciate the Government policies and programmers which are presented through Governor Address in this August House. By saying this words, I conclude my speech. Thanking you, Jai Hind, Jai Himachal.

Continued by RG in Hindi….

11/01/2018/1615/RG/Yk/1

अध्यक्ष : धन्यवाद, दो माननीय सदस्यों की मेडन स्पीच हुई है। इसके बाद अब डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल जी चर्चा में भाग लेंगे।

Dr.(Col) Dhani Ram Shandil : Mr. Speaker, Sir, I must compliment you for taking over this August seat and the new Government, Mr. Jai Ram Thakur ji as our Hon'ble Chief Minister. माननीय अध्यक्ष महोदय, यह 13वीं विधान सभा का पहला सत्र है और शुरूआत भी बहुत अच्छी हुई है, बहुत अच्छे विचार सामने आए हैं। मेरा मानना है कि हम पिछली गल्तियों में सुधार करते हुए आगे बढ़ें और इस लोकतांत्रिक प्रणाली को और आगे ले जाएं। मुझे बहुत अच्छा लगता था जब मैं लोक सभा का सदस्य होता था। वहां सब लोग यह बात कहा करते थे कि हिमाचल प्रदेश विधान सभा बहुत ही गरिमामय सभा है। यहां हमेशा डेलीब्रेशन से बातें होती हैं, चिन्तन और मन्थन से बातें होती हैं और फिर निर्णय लिए जाते हैं। इससे हम सभी का सिर गर्व से ऊंचा होता था और जब कभी भी इससे हटकर बातें हुईं, जो मुझे पिछले सदन में देखने को मिला। जैसे हमारे नेता, विपक्ष ने यहां बात रखी थी, तो वह कभी न हो। मैं समझता हूं कि भारतीय संसदीय प्रणाली में लोकतांत्रिक व्यवस्था एक बहुत ही अडिग होकर रह चुकी है और शायद इसका रसास्वादन हमारे पड़ोसी देश नहीं कर पा रहे हैं।

एम.एस. द्वारा जारी

11/01/2018/1620/ms/ag/1

डा0(कर्नल)धनी राम शांडिल जारी--------

ऐसा क्यों हुआ है? मैं समझता हूं कि यह लोकतांत्रिक प्रणाली इस देश की जितनी भी मल्टी-रिलीजियस, मल्टी-ऐथनिक और मल्टी-लिंगुअल जो हमारा यहां का स्वरूप है उसको इकट्ठा करते हुए एकजुट साथ रहने की प्रक्रिया है whether in peace or in war. I remember that, cutting across party lines, I have myself witnessed three

wars. Colonel Inder Singh was trying to tell me that we have had a very good headway in "One Rank, One Pension". I just wanted to say that yes there have been very good headway but we must remember that the respect of Armed Forces must never be damaged. There have been cases. This particular subject, which needs a separate discussion some time, has to be addressed.

इसी के साथ अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान हमारे देश के दूसरे प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की पुण्यतिथि की ओर आकर्षित करना चाहूंगा। यह पुण्यतिथि हमें याद नहीं आई जबकि याद आनी चाहिए थी। वे इस देश के दूसरे प्रधानमंत्री थे इसलिए उन्हें श्रद्धांजलि दी जानी चाहिए थी।

अध्यक्ष जी, जो सरकार पहले थी वह बहुत ही प्रयासरत्त और प्रयत्नशील रही और मैं समझता हूं कि हमारे वरिष्ठतम नेता श्री वीरभद्र सिंह जी के आशीर्वाद में हमारी सरकार ने जो काम किए हैं वे काबिले-तारीफ हैं। I think they will go down as unprecedented development of its time. He faced all challenges. आज मैं इस सदन में यह जरूर कहना चाहूंगा कि श्री वीरभद्र सिंह जी का व्यक्तित्व इस प्रकार का रहा है कि बहुत बड़े-बड़े तूफानों के बावजूद भी इन्होंने कभी भी विकास के मामले में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया और हम लोगों को भी यही निर्देश थे कि हम विकास के मामले में आगे रहें। हमारी उस समय की प्रदेश सरकार ने बहुत अच्छे काम किए हैं। मैं एक छोटा सा शेर इनके व्यक्तित्व के बारे में अर्ज़ करना चाहता हूंः

ख्वाब टूटे हैं पर हौंसले अभी जिन्दा हैं।
ये वो शख्स हैं जिनसे मुश्किलें भी शर्मिंदा हैं॥

11/01/2018/1620/ms/ag/2

मैं समझता हूं कि श्री वीरभद्र सिंह जी ने वे उदाहरण दिए, जैसे हम कहते हैं कि Government is in continuity. अब यह कहना कि अभी कुछ नहीं हुआ या जैसे हमारे नेता विपक्ष कह रहे थे कि अभी से लेकर हमें पैसों के बारे में चिन्ता नहीं करनी चाहिए

It's a Government in continuity. जो लोकहित में हमने फैसले लिए हैं या जो-जो भी हमने प्रोजैक्ट्स शुरू किए हैं, मेरा सरकार तथा माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन रहेगा कि उन्हें पूरा किया जाए और जनहित में उन्हें पूरा करना वांछित भी है। महामहिम जी ने एक बहुत अच्छा संकेत दिया और प्रदेश में एक नई शुरुआत हुई है। उन्नति और विकास की ओर सक्रिय, सार्थक एवं रचनात्मक सहयोग अपेक्षित है। मेरा भी मानना है कि पक्ष और विपक्ष दोनों ही किसी भी अच्छी गवर्नैंस के सूचक होते हैं और उन्हें मैं समझता हूं कि इसी प्रकार से आगे चलना चाहिए। Mr. Speaker, Sir, we have a very good number of young legislators. I think their number is 23. मेरा मानना है कि उन्हे लैजिस्लेटिव प्रैक्टिसिज एण्ड लैजिस्लेटिव प्रोसिजर्स के बारे में सीनियर्ज से सीखना चाहिए और अध्यक्ष जी आपकी सोच भी हमेशा ऐसी रही है। मेरा निवेदन है कि उन्हें छोटी सी कार्यशाला के रूप में यहां के लैजिस्लेटिव प्रैक्टिसिज एण्ड प्रोसिजर्स के बारे में जानकारी दी जाए।

जारी श्री जे0के0 द्वारा

11.01.2018/1625/जेके/एजी/1

डॉ0 धनी राम शांडिलः-----जारी---

They must imbibe all these good practices. मैं तो यह भी कहूंगा कि यहां किस प्रकार शालीनता व सभ्यता की भाषा इस माननीय सदन में बोलनी चाहिए, इसका भी प्रशिक्षण उन्हें देना चाहिए।

Mr. Speaker, Sir, in this august House, I feel we must always discuss things very openly. People problem must take priority and personal attacks should always be avoided. These are the practices which must be followed in any democracy and whenever it comes to our country, "Indian first and Indian last" should be our policy. We must also teach our young population that what has been our parliamentary history. For example, some Hon'ble Member discussed about Dr. Bhimrao Ambedkar. He was architect of Indian Constitution. We must go through this Constitution periodically and

understand that under what circumstances he must have prepared it when he himself was so sick. He used to devote most of his time in writing various Schedules of this Constitution. Dr. Bhimrao Ambedkar finds a very-very respectable place in University of Columbia where it was unveiled by Mr. Obama, the then President of United States of America. मैं समझता हूं कि कुछेक झलक अगर हमारे काम की इस डॉक्युमैंट में होती और कुछेक रोड़ मैप जो आपका था उसकी होती, I found that probably it was prepared in haste. The document did not include any of these things. इतने छोटे समय में सरकार के काम की या सरकार के काम करने की प्रणाली की या उनके कार्यकाल की कोई भी समीक्षा करना उचित नहीं होगा।

Hon'ble Speaker, Sir, I wish all the best to this Government. I assure you that with the leadership and blessings of our senior most leader, our Leader of the Opposition will perform the adequate role of Opposition. We shall support you on all people friendly policies and wherever we find it is anti people and not in keeping with the development and welfare of the people that will be opposed.

With these words, I wish you and the Government a very-very fruitful tenure. I assure you that we shall support you fully.

11.01.2018/1625/जेके/एजी/2

Thank you very much, Speaker, Sir.

Jai hind.

11.01.2018/1625/जेके/एजी/3

अध्यक्षः श्री राकेश कुमार। आप भी माननीय सदन में पहली बार बोल रहे हैं।

श्री राकेश कुमारः अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर हमारे वरिष्ठ सहयोगियों ने और विपक्ष में बैठे हुए माननीय सदस्यों ने चर्चा की। इसके

अलावा भी बहुत से ऐसे विषय हैं जिनके ऊपर इन्होंने प्रकाश डाला। आदरणीय अध्यक्ष जी, हिमाचल प्रदेश का सौभाग्य है कि हिमाचल प्रदेश की बागडोर आज ऐसे युवा और अनुभवी व्यक्ति के हाथों में है जिनको विधान सभा का अनुभव है और एक गरीब परिवार में जन्में है। हमारे विपक्ष के साथियों ने जहां महामहिम् राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा की वहीं अपनी सरकार की उपलब्धियों की चर्चा भी की।

श्री एस0एसव0 द्वारा जारी---

11.01.2018/1630/SS-DC/1

श्री राकेश कुमार क्रमागतः

हमारे विपक्ष के साथी कह रहे थे कि किस प्रकार से पांच वर्षों में हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार ने काम किया। मुझे लगता है कि अगर आप लोगों ने अच्छा काम किया होता तो शायद आप वहां (विपक्ष) न होते और हम यहां (सत्तापक्ष) न होते। इन पांच वर्षों में हिमाचल प्रदेश में क्या घटित हुआ है जिसकी चर्चा माननीय सदस्यों ने यहां पर की। चाहे वह होशियार सिंह कांड हो, चाहे वह गुड़िया कांड हो, इस हिमाचल प्रदेश देवभूमि को पूरे देश में बदनाम करने का काम पिछले पांच वर्षों में हुआ है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा जिन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था के ऊपर आते ही सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जिस प्रकार से आदरणीय कांग्रेस विधायक दल के नेता, परम आदरणीय मुकेश अग्निहोत्री जी ने भी चर्चा की और कहा कि आज आदरणीय जय राम ठाकुर जी गाड़ी पर बैठे हैं लेकिन गिअर कोई और डाल रहा है। मैं याद करवाना चाहता हूं कि पिछली आपकी सरकार में तो स्टियरिंग, गिअर से लेकर एक्सीलेटर तक किसी और के पास होते थे। लेकिन आज हमारे पास एक ऐसा व्यक्ति मुख्य मंत्री के रूप में है जिनके पास गाड़ी का पूरा कंट्रोल है इसलिए आप इसकी चिन्ता न करें। यहां पर विपक्ष के काफी नेताओं ने कहा कि बदला-बदली की भावना से काम नहीं होना चाहिए। हम भी इस बात से सहमत हैं। हमें अपने नेता आदरणीय जय राम ठाकुर जी पर पूर्ण विश्वास है कि वे बदला-बदली की भावना से काम नहीं करेंगे। लेकिन आपकी सरकार में क्या हुआ है यह पूरे प्रदेश में छिपा नहीं है।

पांच वर्ष किस प्रकार से बदला-बदली की भावना से काम किया गया। हमारे परिवार के सदस्यों को बदला गया, उनकी ट्रांसफरें की गईं, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता जब आंदोलन करते थे, पुतला जलाते थे तो हमारे ऊपर मुकदमे बनाए गए। वहीं देश के प्रधान मंत्री के पुतले पुलिस की कस्टडी में जलाए जाते थे तो उनके खिलाफ कोई मुकदमा नहीं बनाया जाता था। लेकिन हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि आदरणीय जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व वाली जो सरकार है यह सबका साथ और सबका विकास को लेकर आगे बढ़ेगी। जहां पर आदरणीय विधायक दल के नेता, मुकेश अग्निहोत्री जी ने कहा कि सरकार का एजेण्डा तय नहीं है, दिशा तय नहीं है, महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण

11.01.2018/1630/SS-DC/2

में इसकी झलक नहीं आ रही है। लेकिन सरकार ने आते ही जो महत्वपूर्ण निर्णय लिए चाहे सामाजिक सुरक्षा पैंशन की बात हो, चाहे इम्प्लॉईज़ को बेनिफिट देने की बात हो, इसके साथ-साथ अभिभाषण में पैरा नं0-7 में लिखा है कि मेरी सरकार ने अपने स्वर्णिम हिमाचल दृष्टिपत्र 2017 को एक नीतिगत दस्तावेज़ बनाकर कार्य करना शुरू कर दिया है। मैं निवेदन करूंगा कि उसकी प्रतियां माननीय सभी सदस्यों को मिल जाएं ताकि हमें जानकारी मिल जाए कि किस प्रकार से हमारी सरकार यह काम करेगी।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, अनेकों प्रकार की चर्चा यहां पर विपक्ष में बैठे हुए हमारे वरिष्ठ सहयोगियों ने की। पिछला 2012 का जो चुनाव है वह कांग्रेस पार्टी ने जिस प्रमुख मुद्दे पर लड़ा था वह यह था कि अगर हम सत्ता में आयेंगे तो हर पढ़े-लिखे नौजवान को बेरोजगारी भत्ता देंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं भी अपने चुनाव क्षेत्र में पांच वर्ष तक घूमता रहा और ढूंढता रहा कि कहीं कोई एक नौजवान मिल जाए जिसको इन पांच वर्षों में कोई बेरोजगारी भत्ता मिला हो। लेकिन मेरे विधान सभा क्षेत्र में ऐसा कोई नौजवान नहीं मिला जिसको बेरोजगारी भत्ता मिला हो। आज साढ़े 12 लाख के करीब बेरोजगार नौजवानों के नाम रोजगार कार्यालय में दर्ज़ हैं। यह सरकार के सामने बहुत बड़ी चुनौती है.

जारी श्रीमती के0एस0

11.01.2018/1635/केएस/डीसी/1

श्री राकेश कुमार जारी----------

लेकिन जिस प्रकार से माननीय विपक्ष के हमारे सहयोगी कह रहे थे कि मुख्य मंत्री जी जाएं और केन्द्र की सरकार से अनेक प्रकार के पैकेज लाएं । आप चिन्ता न करें क्योंकि आज प्रदेश में भी भारतीय जनता पार्टी की सक्षम सरकार है और केन्द्र में भी आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में एक सक्षम सरकार काम कर रही है।

जहां तक वित्तीय स्थिति की बात हैं, अगर माननीय मुख्य मंत्री जी ने या मंत्रिमण्डल के सभी सहयोगियों ने प्रदेश की वित्तीय स्थिति के बारे में माननीय सदस्यों को या जनता के बीच में जा कर यह जानकारी दी तो कोई बुरी बात नहीं है लेकिन आप चिन्ता न करें। हमारी सरकार पूरी लगन और ईमानदारी के साथ काम करेगी और हमें अपने नेतृत्व पर, माननीय मुख्य मंत्री जी पर पूरा विश्वास है कि विकास के मामले में कहीं भी धन की कमी आड़े नहीं आएगी। अभी यहां पर हमारे सहयोगी आदरणीय नेगी जी आबकारी नीति के ऊपर बात कर रहे थे। मैं पहली बार विधान सभा का सदस्य चुनकर आया हूं, ज्यादा बात नहीं करना चाहता । किस प्रकार से आबकारी नीति के ऊपर बेवरिज़ निगम बनाया गया, कॉर्पोरेशन बनाई गई और उस कॉर्पोरेशन में किस प्रकार से ऑक्शन होती थी जिसमें ठेकेदार शराब के दाम तय करते थे और यह ब्लू लाइन कम्पनी कौन है, मैं इसकी ज्यादा चर्चा नहीं करना चाहता। विपक्ष में उस तरफ बैठे हुए लोग भी जानते हैं और इस तरफ पक्ष में बैठे हुए कुछ हमारे सीनियर लोग भी जानते हैं। लेकिन मैं मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा जिन्होंने इस निगम को तुरन्त खत्म किया और जिसने इसमें गड़बड़ियां की है, उसकी जांच के आदेश दिए हैं। मैं मान्यवर मुख्य मंत्री जी और इनके मंत्रिमण्डल को इसके लिए बधाई देना चाहूंगा ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण में कुछ चीजें झलक रही हैं, चाहे सामाजिक सुरक्षा पैंशन की बात हो, चाहे कर्मचारियों को तीन प्रतिशत मंहगाई भत्ता देने की बात हो या अन्य सारी बातें हों, माननीय मुख्य मंत्री जी और अन्य मंत्रियों को शपथ लिए हुए अभी 15 दिन का समय ही हुआ है और माननीय विपक्ष के हमारे

11.01.2018/1635/केएस/डीसी/2

वरिष्ठ सहयोगी अभी से जानकारी लेना चाहते हैं कि 15 दिनों में क्या-क्या बड़े फैसले हो गए? कांग्रेस सरकार के समय में पांच वर्ष में किस प्रकार से काम हुआ यह किसी से छिपा नहीं है। कानून व्यवस्था की बात करें, स्वास्थ्य सुविधाओं की बात करें या सड़कों की बात करें, ये केन्द्र से पैकेज की बात कर रहे हैं लेकिन केन्द्र सरकार ने हिमाचल के लिए साढ़े तीन वर्षों में कोई कमी नहीं छोड़ी । हिमाचल प्रदेश के लिए जो 63 नेशनल हाईवे मन्ज़ूर किए हैं उनकी अभी तक डी0पी0आर0 नहीं बन पाई। हिमाचल प्रदेश के लिए अनेकों एम0सी0एच0सी0 मंजूर हुए और मेरे विधान सभा क्षेत्र सुन्दरनगर में भी मदर चाइल्ड हैल्थ केयर सैंटर मंज़ूर हुए दो वर्ष से ज्यादा समय हो गया है लेकिन अभी तक उसका काम शुरू नहीं हो पाया है। मेरे ही विधान सभा क्षेत्र के सुन्दरनगर अस्पताल में चुनाव से पहले मण्डी जिला से ही स्वास्थ्य मंत्री थे उन्होंने वहां पर डॉक्टर डिप्यूट किए थे और जैसे ही पोलिंग हुई उसके तुरन्त बाद वे डॉक्टर चले गए। आज वहां अस्पताल में डॉक्टर नहीं है। पिछले कल ही मैंने स्वास्थ्य मंत्री श्री विपिन सिंह परमार जी से निवेदन किया है कि जहां भी डॉक्टरों की कमी है उसको पूरा किया जाए। महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर ज्यादा बात न करता हुआ मैं एक बार पुनः अध्यक्ष महोदय का धन्यवाद करना चाहूंगा । आपने मुझे आज बोलने का समय दिया । अध्यक्ष जी, हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री जयराम जी ने जब से सत्ता सम्भाली है, जब इनका अपने गृह जिला मण्डी का पहला दौरा था, मैं भी लगभग 25 वर्षों से सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में काम कर रहा हूं लेकिन अपने जीवन में मैंने भी ऐसा

कभी नहीं देखा। मुख्य मंत्री जी सुबह दस बजे बिलासपुर से चले, रास्ते में लगभग ढाई सौ से ज्यादा स्वागत द्वार लगे हुए थे जहां आम जनता इनके स्वागत के लिए खड़ी हुई थी और शाम को सात बजे जब ये मण्डी के सेरी मंच पर पहुंचे तो वहां हजारों की संख्या में लोग इनका स्वागत करने के लिए पहुंचे थे।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी----

11.1.2018/1640/av/एचके/1

श्री राकेश कुमार------जारी

इसलिए आज एक ऐसे लोकप्रिय नेता के हाथों में बागडोर है और हमें पूरा विश्वास है कि आप हिमाचल को नई ऊंचाइयों और बुलन्दियों पर ले जायेंगे।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। अतः मैं आपका एक बार पुनः धन्यवाद करना चाहूंगा। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

11.1.2018/1640/av/एचके/2

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री राकेश पठानिया द्वारा महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के ऊपर जो धन्यवाद प्रस्ताव इस सदन में पेश किया गया है मैं उसके संदर्भ में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं।

काफी लम्बे समय से यहां पर चर्चा हो रही है। पक्ष और विपक्ष के लोग अपनी-अपनी बात रख रहे हैं। नई सरकार बनी है और नया नेतृत्व आया है। मैं नये मुख्य मंत्री आदरणीय जय राम जी को बधाई देता हूं। इनके मंत्री मंडल के सभी सदस्यों को बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपको भी नई जिम्मेवारी निर्वहन करने के लिए बधाई देता हूं तथा साथ में छोटे भाई श्री हंस राज जी को भी उपाध्यक्ष बनने पर बधाई देता हूं।

यहां पर अभी जो चर्चा हो रही है उसमें विभिन्न मुद्दों पर बात उठाई गई। वैसे तो नई सरकार का आकलन करना बहुत जल्दबाजी होगी लेकिन फिर भी जो आभास देखने को मिल रहा है जैसे पक्ष के लोग बोल रहे हैं कि हम बदला-बदली की राजनीति नहीं करेंगे। अभी जिस तरह के फैसले हुए हैं और सत्ता पक्ष में जो विचार चल रहा है उसमें साफ झलक देखने को मिल रही है कि बदला-बदली बहुत जोर से होगी। आरोप-प्रत्यारोप लगाने से प्रदेश का विकास नहीं होगा। धन की कमी की बात करने का भी कोई औचित्य नहीं है। यदि पूर्व में सरकार ने कर्ज लिया है तो प्रदेश को आगे ले जाने के लिए ही लिया है। वह पैसा किसी व्यक्ति विशेष की जेब में नहीं गया। उस पैसे से सड़कें व पुल बनें, शिक्षण तथा स्वास्थ्य संस्थान बनें। इसके अलावा ऐस्टेब्लिशमैंट पर जो भारी भरकम खर्चा होता है उस पर व्यय किया गया। यहां पर जैसे कि सत्ता पक्ष की तरफ से कहा गया कि देश के अन्दर भारतीय जनता पार्टी की सरकार है उस सरकार ने प्रदेश को बहुत सारी वित्तीय सहायता दी है। यदि वित्तीय सहायता दी होती तो मैं समझता हूं कि पूर्व सरकार को इतना ऋण उठाने की आवश्यकता न होती। आज मनरेगा जैसी एक महत्वकांक्षी योजना के ऊपर नकेल लगी है और मज़दूरों को उनके वेतन नहीं

11.1.2018/1640/av/एचके/3

मिल रहे हैं। ब्लॉक में सीमैंट नहीं है, विकास के सारे कार्य रुके हुए हैं। मैं यह कहना चाहूंगा कि गांव के अन्दर जो सौ दिन का रोजगार दिया जाता है और जो पैसा मज़दूरों का लम्बे समय से लम्बित पड़ा है कृपा करके उसे जल्दी-से-जल्दी उन मज़दूरों को दिया जाए। इसके अतिरिक्त जो विकास के काम रुके पड़े हैं उनको गति दी जाए। यह सरकार का पहला कार्य होना चाहिए था लेकिन दो-अढ़ाई महीने अचार संहिता लगी रही और उसके बाद सरकार बनाने में समय लग गया। इस संदर्भ में कोई सोच-विचार करने की बात नहीं हुई तथा न ही इस अभिभाषण में मनरेगा के कार्यों का कोई उल्लेख हुआ। यहां पर चर्चा की जा रही है कि 15 वर्ष तक आपकी पार्टी की सरकार रहेगी और आप 15 वर्ष तक राज करेंगे।

श्री वर्मा द्वारा जारी

11-01-2018/1645/टीसीवी/डीसी/1

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल..... जारी

ये बात उस जुमले की तरह ही साबित होगी जैसाकि आदरणीय नरेद्र मोदी जी ने कहा था कि सभी के खातों में 15-15 लाख रुपये आएंगे। ये 15 लाख और 15 साल वाला जो जुमला है, यह जुमला बनकर ही न रह जाये। इसकी ओर विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है। मुझे याद है, जब माननीय मुख्य मंत्री महोदय इस ओर बैठा करते थे तो एक बात कहते थे कि जो हारे हुए प्रतिनिधि हैं, वह क्षेत्र के विकास में ज्यादा रूचि रखते हैं लेकिन अभी सरकार बने हुए थोड़ा ही समय हुआ है, परन्तु जो हारे हुए प्रतिनिधि है, वह आज से ही अधिकारियों को डराने-धमकाने में लग गये हैं। मुख्य मंत्री महोदय मेरा आपसे निवेदन रहेगा कि हम चुने हुए प्रतिनिधि हैं, आपने भी कहीं-न-कहीं दंश झेला है। इसलिए कृपया करके जो चुने हुए प्रतिनिधि है, उनका आप संरक्षण करेंगे और जो इस प्रकार की गतिविधियां है ---(व्यवधान)--- आज जो कानून-व्यवस्था की बात है और उसके ऊपर जो चर्चा/परिचर्चा है, चाहे वह कोई भी कांड रहा हो, उसको राजनैतिक रंग देना बहुत गलत बात है। इससे शासन और प्रशासन के ऊपर दबाव पड़ता है और जो जनता से जुड़े हुए मुद्दे हैं, वे क्षीण से हो जाते हैं। बेरोज़गारी की बात करते हैं, हमारे साथी कह रहे थे कि पांच साल से बेरोज़गारी भत्ता किसी को नहीं मिला। मुझे याद है, जब सत्ता पक्ष के लोग विपक्ष में बैठते थे तो आपने सदन के अंदर और बाहर भी खूब चर्चा की थी कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में बेरोज़गारी भत्ता देने की घोषणा की है, वह दिया जाये। जब हमने उसको लागू कर दिया और देना शुरू किया तो आज आप उसको वापिस करने की सोच रहे हैं। ये उन बेरोज़गार युवाओं के साथ सरा-सर अन्याय

होगा और विपक्ष के लोग इसको ऐसा होने नहीं देंगे। जहां तक इंफ्रास्ट्रक्चर की बात है, जो हमारे चले हुए काम हैं, उनके ऊपर भी विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है। जहां तक औद्योगिक क्षेत्र की बात यहां पर हुई है, औद्योगिक पैकेज़ को लाने की बात यहां पर हुई है, हमारे जो सी0एल0पी0 के नेता है, आदरणीय मुकेश अग्निहोत्री जी जब उद्योग मंत्री थे तो इन्होंने अपने कार्यकाल में काफी क्रियाशीलता और गतिशीलता के साथ उद्योग के लिए काफी लम्बी लड़ाई लड़ी है। इन्होंने बिना केन्द्र

11-01-2018/1645/टीसीवी/डीसी/2

की सहायता से जितना भी इंफ्रास्ट्रक्चर डैवेल्प हो सकता था, वह किया। अब हम अपेक्षा करते हैं, केन्द्र में भी आपकी सरकार है, और आप उस समय काफी ज़ोर-ज़ोर से कहा करते थे कि औद्योगिक पैकेज़ यू0पी0ए0 सरकार ने बन्द कर दिया है। अब तो सरकार भी आपकी है तो आपसे निवेदन रहेगा कि जो औद्योगिक पैकेज़ है, वह हमारे प्रदेश में आना चाहिए। जहां तक स्वास्थ्य संस्थानों और स्कूलों को खोलने की बात है, यह ठीक है कि काफी स्कूल/स्वास्थ्य संस्थान खोले गये हैं, डॉक्टर्ज़/टीचर्ज़ की भी कमी है परन्तु यदि आप संस्थान नहीं खोलेंगे तो विकास कैसे होगा? हमारे पूर्व माननीय मुख्य मंत्री वीरभद्र सिंह जी की सरकार के समय में हर क्षेत्र में कॉलेज खोले गये, स्कूल कॉलेजों का दर्ज़ा बढ़ाया गया। उस समय भी विपक्ष के लोग यहां पर काफी हल्ला करते थे। माननीय वीरभद्र सिंह जी ने उस समय भी कहा था कि

एन0एस0 ..... द्वारा जारी ।

11.01.2018/1650/NS/YK/1

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल..... जारी

जिस सदस्य को ऐतराज है कि उसके क्षेत्र में स्कूलों का दर्ज़ा न बढ़ाया जाए और न ही स्कूल खोले जाएं तो वे लिख करके दे दें। तब आप लोग चुप हो गए थे। मेरा निवेदन है कि जो संस्थान पूर्व सरकार ने आम ज़नता के लाभ के लिए खोल हैं बजाय उनको बंद

करने के आप वहां पर उचित स्टॉफ मुहैया करवायें। आम ज़नता को बहुत आशा होती है कि उनका प्रतिनिधि अपने क्षेत्र में स्कूल, स्वास्थ्य संस्थान, तहसील और एस0डी0एम0 ऑफिस तथा पुलिस चौकी खोले। अब आगे दायित्व आपको मिला है। युवा नेतृत्व है और युवा मंत्रिमण्डल है। जहां तक हमारे सहयोग की जरूरत रहेगी तो हमारे विपक्ष के नेता माननीय अग्निहोत्री जी ने स्पष्ट कहा है कि हम सरकार को पूरा साकारात्मक सहयोग देंगे। हम आपको विश्वास दिलाना चाहते हैं कि हम सभी विधायक जो विपक्ष में बैठे हैं अगर आप ठीक काम करेंगे तो उसका पूरज़ोर समर्थन होगा। जो 80 वर्ष के बुजुर्ग थे उनको सामाजिक पैंशन पूर्व सरकार में माननीय वीरभद्र जी ने लागू की थी, उसको आपने 70 वर्ष कर दिया है। उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। इसी प्रकार से जो हमारा कर्मचारी वर्ग है उसके सम्बन्ध में इस अभिभाषण में कोई चर्चा नहीं की गई है। पूर्व सरकार में जब माननीय वीरभद्र जी मुख्य मंत्री थे तो वे अनुबंध पॉलिसी को 9 साल से तीन साल पर ले करके आए थे और हमने अपने घोषणा-पत्र में कहा था कि अगर हमारी सरकार बनेगी तो हम उसको दो साल करेंगे। आपके मुख्य मंत्री के प्रोजैक्टिड नेता ने भी माना था कि इस अनुबंध पालिसी को दो वर्ष करेंगे। मेरा आपसे निवेदन रहेगा कि जो कमर्चारियों की मांगे हैं आप उन पर विचार करें। आउटसोर्सिज़ कर्मचारी या शिक्षा के क्षेत्र में या विभिन्न वर्गों में जो कर्मचारी काम कर रहे हैं उनके वैल्फेयर के लिए भी आप विचार करेंगे। सोशल सैक्टर में जो हमारे आंगनबाड़ी केंद्र हैं उनको सुदृढ़ करने के लिए भी यहां कोई बात नहीं कही गई है।

11.01.2018/1650/NS/YK/2

अध्यक्ष महोदय, जैसा कि इस अभिभाषण में कहा गया है कि बजट सैशन में अन्य मांगो के ऊपर भी विचार किया जाएगा। मैं समझता हूं कि आपकी तरफ से इस प्रदेश के विकास के लिए जो साकारात्मक नीतियां आप ले करके आएंगे उसका हम समर्थन करेंगे। लेकिन जो नीति ठीक नहीं होगी उसका हम विरोध भी करेंगे। मुझे लगता है कि

इस अभिभाषण पत्र की प्रशंसा करना अभी जल्दबाजी है। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया है उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। जय हिन्द। जय हिमाचल।

11.01.2018/1650/NS/YK/3

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने इस माननीय सदन में अभिभाषण के रूप में हम सभी को आशीर्वाद दिया है और उसके समर्थन में बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। सर्वप्रथम, मैं इस माननीय सदन के नेता श्री जय राम ठाकुर जी को बहुत-बहुत बधाई और मुबारिकवाद देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको, श्री हंस राज जी और नेता प्रतिपक्ष श्री मुकेश अग्निहोत्री जी को बधाई देना चाहता हूं। अभिभाषण के रूप में

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

11.01.2018/1655/RKS/YK/1

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ...जारी

इस सरकार की दिशा यहां पर स्पष्ट की गई है और उससे स्पष्ट नजर आता है कि हमारी सरकार आने वाले दिनों में समाज के अलग-अलग पहलुओं को ध्यान में रखते हुए क्या करने वाली है। मुझे विपक्ष के कुछ साथी कह रहे थे कि इस प्रस्ताव के बारे में कुछ कहने के लिए जल्दबाजी होगी। मैं यह कहना चाहता हूं कि जल्दबाजी नहीं होगी। इसमें आने वाले दिनों की दिशा तय कर दी गई है। हिमाचल प्रदेश के परिदृश्य में जो धुंधलापन है वह धुंधलापन माननीय प्रगतिशील मुख्य मंत्री श्री जय राम जी की अगुवाई में एक स्वर्णिम भविष्य की ओर हिमाचल प्रदेश समृद्ध बने, हिमाचल प्रदेश हिन्दुस्तान के उन राज्यों में अग्रणी बने यह प्रस्ताव/अभिभाषण प्रदर्शित कर रहा है।

अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि घोषणाएं करने से, पट्टिकाएं लगाने से कोई प्रदेश आगे नहीं बढ़ता। हम अपने किसी भाषण में यह कह दें कि हमने इतनी स्कूल और डिग्री कॉलेज खोल दिए हैं। हमें इसकी गुणात्मक समीक्षा करनी चाहिए कि पिछले 5 वर्षों में हिमाचल प्रदेश कहां पर खड़ा हुआ है? मैंने निवर्तमान मुख्य मंत्री जी का भाषण भी सुना था कि जहां एक बच्चा होगा वहां पर भी मैं स्कूल खोलूंगा। यह किसके साथ बेईमानी हो रही है? किसके साथ अन्याय हो रहा है? मेरे पास एक आंकड़ा है। मैं भारत सरकार का धन्यवाद करना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश को श्रद्धेय नरेन्द्र मोदी जी ने अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए धनराशि दी। अगर 14वें वित्तायोग में यह धनराशि नहीं दी गई होती या दी होती परन्तु उसमें वृद्धि नहीं होती तो हिमाचल प्रदेश को चलाने के लिए जो बैंक से लोन लिया जाता रहा है, शायद यह लोन और अधिक बढ़ सकता था। हिमाचल प्रदेश के हर नागरिक के ऊपर लगभग 64 हजार रुपये का कर्जा है और वह कर्जा 64 हजार नहीं बल्कि कई हजारों /लाखों तक पहुंच जाता। इसलिए कोई मेरा साथी वहां से कहे (विपक्ष) कि हमने इतने संस्थान खोल दिए, मैं इस संदर्भ में भी कुछ कहना चाहता हूं। मैं शिक्षा की गुणवत्ता के बारे में कहना चाहता हूं। आज हिमाचल प्रदेश में

11.01.2018/1655/RKS/YK/2

10,756 प्राइमरी स्कूल, 2,102 मिडिल स्कूल, 922 हाई स्कूल, 1832 सीनियर सकैण्डरी स्कूल और 128 डिग्री कॉलेज हैं। हमारे एक मित्र कह रहे थे कि जब कॉलेज खोले तो 5-5 करोड़ रुपये भी दे दिया गया। यह 5 करोड़ रुपये आप सरकार बनने के समय जारी करते। कॉलेज उस समय खोलते। अध्यक्ष महोदय, यह आंकड़ा चौंकाने वाला हैं और आप इसे ध्यान से सुनना।

श्री0 बी0 एस0 द्वारा जारी...

11.01.2018/1700/बीएस/एजी/-1

अध्यक्षः माननीय मंत्री जी आप बोलने के लिए और कितना समय लेंगे क्योंकि उसके अनुसार ही सदन का समय बढ़ाना होगा। क्या आप 10 मिनट में अपनी बात पूरी कर लेंगे?

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, 10 मिनट में तो पूरी बात नही हो पाएगी। अगर हो सके तो सदन का समय आधा घंटा बढ़ाने की कृपा करें।

अध्यक्षः मेरे पास विपिन सिंह परमार जी के बाद दो और नाम हैं। एक लखविन्द्र सिंह राणा जी का और एक श्री रमेश ध्वाला जी का। हम प्रातः काल माननीय मुख्यमंत्री जी के उत्तर से पूर्व हम इन दोनों माननीय सदस्यों को बोलने के लिए समय दे देंगे। अब 20 मिनट के लिए इस सदन की बैठक बढ़ाई जाती है।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, अगर माननीय मुख्यमंत्री जी का जवाब इतनी जल्दी आएगा तो जो बोलने वाले हैं वे बोल नहीं पाएंगे। अगर आज ही सदन का समय बढ़ा दिया जाए या कल के लिए जो समय निर्धारित किया गयजाता कि मुख्यमंत्री जी को कब बोलना है।

अध्यक्ष : मेरे पास जो सूची आई है और उसमें जितने मेरे पास नाम आए हैं वे सारे नाम टोटल एग्जोस्ट हुए हैं और केवल दो नाम शेष हैं। जिनका उल्लेख मैं कर चुका हूं। विपक्ष की ओर से, सत्ता पक्ष की ओर से तथा जो सी.पी.एम. और निर्दलीय की सूची आई है हमने उस पर तदानुसार विचार किया है। अगर सदन के नेता और लीडर ऑफ कांग्रेस ग्रुप कल के लिए एक घंटा निर्धारित करना चाहें तो मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी। कल प्रातः इस पर निर्णय ले लिया जाएगा। अभी तक यही है कि कल दो माननीय सदस्य चर्चा में भाग ले लेंगे।

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, हमेशा इसमें ऐसा होता है यह कोई नई बात नहीं है। ये लिस्ट आज की है और कल के लिए चर्चा होनी है क्योंकि दो दिन चर्चा के लिए निर्धारित हैं। सदन के नेता तय कर दें कि उन्हें कितने बजे बोलना है ताकि जो माननीय सदस्य बोलना चाह रहे हैं उन्हें रिऑर्गेनाईज किया जा सके।

11.01.2018/1700/बीएस/एजी/-2

अध्यक्षः अगर सदन की अनुमति है तो अभी सदन का समय बढ़ा सकते हैं और दोनों माननीय सदस्य अगर बोलना चाहें तो बोल सकते हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी इस बारे में अपना मत व्यक्त करें।

मुख्यमंत्रीः अध्यक्ष महोदय, छोटी-छोटी चीजों पर लड़ाई नहीं होनी चाहिए। मैं अपने मित्र अग्निहोत्री जी को कहना चाहता हूं। मुझे कोई आपत्ति नहीं है। कल भी बोलना चाहें तो बोल सकते हैं। लेकिन कल सत्र का अंतिम दिन है और सत्र के अंतिम दिन सब भागमभागी में रहते हैं। सब लोगों ने वापिस जाना होता है। इसलिए मुझे लगता है उचित रहेगा अगर आप आज सदन का समय बढ़ाकर जो लोग बोलना चाह रहे हैं वे बोल लें। शायद श्री रमेश धवाला जी बोलना चाह रहे थे लेकिन उन्हें किसी जरूरी कार्य से जाना पड़ा। वे मुझे बोल करके गए कि मुझे पांच मिनट का समय सुबह दिया जाए। तो वह एक अलग परिस्थिति है। इसलिए मैं चाह रहा हूं कि आज सदन का समय बढ़ा करके जो बोलना चाहे बोल लें। जो दो माननीय सदस्य अभी बोलना चाहे तो बोल सकते हैं। कल फिर जल्दी से जवाब देने के बाद हमारा सत्र पूरा हो जाएगा।

अध्यक्षः माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी अपना वक्तव्य जारी करें और माननीय अग्नीहोत्री जी आप मुझे सूची दे दें।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को निपटाने की बात नहीं होनी चाहिए कि इसे आज ही निपटा दें। अगर माननीय मुख्यमंत्री जी को कोई जरूरी कार्य है तो बात अलग है । उसमें हम कोपरेट करने को तैयार है। लेकिन जब मुख्यमंत्री जी यहां है और सुबह 11:00 बजे सदन लगना है तो मुख्यमंत्री जी अपना जवाब 1:00 बजे के आसपास दें, उससे पहले आप चर्चा करवाएं।

मुख्यमंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मुझे लगता है कि इतनी उलझन में उलझने की आवश्यकता नहीं है। मुझे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन में वस्तुस्थिति बता रहा हूं कि सभी माननीय सदस्यों की ओर से आग्रह रहता है कि कल सेशन जल्दी समाप्त हो क्योंकि सभी माननीय सदस्यों ने अपने-अपने चुनाव क्षेत्रों व गांवों की तरफ जाना है तो उस दृष्टि से मैं इस बात को कह रहा हूं।

डीटी द्वारा जारी....

11.01.2018/1705/DT/एजी/1

मुख्य मंत्री जारी----

आज के समय का हम उपयोग करें तो उचित रहेगा लेकिन उसके बावजूद भी अगर आपको लगता है कि कल आप लोगों ने बोलना है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

अध्यक्षः ठीक है, मुख्य मंत्री जी, मैंने व्यवस्था दे दी है । परमार जी, आप अपना वक्तव्य जारी करें और मुझे कांग्रेस पार्टी के लीडर जो सूची देना चाहें, वह कृपया दे दें।

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा हो रही है । आप उसको चार घण्टे में निपटाना चाहते हैं और आप व्यवस्था दे रहे हैं तो आपका फैसला अन्तिम है। अगर आपको विपक्ष को बोलने का समय नहीं देना है, एक घण्टा सुबह आप क्यों समय नहीं दे सकते? एक घण्टा सुबह हमारे सदस्य बोलेंगें। 1.00 बजे के आसपास मुख्य मंत्री जी जवाब देंगें और उसके बाद सभी लोग चले जाएंगें।

अध्यक्षः मुझे लग रहा है कि मुकेश जी आपने जो सूची दी वह एग्जॉस्ट हो गई फिर भी आपको लगता है तो हम रात को दस बजे तक बैठने को तैयार है। आप सूची दीजिए। हम कह रहे हैं कि अभी सूची दे दीजिए। आप चर्चा कर लें।

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः अध्यक्ष महोदय, चार दिन का सत्र है । आप तो इस माननीय सदन के बहुत सीनियर सदस्य रहे हैं और आपको मालूम है कि एक दिन की सूची दी जाती है। आप पांच दफा इस सदन के सदस्य रहे हैं और आपसे कोई बात छिपी नहीं है। आप बात को घुमाना चाहें तो घुमा लें लेकिन आपको मालूम है कि दूसरे दिन चर्चा होनी

है । आज के दिन जो सूची दी गई थी वह एग्जॉस्ट हो रही है लेकिन हमारे इतने सीनियर सदस्य हैं, उनको अभी बोलना है। कल का दिन पड़ा था इसलिए उनका नाम रखा गया कि ये कल बोलेंगें। अगर आपको कल सदन जल्दी समाप्त करना है तो 2.00 बजे तक कर लें या 1.00 बजे तक कर लें। एक घण्टे तक चर्चा करवाने में क्या दिक्कत है?

11.01.2018/1705/DT/एजी/2

सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंत्रीः आदरणीय अध्यक्ष जी, वर्ष 2013 में भी जब यहां पर महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण प्रस्तुत किया गया था, उस पर चर्चा हुई थी। क्योंकि महामहिम राज्यपाल महोदय ने इतना ज्यादा कुछ नहीं कहा है इसलिए हम सोच रहे हैं कि आदरणीय ठाकुर जी अगर आज बोल लें तथा और भी कोई बोलना चाहता है, वह आज बोल लें तो अच्छा रहेगा । हमारा आपसे निवेदन है कि कल सभी सदस्य चाहते हैं कि जल्दी-जल्दी हम अपने घर को जाएं। कइयों को बहुत दूर-दूर भी जाना है इसलिए मेरा विनम्र आग्रह रहेगा।

अध्यक्षः माननीय मुख्य मंत्री जी, ऐसा है कि प्रातःकाल 11.00 से 12.00 बजे तक एक घण्टे का समय हम निर्धारित करते हैं। उसमें जितने लोग बोल पाएंगें, यह सुनिश्चित करेंगें और दोपहर 12.00 बजे माननीय मुख्य मंत्री जी इसका उत्तर देंगें। उसमें 10-10 मिनट के चाहे छः हो या फिर 15-15, 20-20 मिनट के दो हों, यह निर्धारण फिर सदन और विपक्ष को करना होगा । इस व्यवस्था के बाद श्री परमार जी आप बोलें।

11.01.2018/1705/DT/एजी/3

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं शिक्षा के स्तर के बारे में कह रहा था कि इतने संस्थान खोलने के बाद प्राइमरी और मिडिल स्कूलों में हिमाचल प्रदेश में

वर्ष 2003 और 2004 में 9,71,323 विद्यार्थी थे और वर्ष 2016 और 2017 में विद्यार्थियों का यह आंकड़ा बढ़ा नहीं है । जब इतने संस्थान खोले गए तो यह आंकड़ा 12-13 लाख तक पहुंचना चाहिए था परन्तु ये 9,71,323 में से घटकर 5,42,604 रह गए। यह क्या हो गया? ये कहां चले गए?

श्री एस0एल0एस0 द्वारा जारी---

11.01.2018/1710/SLS-ag-1

माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ....क्रमागत

मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि हम किसके साथ अन्याय कर रहे हैं? क्या हिमाचल प्रदेश के उन बच्चों के साथ जो सरकारी स्कूल में पढ़ाई कर रहे हैं? क्या वहां पर उनको गुणात्मक शिक्षा दी जा रही है? मैं इसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति कह सकता हूं। कॉलेज खोल दिए जिनके लिए अगर कहीं स्थान न मिला तो प्राइमरी स्कूल में ही चला दिए; सामुदायिक भवनों में ही चला दिए। जहां पर हाई स्कूल की ज़रूरत थी वहां पर कहा कि नहीं-नहीं, हाई स्कूल नहीं हम आपको कॉलेज देते हैं। जैसे रेबड़िया बांटी जाती हैं, वैसा किया गया। दो, ज़रूर दो। हम इसका विरोध नहीं करते। लेकिन पहले उसका सर्वे तो हो। इलाके के बच्चों और वहां के लोगों को कितना लाभ मिलना है, इसकी छानबीन तो करो। अध्यक्ष महोदय, यह एक बहुत बड़ा अन्याय हिमाचल प्रदेश के साथ हो रहा है।

यहां पर हमारे सम्मानीय विधायक कह रहे हैं कि सरकार बनी नहीं और यह कहा जा रहा है कि हिमाचल प्रदेश सरकार का ख़जाना खाली है। सच्चाई कहने में कौन-सी बुराई है? क्या आप हिमाचल प्रदेश के लोगों को अंधेरे में रखना चाहते हैं? हम जनता के प्रतिनिधि हैं। जनता की वकालत करने के लिए इस माननीय सदन में आए हैं। यहां पर कोई ऐसा मुखौटा ओढ़ करके हम जनता को गुमराह करने के लिए नहीं आए हैं। इसलिए, अध्यक्ष महोदय, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए। मेरे जैसे एक चुने

हुए प्रतिनिधि के लिए भी ज़रूरी है कि हम इसका ज्ञान अर्जित करें। आपको भी ज्ञान तो है लेकिन आप विपक्ष की मानसिकता में हैं। इसलिए विपक्ष की उस मानसिकता को छोड़ने की ज़रूरत है। हम यह कह रहे हैं कि हम हिमाचल प्रदेश को हिंदुस्तान का सिरमौर बनाएंगे। उसके लिए फिर हमें कुछ बातें छोड़नी होंगी।

अध्यक्ष महोदय, मैंने प्रधान मंत्री जी का और केंद्र सरकार का धन्यवाद किया। 13वें वित्तायोग में हमें कितनी धनराशि मिली? 21691 करोड़ रुपया मिला। 14वें वित्तायोग ने हिमाचल प्रदेश को अपने पैरों पर खड़ा कर दिया। आप वहां से धन्यवाद

11.01.2018/1710/SLS-ag-2

तो कर देते। धन्यवाद करने में क्या जाता है? चलो मेरे बाद जो वक्ता बोले, वह धन्यवाद कर दे या आप कल धन्यवाद कर दें। 14वें वित्तायोग में हमें 72035 करोड़ रुपये का सहयोग मिला। हिमाचल प्रदेश की डैबिट की क्या पोजिशन है? अध्यक्ष महोदय, 2007 में हमारी सरकार बनी थी। उस समय हमारे वहां पर बैठे हुए साथी 19977 करोड़ रुपये का डैबिट छोड़कर गए थे। दिसम्बर 2012 में हमारी सरकार गई और आप आए। उस समय 27598 करोड़ रुपये का डैबिट था। अध्यक्ष महोदय, हम 2012 और 2017 की बात कर रहे हैं। हमारी सरकार को बने हुए अभी मुश्किल से एक महीना भी नहीं हुआ। हमें आप बहुत बड़ा उपहार 46385 करोड़ का कर्ज़ा दे रहे हैं। अरे, हिमाचल प्रदेश को कज़ाई बनाने वाले भाइयो, आप अपने वक्तव्य के माध्यम से आर्थिक स्थिति को तो बता दीजिए। मैं यह कहना चाहता हूं कि 2007 और 2012 के बीच में हमने 7621 करोड़ रुपये का एडिशनल लोन लिया और आपने 2013 से लेकर 2017 के बीच में 18787 करोड़ रुपये का लोन लिया।

जारी ...श्री गर्ग जी

11/01/2018/1715/RG/DC/1

माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ----जारी

लगभग 19 हजार करोड़ रुपये का लोन लिया और फिर कह रहे हैं, मेरे साथी बहुत बहादुर बन रहे हैं, वैसे तो बहादुर ही हैं, जीतकर आए हैं। मैं आपको बधाई देना चाहता हूं। लेकिन इसमें कोई बहादुरी नहीं है। बहादुरी तो इसमें है कि हिमाचल प्रदेश कहां खड़ा है और इन परिस्थितियों में माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि अंधेरा छटेगा, सूरज उगेगा और हिमाचल प्रदेश सम्माननीय श्री जय राम जी के नेतृत्व में हिन्दुस्तान के अग्रणी राज्यों में आगे बढ़ेगा। इसके लिए मुख्य मंत्री जी कटिबद्ध हैं।

अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों मैं माननीय मुख्य मंत्री जी के पास गया, तो मुझे बहुत दुःख हुआ। मैंने कहा कि मेरे पास कुछ लोग आए हैं जो गरीब परिवार से हैं। उनके पास पैसे का कोई साधन नहीं है और बीमारी के लिए उपचार का कोई माध्यम नहीं है। इसलिए मैं आपके पास गया कि आप इस बीमार परिवार के इस व्यक्ति के लिए इतना पैसा दीजिए। ये हसमुख, साधारण और सीधे हैं। ये बात को कोई टेढ़ा-मेड़ा नहीं रखते। इन्होंने कहा कि परमार साहब आप जिस सहायता की बात कर रहे हैं, वह मुख्य मंत्री राहत कोष का खजाना पूरी तरह से खाली है और एक भी पैसा उसमें नहीं है। अरे भई, गरीबों की सेवा के लिए इकट्ठा किया गया वह पैसा कुछ लोगों की जेबों में चला जाए और इसके लिए मेरे पास कुछ ऐसे उदाहरण भी हैं, वह भी वोटों की खातिर यह सब कुछ होता रहा है। ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि जब आपने यह मार्मिक बात हमारे सामने रखी, तो बहुत दुःख हुआ। ऐसा परिवार, ऐसे लोग जिनको दवाई न मिलने के कारण वे हमें छोड़कर चले जाते हैं। ऐसे लोग जो अस्पताल में नहीं पहुंच पाते क्योंकि उनकी जेबों में पैसा नहीं होता। यह बात सुनकर मैंने अपने कुछ साथियों से बात की। सभी ने यह फैसला किया कि हिमाचल प्रदेश में अमीरी और गरीबी दोनों हैं। अमीरी चमक रही है और गरीबी सिसक रही है। इसलिए हमने यहां से फैसला किया जो हमें जो प्रथम वेतन मिलेगा, उसमें से हम मंत्री लोग 1,00,000/-रुपये मुख्य मंत्री राहत कोष में जमा करवाएंगे और विधायक उसमें 50,000/-रुपये जमा करवाएंगे। इसके लिए मंत्रियों और विधायकों का भी धन्यवाद और आपसे भी आग्रह है कि इस पुनीत काम में आप भी शामिल हो जाएं।

श्री राम लाल ठाकुर : क्या यह अपनी मरज़ी से करवाएंगे?

11/01/2018/1715/RG/DC/2

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : यह मरज़ी नहीं है। यहां से आवाज निकल रही है और वह अब इम्प्लीमेंट होगी। हम उनमें से नहीं हैं कि सरकार के खजाने का पैसा नज़राने के रूप में अपने पार्टी के कार्यकर्ताओं में बांट दें। भारतीय जनता पार्टी उस विचार पर नहीं चलती बल्कि भारतीय जनता पार्टी उस विचार पर चलती है कि गरीब का दुःख देखकर उसकी सहायता की जाए, यह हमारा प्रयास है।

अध्यक्ष महोदय, कई बार सच्ची बातें कड़वी लगती हैं। मैं एक बात और कहना चाहता हूं। आज हिमाचल प्रदेश में कह रहे हैं कि हिमाचल प्रदेश को निवर्तमान सरकार ने बहुत ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया।

अध्यक्ष : माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी कृपया एक मिनट के लिए बैठ जाएं। अब इस माननीय सदन की बैठक दस मिनट के लिए अर्थात सदन का समय 5.30 बजे तक बढ़ाया जाता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद।

एम.एस. द्वारा जारी

11/01/2018/1720/ms/ag/1

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जारी----

आज यहां हमारे कुछ सम्माननीय सदस्यों ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा सड़कों की कैसी हालत है। हम भारत सरकार का धन्यवाद करना चाहते हैं कि हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए अभी हाल ही में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने "एम्ज" का जो अस्पताल कोठीपुरा बिलासपुर में है,

ठाकुर रामलाल जी आप तो उसके लिए धन्यवाद कर देना-(व्यवधान)- शायद उस समय धन्यवाद करने के लिए मुश्किल होगी तो केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने उसकी स्वीकृति दे दी है और लगभग 1345 करोड़ रुपया उसके लिए स्वीकृत कर दिया है। मैं उसके लिए प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं। मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं तथा केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा जी का भी धन्यवाद करना चाहता हूं कि स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास और कदम भारत सरकार की ओर से किया गया है। पिछले दिनों जब हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी उस समय भारत सरकार ने अनुदान की कोई कमी नहीं रखी। परन्तु एक ही बात सामने आती थी और दिल्ली से यह बार-बार कहा जाता था कि हम आपकी सहायता करना चाहते हैं लेकिन यहां की सरकार सहायता लेने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि उसके लिए धरातल पर योजनाएं बनाने के लिए जितनी मेहनत करने की जरूरत होती है वह मेहनत उन भाइयों के द्वारा कभी नहीं हुई। इसलिए प्रधानमंत्री जी हिमाचल प्रदेश का जितना विकास करना चाहते थे उतना शायद नहीं हो सका परन्तु फिर भी मैं आदरणीय प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि प्रदेश के लिए "एम्ज" आपने दिया और चाइल्ड मदर ब्लॉक के लिए आपने नौ स्थानों पर करोड़ों रुपये दिया। मुकेश अग्निहोत्री जी, आपके ऊना में भी सेटेलाइट सेंटर की प्रधानमंत्री जी ने घोषणा की है। पी0जी0आई0 के सेटेलाइट सेंटर के लिए पैसे की संस्तुति और पैसा भेज दिया गया है। (विपक्ष की ओर इशारा करते हुए) आप लोग भी टेबल थपथपाओ। मुकेश जी, आपके ऊना के लिए

11/01/2018/1720/ms/ag/2

सब-कुछ हुआ है और आपने कहा है कि तालमेल और सबके सहयोग से हम आगे बढ़ेंगे तो आप शुरुआत करेंगे तभी तो यहां से कुछ होगा। अध्यक्ष जी, कहने को तो बहुत कुछ है। आज अगर हिमाचल प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की तरफ ध्यान दिया जाए तो मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि सम्माननीय जय राम जी ने हम पर विश्वास प्रकट करके जो विभाग सौंपा है, आदरणीय जय राम जी की अगुआई में तथा केन्द्रीय सरकार की अगुआई में और आप सभी के मार्गदर्शन से हम इस विभाग को और गति देंगे, यह हमारा

प्रयास रहेगा। गरीब की चिन्ता की जाएगी और मैंने तो डॉक्टर्ज से भी आह्वान किया है कि अगर हम अपना व्यवहार मरीजों के साथ ठीक रखेंगे हालांकि डॉक्टर्ज मरीजों के प्रति व्यवहार ठीक रखते हैं। उसी के कारण दर्जनों बार चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य का क्षेत्र हो जब कभी भी पुरस्कार या सम्मान दिए जाते हैं तो हिमाचल प्रदेश को पुरस्कार मिलते रहे हैं। मैंने उनसे बहुत सी अपीलें भी की हैं। मैंने उन्हें जैनरिक दवाइयों को भी लिखने के लिए कहा है और आम मरीज के साथ अच्छा व्यवहार रहे, उसके लिए निवेदन किया है।

अध्यक्ष जी, यहां पर हमारे भाई राजेन्द्र जी कह रहे थे कि बेवजह केस बना दिए गए। क्या भारतीय जनता पार्टी कोई ऐजैंसी है या कोई कोर्ट-कचहरी है? जब केस दर्ज होता है उसके बाद वह कोर्ट-कचहरी या ऐजैंसी अपने तरीके से काम करती है। किसी को यह लगने लगे कि इसके पीछे कोई और है या किसी का उसमें हाथ है तो ऐसा नहीं होता है। कानून अपना रास्ता स्वयं तय करता है। कानून का रास्ता सभी के लिए है चाहे कोई अर्श पर है चाहे फर्श पर है। चाहे कोई बहुत बड़ा आदमी है चाहे छोटा आदमी है। कानून सबके लिए बराबर है। हमारे संविधान में अलग से कोई व्यवस्था नहीं है कि कखपति के लिए छोटा कानून और लालू प्रसाद के लिए कोई अलग कानून है।

जारी श्री जे0के0 द्वारा------

11.01.2018/1725/जेके/वाईके/1

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रीः ----- **जारी**------

राबड़ी देवी के लिए और कानून है । सभी के लिए अब बराबर कानून है और जो एजैंसिज़ काम कर रही होगी, कोर्ट कचहरी काम कर रही होगी, वह नियमानुसार काम कर रही है, यह मैं आपको कहना चाहता हूं। जिस प्रदेश में बड़े-बड़े अधिकारी जेल की सलाखों के पीछे बैठे हों और वहां पर उनको बेल नहीं मिल रही हो और उसके बाद अब इस राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर कहें कि यह धुंधला है तो धुंधलाई आप में हो सकती है । हिमाचल प्रदेश पूरे देश और दुनिया में देवी-देवताओं के लिए, सैनिकों के

लिए और ईमानदारी के लिए जाना जाता है। यह राजनीतिक परिदृश्य और हालात किसने बनाये जहां पर कैदी भाग रहे हों और पुलिस के अधिकारी जेल की सलाखों के पीछे हों ? उसके लिए कोई और जिम्मेवार नहीं, आप ही जिम्मेवार है ।

अध्यक्ष महोदय, मुझे बहुत कुछ कहना है परन्तु अभी मैं समय से बंधा हूं। मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि आज के जो हालात हैं तथा उनमें जो हमारा दृष्टिपत्र यहां पर है, उसको हमने विज़न डॉक्युमैंट का नाम दिया है। वह हमारा नीतिगत दस्तावेज बन गया है। उस पर कार्रवाई शुरू हो गई है। कर्मचारियों के लिए घोषणा की गई है । गौमाता के बारे में आप भी बहुत कुछ कहते रहे हैं परन्तु हमें इस बात का दुख होता है कि गौरक्षा के ऊपर जब भारत सरकार ने कानून बनाने की बात की तो केरल में क्या हुआ?

अध्यक्षः माननीय सदस्य कृपया वाइंड अप करें।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि गौमाता के नाम पर भी राजनीति हुई परन्तु मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि गौरक्षा हम कैसे कर सकते हैं, उसके लिए भी आपने तीन सदस्यीय समिति बनाई है और पहली केबिनैट में यह फैसला किया है जिसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं।

11.01.2018/1725/जेके/वाईके/2

अन्त में मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि यह सरकार बढ़िया चलेगी, स्टीयरिंग आदरणीय जय राम जी के हाथ में हैं। ये वो नहीं है जो थक जाते हैं, सुस्ता जाते हैं ये वो है जो न थकते हैं न सुस्ताते हैं। इनमें हिम्मत भी है, हौसला भी है और बड़ी मंजिल तक पहुंचने के लिए अग्रसर होने की भावना भी है। ये गुण हमारे सम्माननीय मुख्य मंत्री मे हैं और ये अकेले नहीं है। यहां बैठे हुए हमारे धुरंधर मंत्रिमण्डल के सीनियर और हमारे नौजवान विधायक जो लोगों के आशीर्वाद से जीतकर आए हैं, विज़न रखते हैं, और

यहां पर अपनी बात को सलीके से रखने की भी हिम्मत रखते हैं । सत्ता पक्ष में जो हमारे सम्माननीय मंत्री व विधायक बैठे हैं, ये अपने कर्तव्य के आधार पर लगभग 72 लाख लोगों की आशाएं हैं। उसमें आप भी जुड़ सकते हैं। उसमें आपके लिए कोई रेखा नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे नेता प्रतिपक्ष ने कहा था कि हम सहयोग से आगे बढ़ेंगें। आओ हिमाचल प्रदेश को हिन्दुस्तान के इस राजनीतिक परिदृश्य में और मज़बूत और आगे खड़ा करें, यही मैं कहना चाहता हूं। मैं सम्माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के समर्थन के लिए यहां पर खड़ा हुआ हूं।

श्री एस0एस0 द्वारा जारी---

11.01.2018/1730/SS-YK/1

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री क्रमागतः

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे समय दिया, अपनी बात रखने का मौका दिया और अपनी सरकार के पक्ष को रखने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, जय हिन्द।

अध्यक्षः अब इस माननीय सदन की बैठक शुक्रवार, 12 जनवरी, 2018 के 11:00 बजे पूर्वाह्न तक स्थगित की जाती है।

धर्मशाला-176215 **सुन्दर सिंह वर्मा,**
दिनांकः 11 जनवरी, 2018 **सचिव।**